महा कुंडली

AstroSage

World's No. 1 Astrology Portal & App

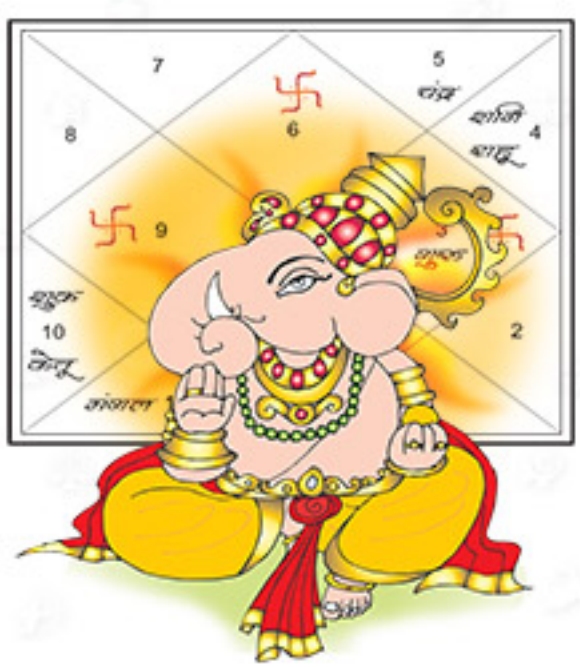

अवकहडा चक्र

पाया (राशि आधारित)	लोह
वर्ण	क्षत्रिय
योनी	गज
गण	मानव
वश्य	चतुष्पद
नाड़ी	मध्य
दशा भोग्य	Venus 15 Y 5 M 1 D
लग्न	वृषभ
लग्न स्वामी	शुक्र
राशि	मेष
राशि स्वामी	मंगल
नक्षत्र–पद	भरणी 1
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
जुलियन दिन	2443744
सूर्य राशि (हिन्दू)	सिंह
सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
अयनांश	023.33.30
अयनांश नाम	लाहिरी
अक्ष से झुकाव	023.26.31
साम्पातिक काल	21.38.53

व्यक्ति विवरण

लिंग	Female
दिनांक	23 : 8 : 1978
समय	23 : 53 : 18
दिन	बुधवार
इष्टकाल	044-57-39
जन्म स्थान	Delhi
टाइम जोन	5.5
अक्षांश	28 : 40 : N
रेखांश	77 : 13 : E
स्थानीय समय संशोधन	00:21:07
युद्ध कालिक संशोधन	00:00:00
स्थानीय औसत समय	23:32:10
जन्म समय – जीएमटी	18:23:18
तिथि	षष्ठी
हिन्दू दिन	बुधवार
पक्ष	कृष्ण
योग	वृद्धि
करण	वणिज
सूर्योदय	05:54:14
सूर्यास्त	18:53:28
दिन अवधि	12:59:13

घटक (अशुभ)

दिन	रवि
करण	बव
लग्न	मेष
माह	कार्तिक
नक्षत्र	मघा
प्रहर	1
राशि	मेष
तिथि	1, 6, 11
योग	विषकुम्भ
ग्रह	बुध

अनुकूल बिन्दु

भाग्यांक	5
शुभ अंक	2, 7, 9
अशुभ अंक	4, 8
शुभ वर्ष	14,23,32,41,50
भाग्यशाली दिन	गुरु
शुभ ग्रह	गुरु, सूर्य, चंद्र
मित्र राशियां	मिथुन, सिंह, धनु
शुभ लग्न	कर्क, तुला, धनु, कुंभ
भाग्यशाली धातु	सुवर्ण
भाग्यशाली रत्न	लाल, मूंगा

पारम्परिक

नाम	Pooja Sharma	**जुलियन दिन**	2443744	**लग्न स्वामी**	शुक्र	**दशा भोग्य**	Venus 15 Y 5 M 1 D
लिंग	Female	**अयनांश नाम**	लाहिरी	**लग्न**	वृषभ	**करण**	वणिज
दिनांक	23.8.1978	**अयनांश**	023.33.30	**योग**	वृद्धि	**नक्षत्र स्वामी**	शुक्र
दिन	बुधवार	**जन्म स्थान**	Delhi	**तिथि**	षष्ठी	**नक्षत्र–पद**	भरणी–1
समय	23.53.18	**रेखांश**	77.13.E	**सूर्यास्त**	18.53.28	**राशि स्वामी**	मंगल
साम्पातिक काल	21.38.53	**अक्षांश**	28.40.N	**सूर्योदय**	05.54.14	**राशि**	मेष

लग्न चक्र

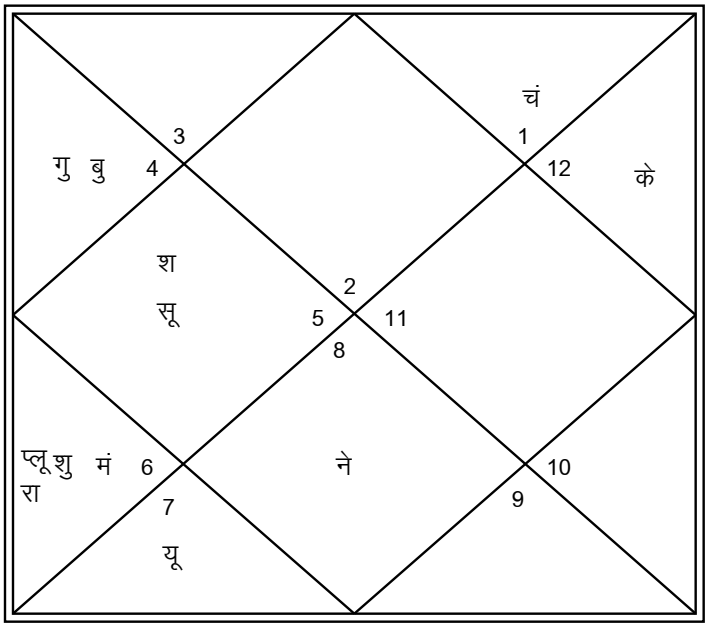

नवमांश चक्र

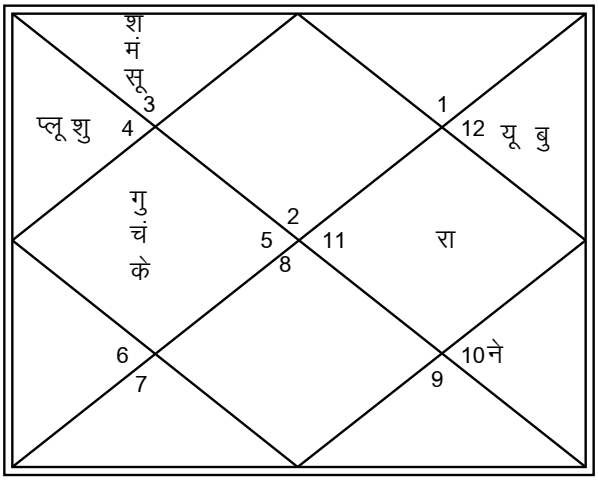

विंशोत्तरी दशा

शुक्र –20 वर्ष 23/ 8/78 से 25/ 1/94	
शुक्र	00/00/00
सूर्य	25/5/78
चंद्र	25/1/80
मंगल	25/3/81
राहु	25/3/84
गुरू	25/11/86
शनि	25/1/90
बुध	25/11/92
केतु	25/1/94

सूर्य –6 वर्ष 25/ 1/94 से 25/ 1/00	
सूर्य	13/5/94
चंद्र	13/11/94
मंगल	19/3/95
राहु	13/2/96
गुरू	1/12/96
शनि	13/11/97
बुध	19/9/98
केतु	25/1/99
शुक्र	25/1/00

चंद्र –10 वर्ष 25/ 1/00 से 25/ 1/10	
चंद्र	25/11/00
मंगल	25/6/01
राहु	25/12/02
गुरू	25/4/04
शनि	25/11/05
बुध	25/4/07
केतु	25/11/07
शुक्र	25/7/09
सूर्य	25/1/10

मंगल –7 वर्ष 25/ 1/10 से 25/ 1/17	
मंगल	22/6/10
राहु	10/7/11
गुरू	16/6/12
शनि	25/7/13
बुध	22/7/14
केतु	19/12/14
शुक्र	19/2/16
सूर्य	25/6/16
चंद्र	25/1/17

राहु –18 वर्ष 25/ 1/17 से 25/ 1/35	
राहु	7/10/19
गुरू	1/3/22
शनि	7/1/25
बुध	25/7/27
केतु	13/8/28
शुक्र	13/8/31
सूर्य	7/7/32
चंद्र	7/1/34
मंगल	25/1/35

गुरू –16 वर्ष 25/ 1/35 से 25/ 1/51	
गुरू	13/3/37
शनि	25/9/39
बुध	1/1/42
केतु	7/12/42
शुक्र	7/8/45
सूर्य	25/5/46
चंद्र	25/9/47
मंगल	1/9/48
राहु	25/1/51

शनि –19 वर्ष 25/ 1/51 से 25/ 1/70	
शनि	28/1/54
बुध	7/10/56
केतु	16/11/57
शुक्र	16/1/61
सूर्य	28/12/61
चंद्र	28/7/63
मंगल	7/9/64
राहु	13/7/67
गुरू	25/1/70

बुध –17 वर्ष 25/ 1/70 से 25/ 1/87	
बुध	22/6/72
केतु	19/6/73
शुक्र	19/4/76
सूर्य	25/2/77
चंद्र	25/7/78
मंगल	22/7/79
राहु	10/2/82
गुरू	16/5/84
शनि	25/1/87

केतु –7 वर्ष 25/ 1/87 से 25/ 1/94	
केतु	22/6/87
शुक्र	22/8/88
सूर्य	28/12/88
चंद्र	28/7/89
मंगल	25/12/89
राहु	13/1/91
गुरू	19/12/91
शनि	28/1/93
बुध	25/1/94

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	अक्षांश	नक्षत्र	पद
लग्न	वृषभ	15.30.14	रोहिणी	2
सूर्य	सिंह	06.42.30	मघा	3
चंद्र	मेष	16.23.10	भरणी	1
मंगल	कन्या	18.40.48	हस्त	3
बुध (व)	कर्क	28.16.43	आश्लेषा	4
गुरू	कर्क	03.54.40	पुष्य	1
शुक्र	कन्या	22.40.42	हस्त	4
शनि	सिंह	09.57.57	मघा	3
राहु (व)	कन्या	04.33.40	उ0फाल्गुनी	3
केतु (व)	मीन	04.33.40	उ0भाद्रपद	1
यूरे	तुला	19.15.30	स्वाती	4
नेप (व)	वृश्चिक	21.58.28	ज्येष्ठा	2
प्लू	कन्या	21.19.34	हस्त	4

अष्टकवर्ग तालिका

राशि संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सूर्य	5	5	5	2	4	5	2	4	3	1	5	7
चंद्र	3	5	6	5	0	2	7	3	2	7	6	3
मंगल	4	5	5	3	2	3	3	2	4	1	4	3
बुध	5	7	6	5	2	5	3	4	6	3	4	4
गुरू	4	6	4	5	5	4	8	3	4	4	5	4
शुक्र	4	7	5	5	3	3	2	6	5	3	3	6
शनि	1	4	6	3	4	2	2	3	3	2	6	3
योग	26	39	37	28	20	24	27	25	27	21	33	30

चलित तालिका

भाव	राशि	भाव आरंभ	राशि	भाव मध्य
1	मेष	27.43.16	वृषभ	15.30.14
2	वृषभ	27.43.16	मिथुन	09.56.17
3	मिथुन	22.09.19	कर्क	04.22.21
4	कर्क	16.35.23	कर्क	28.48.24
5	सिंह	16.35.23	कन्या	04.22.21
6	कन्या	22.09.19	तुला	09.56.17
7	तुला	27.43.16	वृश्चिक	15.30.14
8	वृश्चिक	27.43.16	धनु	09.56.17
9	धनु	22.09.19	मकर	04.22.21
10	मकर	16.35.23	मकर	28.48.24
11	कुंभ	16.35.23	मीन	04.22.21
12	मीन	22.09.19	मेष	09.56.17

|| पंचांग फल ||

जन्म वार, जन्म तिथि, जन्म नक्षत्र, जन्म योग तथा जन्म करण इन पाँचों को मिलाकर पंचांग फल की गणना की गई है। जन्म के समय उपरोक्त सभी पाँचों कारकों को ध्यान में रखने के बाद जातक के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव की गणना की जाती है। आपकी कुंडली में पंचांग फल निम्न प्रकार वर्णित है:

तिथि: षष्ठी

आपका जन्म षष्ठी तिथि में हुआ है। इस तिथि में जन्म लेने की वजह से हो सकता है आपके शरीर पर कोई निशान हो। आप दृंढ निश्चयी होंगे और जीवन में बड़े फैसले लेंगे। आप सुंदर और करिश्माई व्यक्तित्व के धनी होंगे। यह छवि आपकी बुद्धिमता को प्रदर्शित करेगी। आपका झुकाव विपरीत लिंग के लोगों के प्रति रहेगा। इसके अलावा आपके अंदर धन और प्रसिद्धि पाने की लालसा रहेगी।

वार: बुधवार

आपका जन्म बुधवार के दिन हुआ है इसलिए आप सुंदर चेहरे और आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होंगे। आप अपनी भाषा और वाणी से सामाजिक जीवन में हर किसी व्यक्ति को अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। इसके अलावा कार्य स्थल पर भी आप बुद्धिमानी और कार्य कौशल से सबको प्रभावित करेंगे। कूटनीतिक व्यवहार करने में आपको महारथ प्राप्त होगी। आप लेखन, कविता और पत्रकारिता जैसे क्षेत्र को अपना पेशा बनाएंगे।

योग: वृद्धि

इस योग में जन्म लेने से आप शारीरिक और व्यवहारिक दोनों रूप से आकर्षक होंगे। चरित्रवान होने के साथ–साथ आप बुद्धिमान भी होंगे। आप आयात और निर्यात से जुड़ा व्यवसाय कर सकते हैं। वृद्धि योग में जन्म लेने का अच्छा प्रभाव केवल आप ही नहीं बलकि आपकी बीवी और बच्चों पर भी देखने को मिलेगा। इसके फलस्वरूप उनमें भी आपकी तरह सामान गुण होंगे।

करण: वणिज

आपका जन्म वणिक करण में हुआ है। इसके प्रभाव से आप कई प्रकार की कलाओं में निपुण होंगे। आप हमेशा खुश और संतुष्ट रहेंगे। आप जिस समाज में रहेंगे वहां आपका सम्मान किया जाएगा। आप स्वयं का व्यवसाय करके अपनी आजीविका चलाएंगे। आप बहुत चालाक होंगे लेकिन आपके चेहरे पर सदा मुस्कुराहट रहेगी।

नक्षत्र: भरणी

भरणी नक्षत्र में जन्म लेने की वजह से आप रोग रहित जीवन व्यतीत करेंगे। आप हमेशा सत्य और न्याय के लिए लड़ेंगे। आप बेहद साहसी और कामकाज में चतुर होंगे। आप खुशहाल और समृद्धिशाली जीवन व्यतीत करेंगे।

|| आपका लग्न ||

लग्न क्या है –

भारतीय ज्योतिष में लग्न का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। व्यक्ति के जन्म के समय में जो राशि पूर्वीय क्षितज पर उदित हो रही होती है उस राशि को लग्न राशि कहते हैं। वह राशि जिस भाव में पडती है उसे लग्न कहते हैं। लग्न व्यक्ति के जीवन की छोटी से छोटी घटना के बारे में जानने में मदद करता है।

आपका लग्न है: **वृशभ**

स्वास्थ्य वृशभ लग्न के लिए:

वृषभ लग्न आपको एक मजबूत और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान कर रहा है। लेकिन कुछ शारीरिक समस्याओं का सामना आपको जीवन भर करना पड़ सकता है। विशेष रूप से आप तंत्रिका तंत्र से संबंधित बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं। यदि आपका जन्म मई मास में हुआ है तो आपको अधिक वजन की भी समस्या हो सकती है। कभी कभी यौन रोग आपको अपने प्रभाव में ले सकते है। इसके अलावा जीवन में ग्रीवा कशेरुक,निचले जबड़े, दांत,ठोड़ी और तालु की समस्याएं होने की संभावनाएं भी बनती है। गुर्दे,गुप्तांग, मूत्राशय,गर्दन और गले में होने वाले रोगों से आपको सतर्क रहना चाहिए।

स्वभाव व व्यक्तित्व वृशभ लग्न के लिए:

वृषभ लग्न के अंतर्गत जन्म लेने के कारण आप कुछ अव्यवहारिक हो सकते है। जिसके कारण नए लोगों को आप न भाये। अपने शांत और अंतर्मुखी व्यवहार, के कारण नए लोगों से मिलना जुलना पसंद नहीं करते है। अगर आपके साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जाता और समझा भी नहीं जाता, तो आपमें दूसरों के प्रति आक्रोश और रूढ़िवादिता की भावना उत्पन्न हो सकती है। आपको अक्सर नए दोस्त बनाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिसके कारण आप नए लोगों से मिलने में संकोच करते हैं। आप विश्वसनीय और व्यवहारिक प्रकृति के हो सकते है। आपका यह स्वभाव आपको कारोबार में आपको अच्छी सफलता दिला सकता है। आपके व्यक्तित्व में कामुकता का भाव भी हो सकता है। इसके कारण आप सभी क्षेत्रों में भौतिक सुख प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहते हैं और आप काफी उद्यमी प्रकृति के भी हो सकते है। आप अपने कार्यों को अपने अनुसार निश्चित समय में पूरा करते है। व दूसरे लोगों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना भी करते है तथा उनकी प्रतिभा की भी खुलकर तारीफ करते हैं। उस समय आपका व्यवहार किसी बॉस के समान भी हो सकता है। आपकी राशि के व्यक्तियों को आसानी से आकर्षित नहीं किया जा सकता और अगर ऐसा किया भी जाता है तो काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। आप लोग अपने मूल्य और सिद्धांतों के प्रति काफी अडिग रहते हैं, और आपके दृष्टिकोण को बदलना आसान नहीं होता है। आपकी स्नेही प्रकृति और सच्चाई की सराहना करने का गुण, दूसरों को आपकी और आकर्षित करता है। इसी के कारण आप एक चुम्बकीय व्यक्तित्व के स्वामी है। आप स्वभाव से आवेगी नहीं होंगे लेकिन लेकिन अगर आप के साथ जबदस्ती का व्यवहार किया जाए तो आप उग्र हो सकते हैं। कई बार आप पूर्वाग्रही और जिद्दी भी हो सकते है। आप काफी सावधानी से अपने दोस्तों का चयन करते हैं। तथा आप झूठ बोलना पसंद नहीं करते हैं हालांकि आपको आसानी से मनाया जा सकता है।

शारीरिक रूप–रंग वृशभ लग्न के लिए:

वृषभ लग्न के लोगों में कम उचाई वाले और कभी कभी दुबले कद काठी के होते हैं। आमतौर पर आप लोग सुंदर कद काठी, ऊंची नाक, चमकदार आँख और कामुक होठ वाले होते हैं। आपका जितना चेहरा सुंदर देखने में होता है उतना आप भाग्यशाली नहीं होते है। आपकी शारीरिक संरचना चौकोर आकार ही होती है। आप लोगों के पीठ पर कुछ निशान भी होते हैं। वृषभ लग्न के लोग मेलजोल वाले होते हैं।

।। आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ।।

सूर्य विचार

आपकी कुण्डली में सूर्य सिंह राशि में स्थित है, जो कि सूर्य की स्व राशि है। सूर्य चौथे घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में चौथे घर में स्थित है। सूर्य की दृष्टि दसवें घर पर है।

यहां स्थित सूर्य आपको आर्थिक प से समृद्धशाली बना सकता है, क्योंकि यह आपके भीतर बचत करने की प्रवृत्ति देगा। आप देखने में पवान तो हो सकते हैं लेकिन कुछ चिन्ताएं भी आपको घेरे रह सकती हैं। यहां स्थित सूर्य माता पिता की सेवा से वंचित करवाता है। या तो आप दूर रहने के कारण माता पिता की सेवा नहीं कर पाएंगे या फिर साथ रहकर आपसी मनटाव से ग्रस्त रह सकते हैं।

सूर्य की यह स्थिति भाइयों के आपसी सद्भाव में बाधक बनती है। लेकिन यह स्थिति आपको किसी गुप्त विद्या का ज्ञान दे सकती है। हो सकता है कि आप अपनी जन्मभूमि को अधिक महत्त्व न दे पाएं लेकिन फिर भी आप किसी को हानि पहुचाने से डरेंगे। आपको सोने चांदी के व्यापार से लाभ मिलेगा। आपकी अधिकतर यात्रांए भी लाभकारी सिद्ध होंगी।

यदि आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, कुछ नया बनाएंगे या शोध करेंगे तो यह आपके लिए लाभप्रद रहेगा। कोई भी बुरी लत न लगने दें अन्यथा आपको अपनी बुरी लत को छोडने में बडी कठिनाई होगी। आपका ससुराल पक्ष कुछ हद तक समस्याग्रस्त रह सकता है। आपको भी आंखों से संम्बंधित परेशानियां हो सकती हैं। आपको चाहिए कि लालच को आने पास भी न फटकने दें अन्यथा आर्थिक संकट परेशान कर सकता है।

चन्द्र विचार

आपकी कुण्डली में चन्द्र मेष राशि में स्थित है, जो कि चन्द्र की मित्र राशि है। चन्द्र तीसरे घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में बारहवें घर में स्थित है। चन्द्र की दृष्टि छठे घर पर है। मंगल की पूर्ण दृष्टि चन्द्र पर है।

बारहवें भाव में स्थित चंद्रमा आपको एकांत प्रेमी बना सकता है। हांलाकि आप एकांत में जाकर भली प्रकार से चिंतन कर पाएंगे क्योंकि आप एक चिंतनशील व्यक्ति हैं। आप एक मृदुभाषी व्यक्ति हैं लेकिन आपके खर्चे बहुत होंगे। आपमें क्रोध की अधिकता देखने को मिलेगी। आपकों आखों से सम्बंधित परेशानी के अलावा कफ से सम्बंधित परेशानियां भी हो सकती हैं।

आप थोडे से आलसी और भावनात्मक प से परेशान रह सकते हैं। प्रेम और रहस्य से संबंधित विषयों में आपकी रुचि अधिक होगी। विदेश यात्राएं करने में भी आपकी अच्छी खासी रुचि होगी, साथ ही आपको विदेश यात्राएं करने के मौके भी खूब मिलेंगे। आपके शत्रुओं की संख्या अधिक हो सकती है। आपका जुडाव किसी अस्पताल या धार्मिक संस्थान के साथ हो सकता है।

आपको अपने जीवन काल में कई प्रतिबंधों का सामना करना पड सकता है। व्यवसायिक मामलों की आपको बहुत जानकारी नहीं हो पाएगी। इस कारण से इन मामलों से आपको दूर रहना पड सकता है। आप अपने खर्चों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। हांलाकि ये खर्चे आप ही करेंगे फिर भी इन्हीं खर्चों के कारण आपको अपने अन्य कामों में परेशानियों का अनुभव होगा।

।। आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ।।

मंगल विचार

आपकी कुण्डली में मंगल कन्या राशि में स्थित है, जो कि मंगल की शत्रु राशि है। मंगल बारहवें, सातवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में पांचवें घर में स्थित है। मंगल की दृष्टि आठवें, ग्यारहवें, बारहवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि मंगल पर है।

पांचवे भाव में स्थित मंगल आपमें चंचलता देने के साथसाथ आपको बुद्धिमान बनाता है लेकिन आपके स्वभाव में उग्रता जल्द ही आ जाती है। यदि आप कुसंगति के स्वयं को नहीं बचाएंगे तो आप भी व्यसनी हो जाएंगे। छल कपट से दूर रहना भी आपके लिए हितकर होगा। आपको पेट से सम्बंधित परेशानियां भी समयसमय पर परेशान कर सकती है अतः खानपान पर संयम रखना जरी होगा।

ज्यादतियों और सट्टे बाजारी के शौक के कारण आपको घाटा भी उठाना पड सकता है। इन कारणों से आप तनावग्रस्त और आक्रामक हो सकते है। हांलाकि आप बुद्धिमान व्यक्ति हैं लेकिन कोईकोई निर्णय बिना विवेक के भी ले सकते हैं। आपका प्रथम पुत्र बहुत जल्द गुस्सा करने वाला होगा, उसे दुर्घटनाओं और चोट लगने का भय बना रहेगा। कोई संतान अवज्ञाकारी भी हो सकती है।

आपकी संतान शल्य चिकित्सा के माध्यम से हो सकती है। आप पेट की तकलीफों और कब्जजन्य रोगों से परेशान रह सकते हैं। आप विपरीतलिंगी के प्रति अधिक आकर्षित हो सकते है, यदि आपने इस मामले में संयम से काम नहीं लिया तो आपकी बदनामी भी हो सकती है। आपको जिम जाना अथवा व्यायाम करना बहुत पसंद होगा।

बुध विचार

आपकी कुण्डली में बुध कर्क राशि में स्थित है, जो कि बुध की शत्रु राशि है। बुध दूसरे, पांचवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में तीसरे घर में स्थित है। बुध की दृष्टि नौवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि बुध पर है।

तीसरे भाव में स्थित बुध के कारण आपका शारीरिक गठन बहुत अच्छा होगा। आप एक धार्मिक और यशस्वी व्यक्ति हैं। आप देवताओं और गुरुजनों का आदर करते हैं। आप बुद्धिमान और स्वभाव से विनम्र हैं। आपके भीतर साहस और वीरता का समावेसह भी है। आप अपनी विनम्रता के कारण उद्दण्ड व्यक्ति पर भी नियंत्रण पा लेंगे और अपनी आवश्यकतानुसार लाभ ले पाएंगे।

आपके भाई बहनों या सहयोगियों की संख्या अधिक होगी और आप उनके चहेते होंगे। आपका परिवार बडा होगा। आपको अपने भाईबहनों से सुख मिलेगा। आपके दो लडके और तीन लडकियां हो सकती हैं। आप स्वजनों से घिरे रहेंगे और उनका हित करते रहेंगे। सरस हृदय होने के कारण स्त्रियों के प्रति स्वभाविक अनुराग होगा।

आप सरस एवं सरल हृदय के व्यक्ति हैं। आपके मित्रों की संख्या अधिक होगी। आप अपने जानने वालों से प्रेम पूर्वक बात करते हैं। आत्मकेन्द्रण आपके लिए उचित नहीं रहेगा। आर्थिक लाभ पर अधिक जोर देना भी उचित नहीं होगा। लेखन प्रकाशन या छ्पाई के कामों से आपका जुडाव हो सकता है। जीवन की अंतिम अवस्था में वैराग्य या मोक्ष की इच्छा भी हो सकती है।

।। आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ।।

गुरू विचार

आपकी कुण्डली में गुरू कर्क राशि में स्थित है, जो कि गुरू की उच्च राशि है। गुरू आठवें, ग्यारहवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में तीसरे घर में स्थित है। गुरू की दृष्टि सातवें, नौवें, ग्यारहवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि गुरू पर है।

तीसरे भाव में बृहस्पति होने के कारण आप साहसी और बलवान होंगे। आप शास्त्रों के जानकार और अनेक प्रकार के धार्मिक कार्यों को सम्पादित करने वाले व्यक्ति हैं। आप जीतेन्द्रिय, तेजस्वी और ईश्वर पर विश्वास करने वाले व्यक्ति हैं। आप काम करने में चतुर हैं। आप जिस काम का संकल्प करते उसे पूरा करके ही छोडना चाहते हैं और आपको आपके काम में आपको सफलता भी मिलती है।

आप प्रवास पर्यटन और तीर्थयात्राएं करने वाले व्यक्ति हैं। आपको अपने सगे भाइयोंबहनों और कुटुम्बियों से सुख मिलता है। आप अपने भाइयों का कल्याण करने वाले और उन्हें उत्तम सुख देने वाले होंगे। आपके भाई भी प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। आप मित्रों और आत्मजनों के माध्यम से सुखी और सम्पन्न होंगे। आत्मजनों से आपको लाभ भी होगा। आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

आपको राजा या सरकार के द्वारा सम्मान मिलेगा। बहुत सारे लोग आपके अधीनस्थ रहेंगे। अच्छे बुद्धि विवेक के कारण आपको लेखन से लाभ होगा। तीसरे भाव के बृहस्पति के कारण आपको कंजूसी करते हुए देखा जाएगा। भूख न लगने के कारण शरीर दुर्बल हो सकता है। आपको अपने भाइयों के साथ हमेशा अच्छे सम्बंध बनाए रखना चाहिए। साथ ही धार्मिक और आध्यातमिक वृत्ति का पोषण करते रहें।

शुक्र विचार

आपकी कुण्डली में शुक्र कन्या राशि में स्थित है, जो कि शुक्र की नीच राशि है। शुक्र पहले, छठे घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में पांचवें घर में स्थित है। शुक्र की दृष्टि ग्यारहवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि शुक्र पर है।

यहां स्थित शुक्र आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा। आप सौंदर्य सम्पन्न और सद्गुणी व्यक्ति हैं। आप ईश्वर पर विश्वास करने वाले उदार व्यक्ति हैं। आप दान पुण्य के कार्यों में विश्वास रखते हैं। आप विद्वान प्रतिभाशाली और अच्छे वक्ता होंगे। सामान्य प्रयास से भी धन प्राप्ति होती रहेगी। आपको अचानक ही कहीं से प्रचुर धन मिल सकता है। आप अनेक शास्त्रों के ज्ञानी और मंत्रवेत्ता हैं।

कविताओं और लेखन में आपकी गहरी रुचि होगी। आप संगीत आदि कलाओं में निपुण हो सकते हैं। ललितकलाओं में भी आप की रुचि होगी। नाटक सिनेमा आदि से भी आपका गहरा लगाव होगा। आप राजनीतिज्ञ मंत्री या न्यायाधीस भी हो सकते हैं। आप व्यवहार कुशल होने के साथसाथ न्यायप्रिय भी हैं। आप राज कुल या सरकार से भी सम्मानित हो सकते हैं।

आपके कन्या संतति अधिक हो सकती हैं लेकिन पुत्र की प्राप्ति भी आपको जर होगी। विपरीत लिंगी की संगति आपको पसंद होगी। आपको विभिन्न प्रकार के वाहनों का सुख मिलेगा। आपके मित्र उत्तम और विश्वसनीय होंगे। हांलाकि घर में आपका वर्ताव मुसाफिरों जैसा हो सकता है। आप अपने काम धंधों में ही खोए रहेंगे। सुंदर व्यंजनों को खाने का सौभाग्य मिलता रहेगा।

।। आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ।।

शनि विचार

आपकी कुण्डली में शनि सिंह राशि में स्थित है, जो कि शनि की शत्रु राशि है। शनि नौवें, दसवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में चौथे घर में स्थित है। शनि की दृष्टि छठे, दसवें, पहले घर पर है।

यहां स्थित शनि आपको उदार और शांत बनाता है। आप गंभीर धर्य सम्पन्न और लोभरहित व्यक्ति हैं। आप व्यसनहीन, न्यायप्रिय और अतिथियों का सत्कार करने वाले व्यक्ति हैं। आप परोपकार करने में खूब विश्वास रखते हैं। आप गुणवान व्यक्ति हैं। आप प्रचुर मात्रा मं धन प्राप्त करेंगे। आपके पास विभिन्न प्रकार के वाहन होंगे। आपको किसी और की सम्पत्ति भी मिल सकती है।

आप दूर देश में रहकर खूब तरक्की कर सकते हैं। आपके लिए आपकी उम्र सोलहवां, बाइसवां, चौबीसवां, सत्ताइसवां और छत्तीसवां साल भाग्यकारी रहेगा। इन वर्षों में आपको नौकरी, विवाह, सन्तति आदि शुभफल मिल सकते हैं। हांलाकि यहां स्थित शनि छ्त्तीस साल की उम्र तक कभीकभी कष्ट भी देता रहता है। इसके बाद उम्र के छप्पनवें वर्ष तक सुख मिलता रहता है।

आपको शत्रुओं के माध्यम से भी लाभ मिल सकता है। यहां स्थित शनि के दुष्प्रभाव के प में आपको शारीरिक प से कम सुख मिल सकता है। आपकी संगति खराब लोगों के साथ हो सकती है। मानसिक चिंता या कष्ट रह सकता है। माता को बीचबीच में कष्ट रह सकता है। शनि की यह स्थिति कभीकभी दो विवाह या घरेलू क्लेश की स्थिति भी उत्पन्न करती है। कभीकभी यह स्थिति पिता की सम्पत्ति से वंचित भी करती है।

राहू विचार

आपकी कुण्डली में राहू कन्या राशि में स्थित है। राहू पांचवें घर में स्थित है। राहू की दृष्टि नौवें, ग्यारहवें, पहले घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि राहू पर है।

यहां स्थित राहू आपको तीक्ष्णबुद्धि बनाता है। आपको विभिन्न शास्त्रों का ज्ञान होगा। आप स्वभाव से दयालु, कर्मठ हैं साथ ही आप भाग्यवान भी है। पुत्र प्रापति में कुछ व्यवधान आ सकता है। हो सकता है कि पहली संतान के प में कन्या संतति की प्रापति हो। आप कम्पनी के व्यवसाय में सफल हो सकते हैं।

आप लेखनकला में कुशल हो सकते हैं साथ ही आप प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। कई मामलों में यहां स्थित राहू बुरे परिणाम भी देता है। अशुभता की स्थिति में राहू दिमाग को भ्रमित करता है। संतान को कष्ट या परेशानी होती है। यहां स्थित राहू व्यर्थ में व्यय कराकर निर्धनता की स्थिति उपन्न करता है। आपके शरीर का रंग कम अच्छा हो सकता है।

यह स्थिति आपको कभीकभी गलत रास्ते पर चलने की प्रेरणा दे सकती है। आपके मन में चिंता और संताप की स्थिति निर्मति हो सकती है। आपकी रुचि विद्या प्राप्त करने में कम रह सकती है। आपको उदररोग अर्थात पेट से सम्बंधित परेशानियां रह सकती हैं। पेट में शूल, गैस आदि रोग और मंदाग्नि रोग हो सकता है। बहुत प्रयास करने पर ही धन संग्रह हो पाता है। जीवन साथी के पक्ष से भी कष्ट मिल सकता है।

।। आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ।।

केतु विचार

आपकी कुण्डली में केतु मीन राशि में स्थित है। केतु ग्यारहवें घर में स्थित है। केतु की दृष्टि तीसरे, पांचवें, सातवें घर पर है। मंगल,गुरू,शुक्र,राहू की पूर्ण दृष्टि केतु पर है।

यहां स्थित केतू आपको अनेक प्रकार के शुभफल देगा। आप देखने में आकर्षक और मनोहर व्यक्तित्त्व के स्वामी होंगे। आप विशेष कांति वाले तेजस्वी व्यक्ति हैं। आपको अच्छे कपडे पहनने का शौक होगा। आप परोपकारी और दयालु स्वभाव के हैं। आप स्वभाव से उदार और हमेशा संतुष्ट रहने वाले व्यक्ति हैं। आप उत्तम शिक्षा प्राप्त करेंगे। ढइत/झढइत/झ

आप शास्त्रों को जानने वाले, हंसमुख स्वभाव के विद्वान व्यक्ति हैं। आप सरस और मधुरभाषी हैं। आप पराक्रमी, प्रतिष्ठित और लोकप्रिय होंगे। दूसरे लोग भी आपकी प्रसंशा करेंगे। आप सरकार या राजा के द्वारा सम्मान प्राप्त करेंगे। आप अनेक प्रकार के आभूषणों और ऐश्वर्य से सम्पन्न होंगे। आपकी आमदनी के कई स्रोत होंगे। ढइत/झढइत/झ

आप भाग्यवान व्यक्ति हैं और आपका घर बडा सुंदर होना चाहिए। आप किसी भी काम को अधूरा नहीं छोडना चाहते। शत्रु आपसे भयभीत रहते हैं। लेकिन यहां स्थित केतू कुछ अशुभफल भी देता है फल्स्वप आप कुछ हद तक चंतित भी रह सकते हैं और अपने हांथों अपनी हानि कर लेते हैं। संतान से संबंधित चंता रह सकती है। कुछ पेट की बीमारियां भी हो सकती हैं।

।। विस्तृत भविष्यफल ।।

चरित्रः

आप एक संवेदनशील एवं भावुक व्यक्ति हैं। जीवन की कठनाइयों का आप पर अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा प्रभाव पड़ता है परिणामस्वरूप आप जीवन के कुछ सुखद पल खो देते हैं। दूसरों द्वार कही गयीं बातों को आप दिल पर ले लेते हैं। अतः कुछ एसी बातें है जो आपको दुःख देती हैं परन्तु उस पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिये।आपके कार्य करने का तरीका शान्तिपूर्ण है,परिणामस्वरूप आप अपने सहकर्मियों की नजर में मजबूत इच्छाशक्ति एवं दृढ–निश्चयी वाले व्यक्ति प्रतीत होते हैं। आपकी यह प्रवृत्ति आपको अपना लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करती है।आप बोलने से अधिक सोचते हैं और आपका यह चिन्तनतार्किक होता है। लोग आपसे सलाह मांगने इसलिये आते हैं क्योंकि आपका निर्णयपालन करने योग्य और निष्पक्ष होता है।आपमें अनेक उत्तम गुण हैं। आप एक सहानुभूतिपूर्ण मनुष्य हैं, जोकि आपको एक अच्छा मित्र बनाता है। आप अनुरागी व देशभक्त हैं, यही कारण है कि आप एक अच्छे नागरिक भी हैं। आप प्यारे माताधपिता होंगे।आप अपने माता–पिता की इच्छानुसार कार्य करेंगे। निश्चय ही आपकी ये अच्छाइयां दूसरों पर भारी पड़ेंगी।

सौभाग्य व संतुष्टिः

आप दूसरों के साथ का पूरा आनन्द लेते हैं। आप हंसमुख और खुशमिजाज हैं एवं हंसने में संकोच नहीं करते तथा प्रायः अच्छा'सेंस ऑफ ह्यूमर' रखते हैं। आपका मन सौन्दर्य से अत्यन्त प्रभावित रहता है और आप इसे प्रमुखता से अपन आस–पास के वातावरण में दिखाते हैं। जो व्यक्ति अपने चारों ओर सुन्दरता ला सकता है, वह सदैव आनन्दोन्मुखी होता है।

जीवन शैलीः

आप दूसरों की प्रशंसा करने में प्रायः कंजूसी करते हैं, जिस कारण आप विरोध के पात्र बन जाते हैं। आप के मन जो कुछ भी हो उसे आज से ही कहना आरम्भ करें। परिणामस्वरूप आप लोगों से बेहतर सम्बन्ध पायेंगे।

।। विस्तृत भविष्यफल ।।

रोजगारः

आपको ऐसा कार्यक्षेत्र चुनना चाहिए जिसमें आप समूह में काम करते हों और जहाँ कार्य सम्पन्न करने की समय–सीमा अनिश्चित हो।आपको कोई ऐसा कार्यक्षेत्र चुनना चाहिए, जहाँ सहभागिता से काम होता हो,उदाहरणार्थ समूह का नेतृत्व करना आदि।

व्यवसायः

आप ज्यादा कार्य करने के लिये उपयुक्त नहीं हैं, न ही आप अत्यधिक उत्तरदायित्व वहन कर सकते हैं। हांलाकि आपको काम करने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन उसमें अत्यधिक उत्तरदायित्व नहीं होना चाहिए। आप किसी भी तरह के कार्य को अपने हाथ में लेने के लिये सदैव तैयार रहते हैं, पर आपका स्वच्छ व व्यवस्थित कार्यों की तरफ विशेष रूझान है। साथ ही, शायद आपने यह ध्यान दिया होगा कि ऐसा कोई भी कार्य जिसके द्वारा आप प्रकाश में आते हैं,वह अपेक्षाकृत आपको ज्यादा आकर्षित करता है, बजाय कि ऐसा कोई कार्य जो शान्ति में अकेले किया जाए। निश्चित तौर पर आपका स्वभाव शान्त वातावरण को सहन नहीं कर पाता है, बल्कि यह सदैव प्रकाशमान एवं प्रसन्नचित्त वातावरण को तलाशता रहता है।

स्वास्थ्यः

आपके अन्दर प्रचुर ऊर्जा है। आप हृष्ट–पुष्ट हैं व साधारणतः आप किसी प्रकार के रोग से ग्रसित नहीं होंगे, जब तक कि आप जरूरत से बहुत ज्यादा कार्य नहीं करते। सिर्फ इसलिये कि आप मोमबत्ती को दोनों सिरों से जला सकते हैं, आपको यह करने के बारे में नहीं सोचना चाहिए। आपको अपने प्रति संयमी होना चाहिए और अपने स्वास्थ्य–कोष में से जरूरत से ज्यादा लेने का प्रयास नहीं करना चाहिए अन्यथा आप जीवन के उत्तरार्ध में गम्भीर बीमारियों को निमन्त्रण दे सकते हैं। बीमारी यदि प्रायः नहीं आती है, तो अचानक ही आएगी। यद्यपि उसने परिपक्व होने में काफी लम्बा समय लिया होगा। आप थोड़ा सा दिमाग लगाने पर पाएंगे कि आपने रोग को स्वयं ही आमन्त्रित किया है। इसमें कोई शक नहीं है कि आप उससे बच सकते थे। आपके नेत्र आपकी कमजोरी हैं और कृपया उसका ख्याल रखें। आप पैंतीस की उम्र के बाद नेत्र–विकार से ग्रसित हो सकते हैं।

।। विस्तृत भविष्यफल ।।

रुचिः

आपको अपने मिजाज के अनुरूप ही अपने फुरसत के लम्हों को बिताना चाहिए। यह देखते हुए कि आप आराम पसन्द हैं, आप श्रम व थकावट भरे खेलों को पसन्द नहीं करते हैं। आप दूसरों की संगति पसन्द करते हैं और जीवन के उज्ज्वल भाग को देखते हैं। ताश खेलना आपको पसन्द है, लेकिन सिर्फ तभी जब उसमें पैसा जुड़ा हुआ हो। यहां पर आपको जुए के प्रति सावधान करने की आवश्यकता है। यदि आपने एक बार इसे अनुमति दी, तो यह आप पर नियन्त्रण कर सकता है।

प्रेम आदिः

प्रेम सम्बन्धों में भी आप उतने ही ऊर्जावान होंगे, जितने कि आप काम एवं खेल में हैं। एक बार आप प्यार में पड़ गये, तो आप अपने चहेते को प्रतिपल अपने पास रखना चाहेंगे। हालांकि आप अपने कार्य की अनदेखी नहीं करेंगे, परन्तु एक बार वो खत्म हो गया तो आप अपने प्रिय से मिलने को निकल पड़ेंगे। जब आपका विवाह हो जाएगा तो आप अपने घर पर अधिक ध्यान देंगे। आप अक्सर जीवनसाथी की व्यापारिक मामलों में मदद करेंगे।

वित्तः

आपके जीवन में वित्त सम्बन्धी कई उतार–चढ़ाव आएंगे, मुख्यतः आपकी जल्दबाजी एवं अपनी क्षमता से अधिक का काम करने के कारण।आप एक सफल कम्पनी प्रमोटर, शिक्षक, वक्ता या आयोजक हो सकते हैं। आपके अन्दर सदैव से ही पैसा बनाने की क्षमता है, लेकिन साथ ही साथ इस दौरान आपके कई शत्रु बन सकते हैं। आपके व्यापार व उद्योग से अच्छी धनार्जन की उम्मीद है और आपके जीवन में असीम धनार्जन की अनेक अवसर आएंगे यदि आप अपनी इच्छा शक्ति पर काबू रखते हैं। जो कि समय–समय पर खर्चीले मुकदमों या आपके शक्तिशाली शत्रुओं की वजह से आपके हाथ से जा सकते हैं। अतः आपको लोगों के नियंत्रण की विद्या सीखने का प्रयास करना चाहिये एवं मतभेदों से भी बचना चाहिये।

।। विस्तृत भविष्यफल ।।

शिक्षा:

आप एक अच्छी संवाद शैली के लिए जाने जाएंगे और आपके कम्युनिकेशन स्किल इतने बेहतर होंगे कि वह आपको भीड़ में सबसे आगे लेकर जाएंगे। आपकी बुद्धि तीव्र होगी और स्मरण शक्ति भी गजब की होगी इसी वजह से आप किसी भी बात को आसानी से और लंबे समय तक याद रख पाएंगे। आपके जीवन की यही सबसे बड़ी विशेषता होगी और उसी के बल पर आप अपनी शिक्षा को अच्छे से पूरा कर पाएंगे और उसमें सफलता अर्जित कर पाएंगे। आपके मन में शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करने की भी इच्छा विशेष रूप से जागेगी। गणित, सांख्यिकी, तार्किक क्षमता आदि के मामले में आप काफी मजबूत साबित होंगे और इन के दम पर अपनी शिक्षा में सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आपको बीच–बीच में अपनी एकाग्रता को प्राप्त करने के लिए प्रयास करना होगा क्योंकि अत्यधिक सोच विचार करना आपको पसंद है, लेकिन यही आपकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। इससे बचने का प्रयास करेंगे तो जीवन में और शिक्षा के क्षेत्र में उच्चतम शिखर पर पहुंच सकते हैं।

आपकी कुंडली में उपस्थित विभिन्न विशिष्ट योग व राजयोग

इस राजयोग रिपोर्ट के अंतर्गत हमने प्रयास किया है कि आपको उन विशिष्ट योगों के बारे में बताएँ जो आपकी जन्म–कुंडली में उपस्थित हैं और आपको जीवन में उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होंगे।

बधाई हो Pooja Sharma! आपकी जन्म कुंडली में निम्नलिखित विशिष्ट योग एवं राजयोग उपस्थित हैं:

1. **गज–केसरी योग**

इस योग के प्रभाव से आप दयालु, परोपकारी, लक्ष्मीवान तथा सम्माननीय होंगे।

2. **उभयचरी योग**

इस योग के प्रभाव से आप भाग्यवान तथा ज्ञानवान होंगे।

3. **पाराशरी राज योगः**

इस योग के प्रभाव से आप जीवन में समृद्धि को प्राप्त करने वाले बनेंगे।

उपरोक्त विशिष्ट राजयोगों के कारण आपके जीवन में उन्नति तथा लक्ष्मी प्राप्ति के सुंदर योग विद्यमान हैं। इन विशिष्ट योगों के बारे में विस्तार से जानने के लिए आगे पढ़ें...

गज–केसरी योग

केन्द्रे देवगुरौ लग्नाच्चन्द्राद्वा शुभदृग्युते ।
नीचास्तारिगृहैर्हीने योगोऽयं गजकेसरी
गजकेसरीसञ्जातस्तेजस्वी धनवान् भवेत् ।
मेधावी गुणसम्पन्नो राजप्रियकरो नरः

यदि बृहस्पति चंद्रमा से केंद्र भावों में स्थित है और किसी क्रूर ग्रह से संबंध नहीं रखता है तो गज–केसरी योग बनता है। हालांकि अगर कोई अशुभ ग्रह से संबंध होता है तो इस योग से मिलने वाले फलों में कमी आएगी।

जन्म कुंडली के अनुसार आपका जन्म गज–केसरी योग में हुआ है इसलिए आप दयालु प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे और दूसरों के प्रति स्नेह व विनम्रता का भाव रखेंगे। जीवन में आध्यातमिक उत्थान को लेकर आपके मन में तीव्र इच्छा होगी। वेद और पुराण में आपकी गहरी रुचि रहेगी और आपका धार्मिक ज्ञान अच्छा होने की वजह से लोग आपसे मार्गदर्शन लेंगे। आपके पास चल और अचल संपत्ति के रूप में बहुत सारा धन होगा। आपके संबंध उच्च वर्ग के लोगों के साथ होंगे। जीवन में आप सभी तरह की भौतिक वस्तुओं का सुख प्राप्त करेंगे। सरकारी सेवाओं में आपको उच्च पद की प्राप्ति भी हो सकती है।

उभयचरी योग

तथोभयचरे जातो भूपो वा तत्समः

यदि चंद्रमा के अतिरिक्त राहु–केतु, सूर्य से द्वितीय और द्वादश दोनों भाव में हो, तो उभयचरी योग बनता है।

जन्म कुंडली के अनुसार आपका जन्म इस योग में होने से आपको जीवन में भाग्य का साथ मिलेगा और आप आसानी से सभी चुनौतियों का सामना कर सकेंगे। आप स्वभाव से हंसमुख और बुद्धिमान होंगे।

पाराशरी राज योगः

विष्णुस्थानं च केन्द्रं स्याल्लक्ष्मीस्थानं त्रिकोणकम् ।
तदीशयोश्च सम्बन्धाद्राजयोगः पुरोदितः

जब जन्म–कुंडली में केंद्र भावों का संबंध त्रिकोण भावों से हो तो राजयोग का निर्माण होता है। लग्न भाव को केंद्र तथा त्रिकोण दोनों भाव माना जाता है।
ये राजयोग निम्नलिखित प्रकार से निर्मित होते हैंः

जब लग्न का स्वामी ग्रह चतुर्थ भाव में स्थित होय
जब लग्न का स्वामी ग्रह पंचम भाव में स्थित होय
जब लग्न का स्वामी ग्रह नवम भाव में स्थित होय
जब चतुर्थ भाव का स्वामी ग्रह लग्न भाव में स्थित होय
जब चतुर्थ भाव का स्वामी ग्रह पंचम भाव में स्थित होय
जब चतुर्थ भाव का स्वामी ग्रह नवम भाव में स्थित होय
जब नवम भाव का स्वामी ग्रह लग्न भाव में स्थित होय
जब नवम भाव का स्वामी ग्रह चतुर्थ भाव में स्थित हैय
इसके अतिरिक्त जब उपरोक्त भाव के स्वामियों का एक दूसरे से स्थान परिवर्तन हो तो भी यह राजयोग निर्मित होता है।

इस योग में जन्म लेने के कारण दशा अवधि में आपका रुतबा बढ़ेगा। आप धनी, धार्मिक स्वभाव वाले, प्रसिद्ध एवं समृद्धशाली होंगे। कार्यक्षेत्र में आप उच्च पद पर आसीन होंगे। आपके पास वाहन एवं अन्य प्रकार की प्रॉपर्टी होगी।

तो इस प्रकार हम कह सकते हैं कि आपकी कुंडली में उपर्युक्त राजयोग विद्यमान हैं। अतः आप जीवन में समृद्धिशाली एवं विख्यात तथा लक्ष्मीवान बनने की क्षमता रखते हैं। यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि इन योगों का निर्माण जिन ग्रहों के द्वारा किया जा रहा है उन ग्रहों को कुंडली में मजबूती देने से इन योगों के प्रभाव में भी वृद्धि होगी तथा जब–जब इन ग्रहों की महादशा, अंतर्दशा तथा अन्य दशाएँ आएंगी तब–तब आपको इन ग्रहों के द्वारा निर्मित उत्तम फलों की प्राप्ति होने की संभावना अत्यधिक बढ़ जाएगी।

आपका स्वर्णिम काल अथवा राजयोगों के फलीभूत होने का समय

अक्सर आपके मन में यह विचार आता होगा कि आपके जीवन का स्वर्णिम काल कब आएगा अथवा आपकी कुंडली के राजयोग कब फल देंगे? अपनी इस राज योग रिपोर्ट के अंतर्गत हम आपको बताना चाहते हैं कि आपकी जन्म कुंडली में उपस्थित विभिन्न राज योगों का प्रभाव यूँ तो जीवन पर्यन्त आपके ऊपर रहता है परन्तु विशेष रूप से जीवन का स्वर्णिम काल कुंडली में उपस्थित विशिष्ट राज योगों को बनाने वाले विभिन्न ग्रहों की महादशा, अंतर्दशा इत्यादि में आता है। क्योंकि इसी दौरान ये ग्रह पूर्ण रूप से आपकी कुंडली में प्रभावी होकर आप पर अपना प्रभाव डालते हैं और इन्हीं के प्रभाव

से आप जीवन में ऊँचाइयों तक पहुंचते हैं, जिससे आप तरक्की के साथ–साथ यश, मान–सम्मान तथा उपलब्धियाँ प्राप्त करते हैं।
आपकी कुंडली में बनने वाले राज–योगों के अनुसार आपके जीवन का स्वर्णिम काल अथवा जीवन में राज–योगों के फलीभूत होने का समय निम्न वर्णित रहेगाः

पहला स्वर्णिम कालः
जुलाई 2027 से अगस्त 2028

दूसरा स्वर्णिम कालः
जनवरी 2035 से मार्च 2037

नोटः इन समय पर ग्रहों और नक्षत्रों की चाल से राजयोग का प्रभाव सबसे अधिक रहेगा।

आपकी कुंडली में राजयोग की शक्ति

जैसा कि आप जानते ही हैं, राजयोग आपको धनवान, अधिक सफल और अधिक संपन्न बनाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो राजयोग के माध्यम से जीवन में इन सभी वस्तुओं को प्राप्त करने की जन्म–कुंडली की क्षमता का पता चलता है। विभिन्न लोगों की कुंडलियों की क्षमता भिन्न–भिन्न होती हैदृकुछ व्यक्तियों की कुंडलियों में अंतर्निहित यह क्षमता अन्य की अपेक्षा अधिक होती है। अतः अपनी कुंडली में स्थिति राजयोगों की शक्ति के आधार पर आप स्वयं के भीतर छुपी संभावनाओं को पल्लवित करने के लिए उसी स्तर पर प्रयत्न करने की तैयारी कर सकते हैं। आइए, देखें कि इस दृष्टिकोण से आपकी कुंडली का अंतिम विश्लेषण क्या कहता है

राजयोग की शक्ति : 65%

हम आशा करते हैं कि यह राजयोग रिपोर्ट आपके लिए सहायक सिद्ध होगी और आप जीवन में नित नई ऊँचाइयों को छूते रहेंगे। परमात्मा की अनुकम्पा आप पर सदैव बनी रहे!

|| भाव फल ||

जन्म कुंडली में 12 खाने होते हैं जो मानव जीवन के सभी संबंधों तथा क्रिया–कलापों को समाहित किए होते हैं। इन्हें भाव कहा जाता है। इस प्रकार भचक्र की 12 राशियों इन 12 भावों में अवस्थित होती हैं और उस राशि के स्वामी ग्रह को उस भाव का भावेश कहा जाता है। प्रत्येक भाव के स्वामी का विभिन्न भावों में उपस्थित होना तथा प्रत्येक भाव पर विभिन्न ग्रहों अथवा भावेशों का प्रभाव जीवन में होने वाली विभिन्न परिस्थितियों को दर्शाता है।

व्यक्तित्व, स्वास्थ्य, सामाजिक स्थिति

जन्म कुंडली में पांचवां भाव हमारी कलात्मक और बौद्धिक योग्यता का प्रतिनिधित्व करता है। पांचवें भाव का अध्ययन करके हम मानसिक क्षमता या शक्ति का आकलन भी कर सकते हैं। पांचवां भाव आपकी शैक्षणिक योग्यता और पृष्ठभूमि के बारे में भी बताता है। यह भाव संतान और संतान से जुड़े मामलों का भी प्रतिनिधित्व करता है। पूर्व जन्म में किए गए कर्म और इस जीवन में उनसे मिलने वाले संभावित परिणामों के बारे में भी पांचवें भाव से पता चलता है। पांचवे भाव से ध्यान, भजन और धार्मिक कर्म कांड से जुड़ी रुचियों के बारे में भी पता लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त पंचम भाव से प्रेम सम्बन्ध और जीवन में आपका रुझान किस और रहेगा, इस बारे में भी पता चलता है।

लग्न के स्वामी का पांचवें भाव में स्थित होना, इस बात का संकेत है कि आप एक बुद्धिमान और विद्वान छवि के व्यक्ति हैं। आप अध्ययनशील और ज्ञानवान व्यक्ति होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। धार्मिक ग्रंथों के प्रति भी आपकी गहरी रुचि होगी। लग्न स्वामी के पांचवें भाव में स्थित होने से आपकी धर्म, धार्मिक ग्रंथ और धार्मिक कर्मकांड में गहरी रुचि होगी। पांचवें भाव को पूर्व पुण्य भी कहा जाता है। क्योंकि यह भाव पिछले जन्म के अच्छे और बुरे कार्यों को दर्शाता है और उन कर्मों के इस जन्म में आपको क्या फल मिल सकते हैं। पांचवां भाव आपकी प्रजनन क्षमता और बच्चों के साथ आपके लगाव को दर्शाता है।
लग्न के स्वामी के पांचवे भाव में स्थित होने से आप लेखन, संपादन और विचारक जैसे पेशे से जुड़े रह सकते हैं। यह भाव आपकी एकाग्रता की शक्ति और ध्यान से भी संबंधित होता है।

धन, परिवार, जमीन और जायदाद

द्वितीय भाव के स्वामी के तृतीय भाव में स्थित होने से द्वितीय भाव से संबंधित कार्यों में वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त तीसरे भाव से संबंधित कार्यों के लिए भी यह श्रेष्ठ है। इस दौरान परिवार के लिए आवश्यक संसाधन, धन और समय व्यतीत करने पर आपका ध्यान होगा साथ ही आप परिवार में रहने वाले सदस्य विशेषकर भाई–बहनों की उन्नति के लिए भी प्रयासरत रहेंगे। बड़े भाई–बहन से संबंधित मामलों पर आपके परिवार का ध्यान केंद्रित रह सकता है। उनकी शिक्षा, सफलता और उन्नति की प्रशंसा की जाएगी। बड़े भाई–बहन की तरक्की और सशक्तिकरण पर अधिक ध्यान दिया जाएगा और उनके दृष्टिकोण व विचारों को ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी। द्वितीय भाव के स्वामी का तृतीय भाव में स्थित होना इस बात का भी संकेत है कि, आपके परिवार के संबंध बड़े पैमाने पर पड़ोसी, मित्र और रिश्तेदारों से होंगे। हर पारिवारिक और मनोरंजक कार्यक्रमों में परिवार के लोगों का रिश्तेदारों से मिलना–जुलना होगा। द्वितीय भाव के स्वामी की यह स्थिति दर्शाती है कि, आपके परिवार के आकार, संसाधन और कार्यक्रमों में निरंतर बदलाव होते रहेंगे। यह दर्शाता है कि आपके परिवार की सोच व दृष्टिकोण में बदलाव होता रहेगा और नए विचार व आधुनिक सोच को स्वीकार करने का स्वभाव होगा। द्वितीय भाव के स्वामी का तृतीय भाव में स्थित होना आपकी भाषा और संचार कौशल में वृद्धि तथा बहुमुखी स्वभाव और कला व बौद्धिक क्षेत्र में आपके परिवार की सहभागिता को को भी दर्शाता है। द्वितीय भाव के स्वामी का तृतीय भाव में होना यह भी दर्शाता है कि आपका व्यक्तित्व बेहतर और स्पष्ट होगा।

भाई–बहन, साहस

द्वादश भाव हानि, परित्याग, प्रबुद्धता, एकता और अलगाव से संबंधित होता है। जब तृतीयेश आपके द्वादश भाव में स्थित होता है यह दर्शाता है कि आपके जीवन में भाई–बहन या मित्रों की कमी रह सकती है। इसके अतिरिक्त आप छोटे भाई–बहन से वंचित रह सकते हैं या फिर वे आपसे अलग रह सकते हैं। आपके हमउम्र साथी अपने जन्म स्थान और पैतृक गांव से दूर जाने पर बहुत उन्नति करेंगे। आपकी कई लोगों से मित्रता होगी लेकिन अलगाव होने की वजह से मित्रों के साथ स्थायी रिश्तों की संभावना बहुत कम होगी। द्वादश भाव जन्म स्थान से दूर विदेश और विदेशी संपर्क से संबंधित है। इन रिश्तों को अलगाव से बचाये रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने होंगे। चूंकि द्वादश भाव विकास और ज्ञान से भी संबंधित होता है इसलिए जब तृतीयेश द्वादश भाव में होता है तो बौद्धिक ज्ञान या अन्य रुचि में एकाग्रता बनाये रखने में कठिनाई आती है। यदि द्वादश भाव से जुड़े मामले हैं जैसे आध्यातमिकता, रहस्यमयी विज्ञान, प्राणायाम और दान इनमें न केवल आपकी रुचि पैदा होगी बलकि आपको उन्नति भी मिलेगी। तृतीयेश का द्वादश भाव में स्थित होना विदेश यात्रा या तीर्थ दर्शन के संबंध में दर्शाता है, इसके माध्यम से आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है। चूंकि द्वादश भाव स्वयं से मोहभंग होने और अलगाव से भी संबंधित होता है वहीं तृतीय भाव प्राणायाम और प्रबुद्धता के मार्ग में अवरोध उत्पन्न करता है।

सुख, शिक्षा, घर, माता, प्रॉपर्टी

चतुर्थ भाव के स्वामी का चतुर्थ भाव में स्थित होना आपके ग्रह भाव को मजबूती प्रदान करता है। आपका घर आपकी शक्ति है और घर से ही आपको पहचान मिलती है। घर में मॉ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। हर घर में परिवार के सदस्यों के बीच मॉ सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र होती है। परिवार की एकता बनाये रखने के लिए मॉ घर के एक स्तम्भ के समान होती है। चतुर्थ भाव के स्वामी का चतुर्थ भाव में स्थित रहना यह दर्शाता है कि, आपको मॉ का बराबर सहयोग मिलेगा। घर और घर से जुड़े मामलों में आपकी व्यस्तता और सहभागिता होगी। आप अचल संपत्ति जैसे– जमीन तथा आवासीय संपत्ति खरीदने के इच्छुक रहेंगे। जीवन में बहुत जल्द आप संपत्ति खरीद लेंगे या घर के निर्माण संबंधी कार्यों में जुट जायेंगे। आपको महंगे वाहनों का सुख प्राप्त होगा। चतुर्थ भाव के स्वामी का चतुर्थ भाव में स्थित होना यह दर्शाता है कि, घर में भरण–पोषण को लेकर आपकी भूमिका बेहद अहम रहेगी। मॉ और परिवार के अन्य सदस्यों की खुशहाली व सुविधा के लिए आप प्रतिबद्ध रहेंगे। आपका व्यक्तित्व बेहद भावुक रहेगा। आप गहरी सोच और भावुक विचारों के धनी होंगे। हालांकि आप कभी भी भावुकता का ढोंग नहीं करेंगे।

बच्चे, मन, बुद्धि

पंचम भाव आपकी बुद्धि से संबंध रखता है और तृतीय भाव यह दर्शाता है कि, आप कैसे, कहां और कलात्मक रूप से अपनी बुद्धि का उपयोग करेंगे। तृतीय भाव आपकी मनोदशा आपके सहकर्मी, मित्र और पड़ोसियों से संबंध रखता है। पंचम भाव के स्वामी की तृतीय भाव में यह स्थिति भाई–बहन और सहकर्मियों से आपकी निकटता को दर्शाती है। आप हमेशा अपने मित्रों से घिरे रहेंगे या सहकर्मियों के साथ अपनी रुचि के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। चूंकि तृतीय भाव महत्वाकांक्षा का भाव है अतः मानसिक तौर पर आपके लिए कुछ भी पर्याप्त नहीं होगा। आप जहां भी होंगे वहां अपने मित्र बना लेंगे और उनके साथ मनोरंजक व रुचि पूर्ण कार्यों में व्यस्त रहेंगे। पंचम भाव से गणना करने पर तृतीय भाव एकादश स्थान पर आता है और एकादश भाव विस्तार और फैलाव आदि को दर्शाता है। एकादश भाव के ये गुण आपके मसतिष्क पर प्रभाव डालते हैं, इसके परिणामस्वरूप आपके व्यवहार में दूरदर्शी सोच, क्षमता और प्रदर्शन का अच्छा स्तर देखने को मिलेगा।

बीमारियाँ, ऋण, शत्रु

जन्म कुंडली में पंचम भाव हमें स्वयं के द्वारा अर्जित सम्मान और पूर्व जन्म के कर्ज को दर्शाता है, जबकि षष्ठम भाव वर्तमान जन्म में होने वाले कर्ज को दिखाता है। ये उधार या कर्ज किसी भी आकसमिक संकट और अन्य कारणों से आ

सकता है, जिसका सामना हमें वर्तमान जन्म में करना पड़ सकता है। षष्ठम भाव के स्वामी का पंचम भाव में स्थित होना यह संकेत देता है कि यह स्थिति पंचम भाव से संबंधित मामलों के पक्ष में नहीं होगी। इसका यह मतलब हो सकता है कि, संतान सुख नहीं मिलने से मानसिक तनाव उत्पन्न होगा। चूंकि षष्ठम भाव अपने से द्वादश स्थान पर स्थित है इस वजह से षष्ठम भाव से संबंधित मामलों में हानि हो सकती है। यह स्थिति दर्शाती है कि, आप कठिन परिश्रम करना ज्यादा पसंद नहीं करेंगे। षष्ठम भाव आपके ननिहाल पक्ष का भी प्रतिनिधित्व करता है इसलिए जब षष्ठम भाव आपके पंचम भाव से जुड़ा रहेगा तो आपके अंकल और आंटी विशेष रूप से आपका पक्ष ले सकते हैं, साथ ही आपका कर्ज कम होगा।

विवाह, साथी

जन्म कुंडली में पंचम भाव मन, बौद्धिकता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रकट करता है। जबकि सप्तम भाव का संबंध आपके जीवन में अन्य महत्वपूर्ण लोगों की भूमिका से है। ये अन्य लोग आपका जीवन साथी या व्यावसायिक साझेदार हो सकते हैं। जब सप्तम भाव के स्वामी का प्रभाव आपके पंचम भाव पर पड़ता है, तो आपका झुकाव और लगाव सप्तम भाव से संबंधित मामलों में रहता है। जब सप्तम भाव का स्वामी अपने घर से एकादश स्थान पर स्थित रहता है, तो यह सप्तम भाव से संबंधित मामलों में वृद्धि को दर्शाता है। इस दौरान आपका मन लगातार आपको सप्तम भाव से संबंधित मामलों के लिए प्रेरित करता है। इसके अतिरिक्त आपके मन में अंतरंग और व्यक्तिगत संबंधों को लेकर सकारात्मक बदलाव आते हैं। इस बात की संभावना है कि, इस दौरान आपके मन की चंचलता की वजह से आपके अंदर कामुक विचारों की वृद्धि हो। आप कई मनोरंजक गतिविधियों जैसे– यात्रा और पिकनिक के माध्यम से जीवनसाथी को खुश रखने के बारे में सोचेंगे। सप्तम भाव के स्वामी की पंचम भाव में यह स्थिति दर्शाती है कि, आपके व्यावसायिक साझेदार आपकी सोचने की शैली और रचनात्मकता से प्रभावित रह सकते हैं। या फिर इस बात की भी संभावना है कि, आपकी रचनात्मकता और सोचने की क्षमता में जीवनसाथी की वजह से वृद्धि होगी और इसका सकारात्मक असर आपके कार्यक्षेत्र में देखने को मिलेगा। इसके अतिरिक्त कार्य को लेकर आपकी बौद्धिक उत्तेजना बढ़ेगी, जो कि आपको करियर या व्यवसाय में अधिक से अधिक प्रयास करने का साहस प्रदान करेगी। चूंकि पंचम भाव वंशवृद्धि यानि संतान सुख से भी संबंधित है इसलिए इस स्थिति का लाभ आपके जीवनसाथी को प्राप्त होगा।

दीर्घायु, खतरा, कठिनाइयाँ

कुंडली में तृतीय व अष्टम भाव दोनों ही बदलाव के कारक हैं। अष्टम भाव के कारण जीवन में नियति द्वारा बदलाव आते हैं, तो वहीं तृतीय भाव के प्रभाव से स्वैच्छिक बदलाव होते हैं। तृतीय भाव शक्ति, धैर्य, छोटे भाई–बहन, सहभागियों व शौक का कारक होता है। अष्टम भाव के पास तीसरे भाव को नष्ट करने की शक्ति होती है। अष्टम भाव के प्रभाव से कुछ ऐसी अकस्मात घटनाएँ घट सकती हैं जो रिश्तों में हमेशा के लिए दूरी ला सकती हैं। अष्टम भाव जब अपने स्थान से आठवें घर यानि तृतीय भाव में जाता है, तब ये संभव है कि उस दौरान भाई–बहनों के साथ आपके रिश्ते में दरार आ जाए या फिर वो रिश्ता पूरी तरह से खत्म हो जाए। इस भाव में स्थित होने के कारण किसी पुराने मित्र या सहभागी के साथ दोस्ती टूट सकती है या फिर उनकी सेहत में गिरावट आ सकती है। इसके प्रभाव से भाई–बहन से प्राप्त होने वाला सुख व प्यार कम हो सकता है। तृतीय भाव में अष्टम भाव के स्वामी के स्थित होने से जीवनशैली में भी बहुत से बदलाव आने लग जाते हैं। आपके अपने शौक बदलने लग जाते हैं। तृतीय भाव आपकी चाल का भी प्रतिनिधित्व करता है और यदि इस भाव में अष्टम का दुष्प्रभाव आ जाए तो इससे चाल प्रभावित भी हो सकती है। जैसे– अगर आप किसी सड़क दुर्घटना में घायल हो गए तो इससे आपके रोजमर्रा के कार्यों में रुकावट आ सकती है। ये शारीरिक समस्याएं जैसे लकवा आदि का संकेत देता है। अष्टम भाव के स्वामी के तृतीय भाव में स्थित होने के कारण आप किसी लंबी बीमारी से भी पीडति हो सकते हैं, या लोगों के साथ मेल–मिलाप और संवाद में कमी आ सकती है जिससे आप तनाव ग्रस्त भी हो सकते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आपको मानसिक अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है।

भाग्य, पिता, विरासत

चतुर्थ भाव भावनाओं का कारक होता है इसी कारण इसका प्रभाव आपके घर, माता व घर से जुड़े अन्य लोगों पर पड़ता है। नवम भाव ज्ञान का भाव है। ये उच्च शिक्षा, बुद्धिमत्ता, शिक्षक, पिता और मार्गदर्शक को इंगित करता है। चतुर्थ भाव के जरिए आप कई अनुभवों का एहसास करेंगे तो वहीं नवम भाव के प्रभाव से ज्ञान अर्जित करेंगे साथ ही साथ आपकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी।

ये दोनों भाव शक्ति का एहसास दिलाते हैं। चतुर्थ भाव ध्यान के जरिए अर्जित की गई आंतरिक शक्ति को दिखाता है तो वहीं नवम भाव मानसिक शक्ति और परमात्मा की कृपा से प्राप्त हुई अच्छाइयों को इंगित करता है। जब नवम भाव का स्वामी चतुर्थ भाव में स्थित होता है तो वह अपने स्थान से आठवें भाव में होता है। इससे ये जाहिर है कि चतुर्थ भाव के प्रभाव से ही नवम भाव के स्वामी में बदलाव आते हैं। धर्म के कारक नवम भाव के प्रभाव से व्यवहार में सहनशीलता की कमी आ सकती है। चतुर्थ भाव जो सभी लोगों और सभी चीजों को दया के भाव से देखता है, इस भाव में स्थित नवम भाव का स्वामी सही चीजों को संतुलित करने की कोशिश करता है और न्यायाधीश की भूमिका निभाता है। ये भी संभव है कि आपके धार्मिक व सांस्कृतिक दृष्टिकोण में भी थोड़ी सी तब्दीलियां आएं और आप बदल जाएं। मातृपक्ष की तरफ निभाए जाने वाली पारंपरिक व सांस्कृतिक रस्मों में आपका रुझान बढ़ सकता है। ये आपकी माता की मजबूत छवि को भी इंगित करता है। इन सबके साथ ही चतुर्थ भाव में नवम भाव के स्वामी का स्थित होना परिवार के लोगों के सुख, अच्छे भाग्य आदि को इंगित करता है।

प्रोफेशन

चतुर्थ और दशम भाव दोनों परस्पर विपरीत स्वभाव रखते हैं। इनका उन्मुखीकरण और रुचि भी अलग–अलग होती हैं। जहां चतुर्थ भाव आपकी व्यक्तिगत दुनिया घर–परिवार, मॉ, भौतिक साधन आदि को दर्शाता है। वहीं दशम भाव सांसारिक जीवन में आपकी व्यावसायिक महत्वाकांक्षा और प्रेरणा को दर्शाता है। चतुर्थ भाव आपकी संवेदना के कई रंगों को प्रकट करता है, वहीं दशम भाव अवैयक्तिक स्वभाव को दर्शाता है। जब दशम भाव का स्वामी चतुर्थ भाव में रहता है तो वह अपने मूल भाव से सप्तम स्थान की दूरी पर रहता है। यह स्थिति दर्शाती है कि, आपका घर आपकी व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। यह स्थिति आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के बीच एक संबंध को दर्शाती है। आप अपने घर से ही अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को संचालित करना अधिक पसंद करेंगे। इसलिए इस बात की संभावना है कि आपके घर में ही एक छोटा सा कार्यालय होगा। परिजन भी आपके साथ व्यावसायिक गतिविधि में जुड़े रहेंगे। इस बात की भी संभावना है कि आप अपनी मॉ या परिजनों के साथ पार्टनरशिप में व्यवसाय करें। आपके व्यावसायिक दृष्टिकोण पर चतुर्थ भाव का प्रभाव रहेगा। आप अपने कामकाजी जीवन को लेकर थोड़ा ज्यादा भावुक रहेंगे और हर व्यावसायिक कार्य में व्यक्तिगत तौर पर अधिक ध्यान देंगे। यह स्थिति इस बात को भी दर्शाती है कि, आप फ्रीलांसर के तौर पर भी कार्य कर सकते हैं या आप स्वयं घर बैठे एक सलाहकार के रूप में काम करें। आप रियल इस्टेट और प्रॉपर्टी के बिजनेस में एक डीलर या एजेंट के तौर पर कार्य कर सकते हैं। या फिर आप कंस्ट्रक्शन, सेल्स और मार्केटंग से जुड़ा बिजनेस कर सकते हैं।

आय, लाभ

तृतीय भाव आपके साहस, पहल, प्रयास, मानसिक स्तर, दोस्तों व हम–उम्र साथियों का कारक होता है। वहीं एकादश भाव लाभ, बड़े भाई–बहन, सफलता व आनंद आदि से संबंधित होता है। ये दोनों ही भाव काम यानि इच्छा के भाव हैं। जब एकादश भाव का स्वामी तृतीय भाव में स्थित होता है तो वह अपने स्थान से पंचम स्थान पर होता है। यह स्थिति मनोरंजन से भरी गतिविधियों और रुचियों में गहरी सहभागिता और भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। एकादश भाव के स्वामी के प्रभाव से तृतीय भाव के कारक तत्व खुद को विस्तारित कर लेते हैं और अपने दायरों को बढ़ाने लग जाते हैं। ये स्थिति भाई बहनों के साथ भी गहरे संबंध को दर्शाती है। ये भी संभव है कि इस स्थिति के दौरान ईश्वर की कृपा से आपके भाई–बहन की गिनती में बढ़ोत्तरी हो जाए और उनका ज्यादा प्यार मिले। इस दौरान स्नेह के बंधन के अलावा, आपके भाई–बहन बौद्धिक कार्यों में भी आपके साथ रूचि दिखाएँगे। इसका मतलब ये भी हो सकता है कि परिवार के बड़े भाई–बहन अपने छोटे भाई–बहनों के लिए दोस्त व सीनियर्स दोनों की भूमिका निभाएं। एकादश भाव के स्वामी का तृतीय

भाव में स्थित होने का ये संयोजन परिवार के बड़ों व छोटों के बीच सहज संचार व गहरी समझ को इंगित करता है। इसके साथ ही यह स्थिति ये भी इंगित करती है कि इस दौरान आपके भाई–बहनों या दोस्तों की हॉबीज व रूचियां और भी ज्यादा निखरेंगी व मनोरंजक होने के साथ–साथ बौद्धिक रूप से भी उभरेंगी। सहभागियों के साथ आपका संबंध बौद्धिक तौर पर स्थापित होगा भले ही इसकी शुरुआत एक छोटे कार्य से ही क्यों न हो। एकादश भाव के स्वामी के तृतीय भाव में स्थित होने की ये स्थिति आपकी वीरता, प्रयासों और साहस को बढ़ाने का भी कार्य करती है। इस दौरान आप अपने जीवन में अधिक पहल व प्रयास करेंगे। इस स्थिति से चाल भी प्रभावित होगी जिस कारण यात्रा के अवसर मिलते रहेंगे। आपके अंदर साहस की भावना बढ़ेगी जिसके चलते आप स्कूबा डाईविंग, पैराग्लाइडंग, राफ्टंग, सर्फंग, रॉक क्लाइम्बंग आदि गतिविधियों की ओर खुद को ले जाना पसंद करेंगे। इन सब गतिविधियों में शामिल होने से जो रोमांच आपको महसूस होगा वो आपको जोश व साहस से भर देगा।

खर्च, मोक्ष

जन्म कुंडली में पंचम भाव हमारी मानसिक क्षमता और शैक्षाणिक योग्यता के बारे में सूचित करता है। द्वादश भाव सभी प्रकार के अर्जित ज्ञान और बुद्धिमत्ता के विघटन का संकेत देता है। पंचम भाव सोच, समीक्षा और सृजन का कारक होता है। जब द्वादश भाव का स्वामी पंचम भाव में स्थित होता है तो वह अपने मूल भाव से षष्ठम स्थान की दूरी पर रहता है। यह स्थिति तर्कसंगत सोच और सवालों व जवाबों के दायरे से परे रहने वाली सोच के बीच संघर्ष को दर्शाती है। द्वादश भाव दृष्टिकोण में अलगाव लाता है, जबकि पंचम भाव लोगों और वस्तुओं को लेकर कठिन परीक्षा लेता है। हालांकि यह स्थिति शुरुआत में परेशानी उत्पन्न करती है। इस दौरान आपके पंचम भाव में बड़ा परिवर्तन होता है जब वह रहस्यमयी द्वादश भाव के साथ संघर्ष करता है। द्वादश भाव मानसिक क्षति पहुंचा कर दृष्टिकोण में अलगाव पैदा करता है, जो कि पंचम भाव से संबंधित बौद्धिक मान के लिए परेशानी उत्पन्न करता है। चूंकि द्वादश भाव का स्वभाव विध्वंसकारी है इसलिए आपके शैक्षणिक या स्कूली जीवन में आपको अप्रत्याशित घटनाओं और अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। इस बात की भी संभावना है कि शिक्षा के क्षेत्र में आपके लचर प्रदर्शन की वजह से आप उपेक्षा के शिकार हों। इसका यह परिणाम भी हो सकता है कि आपकी सोच में अलगाव की भावना जागृत हो जाये। आपकी प्रसव संबंधी क्षमता पर भी असर पड़ सकता है और संतान प्राप्ति में विलंब हो सकता है।

।। मंगलदोष विवेचन ।।

सामान्यतः मंगल दोष जन्म–कुण्डली में लग्न और चन्द्र से देखा जाता है।

आपकी कुण्डली में मंगल लग्न से पंचम भाव में स्थित है भाव में व चंद्र से षष्ट भाव में है।

अतः मंगल दोष न लग्न चार्ट में और न ही चंद्र चार्ट में उपस्थित है।
ऐसा माना जाता है कि मंगल दोष वैवाहिक जीवन में समस्याएँ खडी करता है।

ऐसा माना जाता है कि अगर एक मांगलिक व्यक्ति दूसरे मांगलिक व्यक्ति से विवाह करता है तो मंगल दोष रद्द हो जाता है।

ग्रह शांति (अगर मंगल दोष उपस्थित हो तो)

उपाय (विवाह से पहले किए जाने चाहिए)

कुंभ विवाह, विष्णु विवाह और अश्वत्थ विवाह मंगल दोष के सबसे ज्यादा मान्य उपाय हैं। अश्वत्थ विवाह का मतलब है पीपल या बरगद के वृक्ष से विवाह कराकर, विवाह के पश्चात् उस वृक्ष को कटवा देना।

उपाय (विवाह पश्चात् भी किए जा सकते हैं।)

1) केसरिया गणपति अपने पूजा गृह में रखें एवं रोज उनकी पूजा करें।
2) हनुमान जी की पूजा करें और हनुमान चालीसा का पाठ करें।
3) महामृत्युंजय का पाठ करें।

उपाय (ये लालकिताब आधारित उपाय हैं जोकि विवाह पश्चात् किए जा सकते हैं)।

1) चिडियों को कुछ मीठा खिलाएँ।
2) घर पर हाथी–दांत रखें।
3) बरगद के पेड की पूजा मीठे दूध से करें

नोटः हमारा सुझाव है कि इन उपायों को करने से पूर्व किसी योग्य ज्योतिषी की सलाह ले लें।

।। साढे साती रिपोर्ट ।।

नाम	Pooja Sharma
दिनांक	23/8/1978
समय	23:53:18
जन्म स्थान	Delhi
लिंग	Female
राशि	मेष
तिथि	षष्ठी
नक्षत्र	भरणी

क्रम संख्या	साढे साती / पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
1	छोटी पनौती	वृश्चिक	दिसम्बर 21, 1984	मई 31, 1985	
2	छोटी पनौती	वृश्चिक	सितम्बर 17, 1985	दिसम्बर 16, 1987	
3	साढे साती	मीन	जून 02, 1995	अगस्त 09, 1995	उदय
4	साढे साती	मीन	फरवरी 17, 1996	अप्रैल 17, 1998	उदय
5	साढे साती	मेष	अप्रैल 18, 1998	जून 06, 2000	शिखर
6	साढे साती	वृशभ	जून 07, 2000	जुलाई 22, 2002	अस्त
7	साढे साती	वृशभ	जनवरी 09, 2003	अप्रैल 07, 2003	अस्त
8	छोटी पनौती	कर्क	सितम्बर 06, 2004	जनवरी 13, 2005	
9	छोटी पनौती	कर्क	मई 26, 2005	अक्टूबर 31, 2006	
10	छोटी पनौती	कर्क	जनवरी 11, 2007	जुलाई 15, 2007	
11	छोटी पनौती	वृश्चिक	नवम्बर 03, 2014	जनवरी 26, 2017	

।। साढे साती रिपोर्ट ।।

क्रम संख्या	साढे साती / पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
12	छोटी पनौती	वृश्चिक	जून 21, 2017	अक्टूबर 26, 2017	
13	साढे साती	मीन	मार्च 30, 2025	जून 02, 2027	उदय
14	साढे साती	मेष	जून 03, 2027	अक्टूबर 19, 2027	शिखर
15	साढे साती	मीन	अक्टूबर 20, 2027	फरवरी 23, 2028	उदय
16	साढे साती	मेष	फरवरी 24, 2028	अगस्त 07, 2029	शिखर
17	साढे साती	वृशभ	अगस्त 08, 2029	अक्टूबर 05, 2029	अस्त
18	साढे साती	मेष	अक्टूबर 06, 2029	अप्रैल 16, 2030	शिखर
19	साढे साती	वृशभ	अप्रैल 17, 2030	मई 30, 2032	अस्त
20	छोटी पनौती	कर्क	जुलाई 13, 2034	अगस्त 27, 2036	
21	छोटी पनौती	वृश्चिक	दिसम्बर 12, 2043	जून 22, 2044	
22	छोटी पनौती	वृश्चिक	अगस्त 30, 2044	दिसम्बर 07, 2046	
23	साढे साती	मीन	मई 15, 2054	सितम्बर 01, 2054	उदय
24	साढे साती	मीन	फरवरी 06, 2055	अप्रैल 06, 2057	उदय
25	साढे साती	मेष	अप्रैल 07, 2057	मई 27, 2059	शिखर
26	साढे साती	वृशभ	मई 28, 2059	जुलाई 10, 2061	अस्त
27	साढे साती	वृशभ	फरवरी 14, 2062	मार्च 06, 2062	अस्त
28	छोटी पनौती	कर्क	अगस्त 24, 2063	फरवरी 05, 2064	
29	छोटी पनौती	कर्क	मई 10, 2064	अक्टूबर 12, 2065	

।। साढे साती रिपोर्ट ।।

क्रम संख्या	साढे साती / पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
30	छोटी पनौती	कर्क	फरवरी 04, 2066	जुलाई 02, 2066	
31	छोटी पनौती	वृश्चिक	फरवरी 06, 2073	मार्च 30, 2073	
32	छोटी पनौती	वृश्चिक	अक्टूबर 24, 2073	जनवरी 16, 2076	
33	छोटी पनौती	वृश्चिक	जुलाई 11, 2076	अक्टूबर 11, 2076	
34	साढे साती	मीन	मार्च 20, 2084	मई 21, 2086	उदय
35	साढे साती	मेष	मई 22, 2086	नवम्बर 09, 2086	शिखर
36	साढे साती	मीन	नवम्बर 10, 2086	फरवरी 07, 2087	उदय
37	साढे साती	मेष	फरवरी 08, 2087	जुलाई 17, 2088	शिखर
38	साढे साती	वृशभ	जुलाई 18, 2088	अक्टूबर 30, 2088	अस्त
39	साढे साती	मेष	अक्टूबर 31, 2088	अप्रैल 05, 2089	शिखर
40	साढे साती	वृशभ	अप्रैल 06, 2089	सितम्बर 18, 2090	अस्त
41	साढे साती	वृशभ	अक्टूबर 25, 2090	मई 20, 2091	अस्त
42	छोटी पनौती	कर्क	जुलाई 03, 2093	अगस्त 18, 2095	

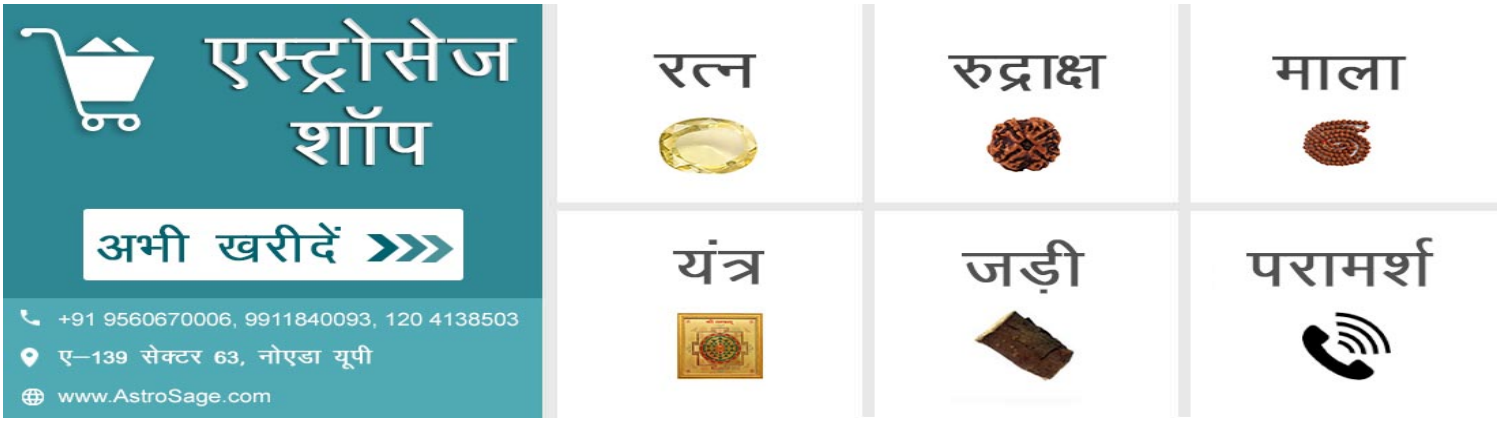

।। साढे साती रिपोर्ट ।।

शनि साढे सातीः उदय चरण

यह शनि साढ़े साती का आरम्भिक दौर है। इस दौरान शनि चन्द्र से बारहवें भाव में स्थित होगा। आम तौर पर यह आर्थिक हानि, छुपे हुए शत्रुओं से नुकसान, नुरुद्देश्य यात्रा, विवाद और निर्धनता को दर्शाता है। इस कालखण्ड में आपको गुप्त शत्रुओं द्वारा पैदा की हुई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सहकर्मियों से संबंध अच्छे नहीं रहेंगे और वे आपके कार्यक्षेत्र में बाधाएँ खड़ी कर सकते हैं। घरेलू मामलों में भी आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिसके चलते तनाव और दबाव की स्थिति पैदा होगी। आपको अपने खर्चों पर नियन्त्रण करने की आवश्यकता है, अन्यथा आप अधिक बड़े आर्थिक संकट में फँस सकते हैं। इस दौरान लम्बी दूरी की यात्राएँ फलदायी नहीं रहेंगी। शनि का स्वभाव विलम्ब और तनाव पैदा करने का है। हालाँकि अन्ततः आपको परिणाम जरूर मिलेगा। इसलिए धैर्य रखें और सही समय की प्रतीक्षा करें। इस दौर को सीखने का समय समझें और कड़ी मेहनत करें, परिस्थितियाँ स्वतः सही होती चली जाएंगी। इस समय व्यवसाय में कोई भी बड़ा खतरा या चुनौती न मोल लें।

शनि साढे सातीः शिखर चरण

यह शनि साढ़े साती का चरम है। प्रायः यह दौर सबसे मुश्किल होता है। इस समय चन्द्र पर गोचर करता हुआ शनि स्वास्थ्य–संबंधी समस्या, चरित्र–हनन की कोशिश, रिश्तों में दरार, मानसिक अशान्ति और दुःख की ओर संकेत करता है। इस दौरान आप सफलता पाने में कठिनाई महसूस करेंगे। आपको अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम नहीं मिलेगा और खुद को बंधा हुआ अनुभव करेंगे। आपकी सेहत और प्रतिरक्षा–तन्त्र पर्याप्त सशक्त नहीं होंगे। क्योंकि पहला भाव स्वास्थ्य को दर्शाता है इसलिए आपको नियमित व्यायाम और अपनी सेहत का खास खयाल रखने की जरूरत है, नहीं तो आप संक्रामक रोगों की चपेट में आ सकते हैं। साथ ही आपको मानसिक अवसाद और अज्ञात भय या फोबिया आदि का सामना भी करना पड़ सकता है। संभव है कि इस काल–खण्ड में आपकी सोच, कार्य और निर्णय करने की क्षमता में स्पष्टता का अभाव रहे। संतोषपूर्वक परिस्थितियों को स्वीकार करना और मूलभूत काम ठीक तरह से करना आपको इस संकट की घड़ी से निकाल सकता है।

शनि साढे सातीः अस्त चरण

यह शनि साढ़े साती का अन्तिम चरण है। इस समय शनि चन्द्र से दूसरे भाव में गोचर कर रहा होगा, जो व्यक्तिगत और वित्तीय मोर्चे पर कठिनाइयों को इंगित करता है। साढ़े साती के दो मुश्किल चरणों से गुजरने के बाद आप कुछ राहत महसूस करने लगेंगे। फिर भी इस दौरान गलतफहमी आर्थिक दबाव देखा जा सकता है। व्यय में वृद्धि होगी और आपको इसपर लगाम लगाने की अब भी जरूरत है। अचानक हुई आर्थिक हानि और चोरी की संभावना को भी इस दौरान नहीं नकारा जा सकता है। आपकी सोच नकारात्मक हो सकती है। आपको उत्साह के साथ परिस्थितियों का सामना करना चाहिए। आपको व्यक्तिगत और पारिवारिक तौर पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, नहीं तो बड़ी परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई–लिखाई पर थोड़ा नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और उन्हें पिछले स्तर पर बने रहने के लिए अधिक परिश्रम की जरूरत होगी। परिणाम धीरे–धीरे और प्रायः हमेशा विलम्ब से प्राप्त होंगे। यह काल–खण्ड खतरे को भी दर्शाता है, अतः गाड़ी चलाते समय विशेष सावधानी अपेक्षित है। यदि संभव हो तो मांसाहार और मदिरापान से दूर रहकर शनि को प्रसन्न रखें। यदि आप समझदारी से काम लेंगे, तो घरेलू व आर्थिक मामलों में आने वाली परेशानियों को भली–भांति हल करने में सफल रहेंगे।

नोटः उपर्युक्त भविष्यवाणियाँ सामान्य प्रकृति की हैं और आम धारणाओं पर आधारित हैं, जिसके अनुसार साढ़े साती अनिष्टकारक होती है। किन्तु हमारे अनुभव के अनुसार प्रत्येक स्थिति में ऐसा नहीं होता है, सिर्फ साढ़े साती के आधार पर कोई भी निष्कर्ष निकालना सही नहीं है और उसके गलत होने की काफी संभावना रहती है। साढ़े साती की अवधि अच्छी रहेगी या बुरी, यह तय करने से पहले कुछ अन्य चीजों जैसे वर्तमान में चल रही दशा और शनि के स्वभाव आदि के विश्लेषण की भी आवश्यकता होती है। आपको सलाह दी जाती है कि उपर्युक्त फलकथन को गंभीरता से न लें और यदि आपके मन में कुछ शंका है, तो किसी अच्छे ज्योतिषी से परामर्श लें।

।। कालसर्प दोष ।।

कालसर्प दोष – योग

प्रचलित परिभाषा के अनुसार जब जन्म कुंडली में सम्पूर्ण ग्रह राहु और केतु ग्रह के बीच स्थित हों तो ऐसी स्थित को ज्योतिषी कालसर्प दोष का नाम देते हैं। वर्तमान में इस दोष की चर्चा ज्योतिषियों के मध्य जोरों पर हैं। किसी भी जातक के जीवन में कोई भी परेशानी हो और उसकी कुण्डली में यह योग या दोष हो तो अन्य पहलुओं का परीक्षण किए बगैर बहुधा ज्योतिषी यह निष्कर्ष सुना देते हैं कि संबंधित जातक पर आने वाली उक्त प्रकार की परेशानियां कालसर्प योग के कारण हो रही हैं। परंतु वास्तविकता यह है कि यदि कुण्डली में अन्य ग्रहों की स्थितियां ठीक हों तो अकेला कालसर्प दोष नुकसानदायी नहीं होता। बल्कि वह अन्य ग्रहों के शुभफलदायी होने पर यह दोष योग की तरह काम करता है और उन्नति में सहायक होता है। वहीं अन्य ग्रहों के अशुभफलदायी होने पर यह अशुभफलों में वृद्धि करता है। अतरू मात्र कालसर्प दोष का नाम सुनकर भयभीत होना ठीक नहीं है बल्कि इसका ज्योतिषीय विश्लेषण करवाकर उससे मिलने वाले प्रभावों और दुष्प्रभावों की जानकारी लेकर उचित उपाय करना श्रेयष्कर होगा। इस मामले में सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यह है कि इस योग का असर अलग–अलग जातकों पर अलग–अलग प्रकार से देखने को मिलता है। क्योंकि इसका असर किस भाव में कौन सी राशि स्थित है और उसमें कौन–कौन ग्रह बैठे हैं और उनका बलाबल कितना है, इन विन्दुओं के आधार पर पडता है। साथ ही कालसर्प दोष या योग किन–किन भावों के मध्य बन रहा है, इसके अनुसार भी इस दोषध्योग का असर पडता है। भाव स्थिति के अनुसार इस योग या दोष को बारह प्रकार का माना गया है।

परिणामः आपकी कुण्डली कालसर्प दोष – योग से मुक्त है।

लग्न चक्रः

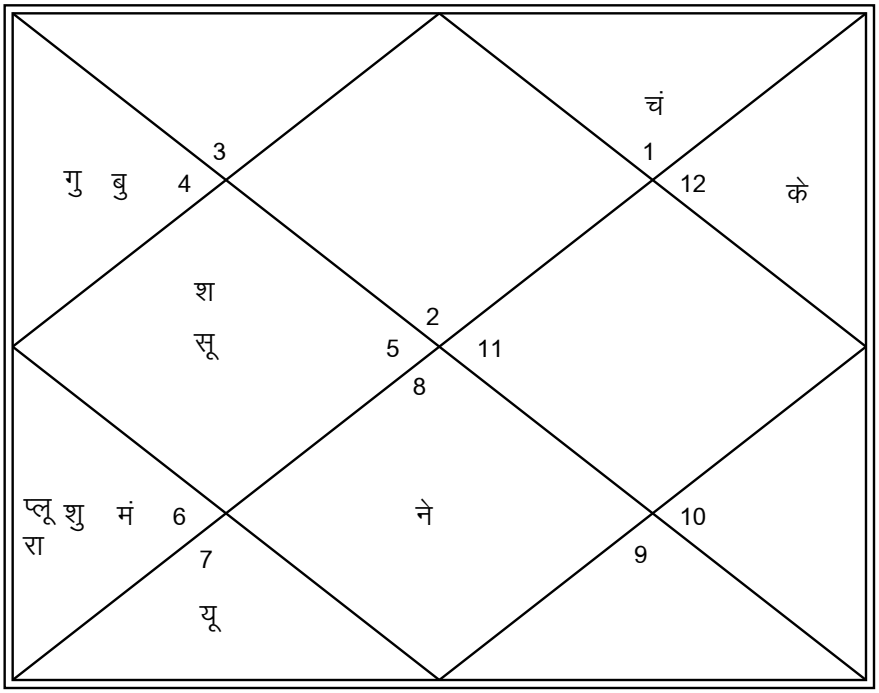

।। विंशोत्तरी महादशा फल ।।

शुक्र महादशा फल (जन्म से जनवरी 25, 1994)

शुक्र कन्या आपके पंचम भाव में स्थित है:

किसी भी तरह समय और भाग्य आपको और आपकी गतिविधियों को निखारेगा। इस अवधि में आपको अपने प्रयासों का श्रेय मिलेगा और आपको आपके काम के लिए पहचान मिलेगी। आप अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने और अपने माता–पिता, भाई और रिश्तेदारों के साथ समान निकटता बनाए रखने में सक्षम होंगे। आपको संचार के माध्यम से एक बहुत अच्छी खबर मिल सकती है। अपनी क्षमताओं पर विश्वास करें, इस वर्ष आप पूरी तरह से नई स्थिति में दिखेंगे। आपके द्वारा की गयी एक लंबी दूरी की यात्रा पुरस्कृत होगी। इस अवधि के दौरान आप एक कुलीन जीवन जीएंगे।

सूर्य महादशा फल (जनवरी 25, 1994 से जनवरी 25, 2000)

सूर्य सिंह आपके चतुर्थ भाव में स्थित है:

इस अवधि में आपको मेहनत करनी पड़ेगी जो आप कर नहीं पायेंगे। लगातार किया गया कड़ा परिश्रम थका भी शीघ्र देगा और कार्य क्षमता भी कम हो जायेगी। बुरे कार्यों में प्रवृती रहने की आपकी चेष्टा रहेगी। मां बाप का बुरा स्वास्थ्य चिन्ताग्रस्त रखेगा। कार या कोईवाहन बहुत तेजी से न चलाएं।

चन्द्र महादशा फल (जनवरी 25, 2000 से जनवरी 25, 2010)

चन्द्र मेष आपके द्वादश भाव में स्थित है:

अत्यधिक व्यय होने की संभावना है। प्यार, रोमांस और जीवन की ओर आपका दृष्टिकोण अत्यधिक उत्साहजनक नहीं रहेगा। आपको जीवन के अनेक परिस्थितियों में शांत और संतुलित रहने की सलाह दी जाती है। तुक्केबाजी से आपको किसी भी क्षेत्र में कोई मदद नहीं मिलेगी, इसलिए इसे नजरअंदाज करें। स्वास्थ समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। झूठ बोलकर आप स्वयं के लिए समस्याएं पैदा करेंगे।

मंगल महादशा फल (जनवरी 25, 2010 से जनवरी 25, 2017)

मंगल कन्या आपके पंचम भाव में स्थित है:

परिवार के किसी सदस्य की खराब सेहत आपके चिंता का विषय बन सकती है। आपके द्वारा की जाने वाली यात्रा निष्फल हो सकती है, इसलिए इससे बचें। किसी कार्य में आपके द्वारा अनावश्यक व्यय हो सकता है, इसलिए सावधानी बरतें। मित्रों और सहयोगियों से बातचीत करते समय आपको सतर्क रहना चाहिए। निर्णय और विभेदन की आपकी शक्ति कभी–कभी कमजोर हो सकती है। आग या किसी महिला के कारण आपको समस्या हो सकती है। इस समय में आपको दिल से सम्बंधित परेशानियां हो सकती है, इसलिए आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहना होगा।

राहू महादशा फल (जनवरी 25, 2017 से जनवरी 25, 2035)

राहू कन्या आपके पंचम भाव में स्थित है:

सही निर्णय लेने की आपकी क्षमता और योग्यता पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। आप अपने आस पास भ्रम का विश्व बना लेना चाहेंगे। झूठी आशाएं आपके लक्ष्य को भ्रमित कर देंगी। सट्टेबाजी की प्रवृति पर पूरा अंकुश लगाये। मित्रों से संबंध मधुर नहीं रहेंगे। किसी मुकदमेबाजी के चक्कर में अपने आपको न फंसायें। किसी के जमानती बनने की चेष्टा न करें। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। फूड पाइजनिंग के कारण पेट के रोग उभर सकते हैं।

।। विंशोत्तरी महादशा फल ।।

गुरू महादशा फल (जनवरी 25, 2035 से जनवरी 25, 2051)

गुरू कर्क आपके तृतीय भाव में स्थित है:

इस अवधि में आपके क्रियाकलाप प्रशंसा के हकदार होंगे और आप प्रचुर सम्मान प्राप्त करेंगे। आपका आत्मविश्वास बढा चढ़ा रहेगा। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। छोटी यात्राएं सफलदायक रहेंगी। पारिवारिक उत्थान के लिये आप कुछ महत्वपूर्ण कार्य करना चाहेंगे। अगर आप शादी शुदा हैं तो वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। सहयोगियों और भागीदारों से खूब पटेगी। किसी बुजुर्ग से आप सहारा प्राप्तकरेंगे। छोटे मोटे रोगों के उभरने की भी संभावना है।

शनि महादशा फल (जनवरी 25, 2051 से जनवरी 25, 2070)

शनि सिंह आपके चतुर्थ भाव में स्थित है:

आप पर ऐसी बातों के झुठे इल्जाम लगाए जा सकते हैं जिनमें आपका सहयोग नगण्य रहा हो। पारिवारिक सुख का भी अभाव रहेगा। प्रयासों में असफलता अवसाद पैदा कर देगी। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अगर कोई लंबी बीमारी भोग रहे हैं तो पूरे परहेज से रहें। आपके विरोधी आपकी छवि बिगाड़ने का प्रयास करेंगे। बहसों में न उलझें तो ठीक रहेगा। सांसारिक सुखों के लिहाज से यह समय अच्छा नहीं है फिर भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में लगे रहने से कुछ राहत महसूस होगी।

बुध महादशा फल (जनवरी 25, 2070 से जनवरी 25, 2087)

बुध कर्क आपके तृतीय भाव में स्थित है:

आपकी मेहनत रंग लायेगी। छोटी यात्राएं अच्छा फल प्रदान करेंगी। विदेश स्थलों से अच्छी खबर मिलेगी। भाई बहिनों से सहायता मिलेगी। नये लोगों से सम्पर्क आपके सौभाग्य के कारण बढेंगे और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। अगर आप प्रकाशन या ऐजेन्सी के काम से सम्बंधित हैं तो शुभ परिणाम सामने आयेंगे। आपमें कलात्मक अभिव्यक्ति प्रकट करने की क्षमता होगी तथा भावनात्मक अभिनय की सहज प्रतिभा रहेगी।

केतु महादशा फल (जनवरी 25, 2087 से जनवरी 25, 2094)

केतु मीन आपके एकादश भाव में स्थित है:

अचानक परिस्थितियां आपके काफी अनुकूल होती जायेंगी। कुछ व्यापारिक सौदे आपको काफी लाभावत कर देंगे। मित्र और हितैषियों का पूरा सहयोग रहेगा। उच्च कोटि के शारीरिक या मांसल सुख आपको प्राप्त होंगे। अगर नौकरीपेशा हैं तो पदोन्नति प्राप्त करेंगे। इस अवधि में लम्बी यात्रा की भी प्रबल संभावना है। पारिवारिक जीवन संतोष प्रदान करेगा। सामाजिक क्षेत्र में आप प्रचुर प्रतिष्ठा और सम्मान के भागी होंगे।

।। अंतर्दशा फल ।।

वैदिक ज्योतिष के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति की जन्म कुंडली में उपस्थित ग्रह अनेक रूपों में प्रभाव डालते हैं। कुंडली में बनने वाले अच्छे अथवा बुरे योगों का फल विभिन्न ग्रहों की अवधि में प्राप्त होता है। इसी कारण वैदिक ज्योतिष में ग्रहों को दशा समय के विभिन्न गणनाओं के आधार पर एक सीमा में बांधा गया है। यहाँ विंशोत्तरी दशा पद्धति के आधार पर गणना की गई है। जन्म के समय चंद्रमा द्वारा अधिष्ठित नक्षत्र के स्वामी की दशा जन्म के समय प्राप्त होती है और अन्य ग्रहों की दशाएँ उसके आगे अपना प्रभाव छोड़ती जाती है। प्रत्येक ग्रह की महादशा में सभी ग्रहों की अंतर्दशाएँ (भुक्ति) आती हैं। हालाँकि पूर्ण प्रभाव का अनुभव जन्म कुंडली के साथ–साथ दशा तथा गोचर पर निर्भर करता है जिसके लिए गहन अध्ययन की आवश्यकता होती है जो कि एक विद्वान, दैवज्ञ (ज्योतिषी) द्वारा ही संभव है। आपकी कुंडली में विभिन्न दशाओं की दशावधि निम्नलिखित हैः

राहु महादशा

राहु की महादशा में विभिन्न ग्रहों की अंतरदशा का फल

राहु अंतर्दशा(25/ 1/2017-7/10/2019)

राहु की महादशा के दौरान राहु की अंतर्दशा 2 वर्ष 8 माह और 12 दिन की होगी। राहु क्रांतिकारी विचार व सोच, भ्रम, सम्मोहन और त्वरित घटना आदि का कारक होता है।

इस अवधि में आपके जीवन पर राहु का अधिक प्रभाव रहेगा। इसके फलस्वरूप आप कुछ ऐसे गलत निर्णय ले सकते हैं जिसकी वजह से सार्वजनिक जीवन में आपकी छवि को नुकसान पहुंच सकता है। आप परंपरा के विरुद्ध जा सकते हैं और आपकी यह सोच प्रियजनों को बेहद गलत लगेगी। आप गुप्त रोग या किसी अन्य बीमारी से पीडति रह सकते हैं और इस स्थिति में आपका इलाज इतना आसान नहीं होगा। इस अवधि में विवाद और धन हानि हो सकती है। अगर विदेश जाने की इच्छा है और आप इसके लिए प्रयास कर रहे हैं तो आपको सफलता मिलने की संभावना है।

इसके अलावा दूषित भोजन करने से बचें। क्योंकि खराब खाना खाने से संक्रमण और पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। विरोधी आप पर हावी होंगे, इससे मानसिक तनाव बढ़ेगा। करियर के क्षेत्र में अचानक सफलता मिलने के योग हैं। सुखद जीवन जीने और सफलता प्राप्त करने के लिए आप चतुराई से काम लेंगे। महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले अच्छी तरह से सोच–विचार करें।

बृहस्पति अंतर्दशा(7/10/2019-1/ 3/2022)

राहु की महादशा के दौरान बृहस्पति की अंतर्दशा 2 वर्ष 4 माह और 24 दिन की होगी। राहु और बृहस्पति परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। क्योंकि बृहस्पति एक शुभ ग्रह है जबकि राहु एक क्रूर ग्रह है इसलिए इस दशा के दौरान आपको मिश्रित परिणाम देखने को मिलेंगे।

इस अवधि में आपकी सेहत अच्छी रहेगी, साथ ही अगर कोई पुरानी बीमारी से पीडति हैं तो उसमें सुधार देखने को मिलेगा। आप अपने शत्रु और विरोधियों पर हावी रहेंगे। उच्च संस्था से लाभ मिलने की संभावना है। आपको मौद्रिक लाभ की प्रापति होगी, साथ ही घर में बच्चे का जन्म होने की संभावना है।

इसके अलावा घर पर कोई धार्मिक और मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। भक्ति और आध्यातमिकता की ओर आपका झुकाव बढ़ेगा। आप रहस्यमयी विद्या के बारे में सीखना और जानना चाहेंगे। अचनाक धन हानि, विवाद और अड़चन पैदा होने की संभावना है। आपके अंदर या तो धार्मिक प्रवृत्ती बढ़ेगी या फिर वैचारिक रूप से समृद्ध होंगे। इस दशा के दौरान आपकी दिमागी क्षमता व ज्ञान बढ़ेगा और आप विभिन्न विषयों पर लोगों के बीच बोलने में समर्थ होंगे।

शनि अंतर्दशा(1/ 3/2022-7/ 1/2025)

राहु की महादशा के बीच शनि की अंतर्दशा 2 वर्ष 10 माह और 6 दिन की होगी। राहु और शनि दोनों मित्र ग्रह हैं लेकिन दोनों क्रूर ग्रह के नाम से जाने जाते हैं। शनि स्वभाविक रूप से मंद है जबकि राहु में तेजी का भाव है इसलिए इन दोनों

ग्रहों के विपरीत प्रभाव का असर मानव जीवन पर पड़ता है।

इस अवधि में मानसिक तनाव बढ़ेगा और आपकी ऊर्जा का उपयोग विपरीत दिशा में होगा। इस वजह से आपकी निर्णय लेने की क्षमता पर असर पड़ेगा। भाई–बहन, प्रियजन व मित्रों को कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान कुछ समय के लिए आपको उनसे दूर भी रहना पड़ सकता है। विदेश जाने या फिर वर्तमान स्थान से दूर जाने की संभावना है।

इसके अलावा कार्य स्थल पर आपका कद घट सकता है इसलिए काम से जुड़ी हर छोटी से छोटी बातों पर ध्यान दें और एकाग्रता के साथ बेहतर प्रयास करें। शरीर में पित्त संबंधी परेशानी हो सकती है। इस समय अवधि में मानसिक अस्थिरता रहेगी इसलिए संयम के साथ काम लें और अतीत को भूलकर कड़ी मेहनत करें।

बुध अंतर्दशा(7/ 1/2025-25/ 7/2027)
राहु की महादशा के बीच बुध की अंतर्दशा करीब 2 वर्ष 6 माह और 18 दिन की होगी। राहु और बुध परस्पर पर सामान्य संबंध रखते हैं इसलिए इस दशा की समय अवधि में आप सुखद परिणाम की आशा कर सकते हैं।

इस अवधि में आपकी दिमागी क्षमता और बौद्धिक ज्ञान में वृद्धि होगी। आप अपनी बौद्धिक क्षमता और एकाग्रता की जहां आवश्यकता होगी वहां बेहतर उपयोग करेंगे। आप भाई–बहनों और मित्रों का साथ पाकर खुश होंगे। सामाजिक जीवन में मेलजोल बढ़ेगा और आप अक्सर सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए घर से बाहर रहेंगे। आपके जीवन में किसी नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है।

इसके अलावा आप धन का संचय करने में सफल होंगे। आपको कई साधनों से आय और वृद्धि मिलेगी और पूंजी का आवागमन सामान्य रूप से चलता रहेगा। आपके नाम को नई पहचान मिलेगी और प्रसिद्धि बढ़ेगी। दिमागी कार्य अधिक करने से थकावट महसूस होगी।

केतु अंतर्दशा(25/ 7/2027-13/ 8/2028)
राहु की महादशा के दौरान केतु की अंतर्दशा करीब 1 वर्ष और 18 दिन की होगी। राहु और केतु दोनों ही क्रूर ग्रह है इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको सावधान रहने के साथ–साथ कुछ चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

इस अवधि में धन हानि और आय में गिरावट हो सकती है। वित्तीय स्थिति में गिरावट होने की संभावना है। ऐसे किसी कार्य या षडयंत्र से दूर रहने की कोशिश करें, जिसकी वजह से समाज में आपकी मानहानि हो जाये। अगर बच्चे हैं तो उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशान हो सकती है इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें।

इसके अलावा यदि आपके पास गाय, बैल है तो उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। विरोधी आप पर हावी रहेंगे। चोरी या आगजनी की घटना का भय बना रहेगा। इस समय अवधि में आप दुर्घटना, शल्य क्रिया, बुखार या पित्त संबंधी परेशानी से पीडति रह सकते हैं। दूषित भोजन का सेवन करने से बचें क्योंकि यह आपके लिए घातक साबित हो सकता है।।

शुक्र अंतर्दशा(13/ 8/2028-13/ 8/2031)
राहु की महादशा में शुक्र की अंतर्दशा लगभग 3 वर्ष की होगी। शुक्र ग्रह सुंदरता, भौतिक सुख–साधन और इच्छा का कारक कहा जाता है जबकि राहु तीव्र और बड़े परिवर्तन का कारक है। इन दोनों ग्रहों के संयोग से मनुष्य की आशा–आकांक्षा में वृद्धि होती और और कम समय में उन्हे पाने की लालसा रहती है। इस दशा अवधि में आपको मिश्रित परिणाम मिलेंगे लेकिन इनमें ज्यादातर सुखद होंगे।

इस अवधि में आपके अंदर कामुक विचारों की वृद्धि होगी। आपके मन में कामुक क्रियाओं में लिप्त रहने की लालसा रहेगी। आप कोई नया वाहन खरीद सकते हैं, भौतिक सुख–सुविधा की प्राप्ति और विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। आपका

सामाजिक दायरा बढ़ेगा और आपको कई माध्यमों से लाभ की प्राप्ति होगी। सरकार की ओर से लाभ प्राप्ति की संभावना है। यदि विवाहित हैं तो किसी नए रिश्ते की संभावना है, इसलिए इस तरह के रिश्तों से दूर रहें और अपने वैवाहिक जीवन का आनंद लें। यदि आप अविवाहित हैं तो आपको किसी का साथ मिलेगा, नए प्रेम प्रसंग बनेंगे। इस दौरान आपकी लव मैरिज भी हो सकती है।

इसके अलावा स्वास्थ्य संबंधी विकार परेशान कर सकते हैं, विरोधी आप पर हावी रहेंगे और परिजनों से विवाद की संभावना है। इस अवधि में आप बड़ी व क्रांतिकारी सोच रखेंगे, इस वजह से आप कई मामलों में परिवार की सोच के विरुद्ध भी जा सकते हैं। कुल मिलाकर इस दशा अवधि में आपको लाभ होगा और भौतिक सुख–सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

सूर्य अंतर्दशा(13/ 8/2031-7/ 7/2032)

राहु की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा लगभग 10 महीने और 24 दिन की होगी। राहु और सूर्य एक–दूसरे से शत्रुता का भाव रखते हैं। सामान्यतः इस दशा में राहु अशुभ परिणाम देता है लेकिन कभी–कभी यह दशा मनुष्य का जीवन संवार देती है।

इस अवधि में आप धार्मिक और पवित्र कार्यों में अत्याधिक रूचि दिखाएंगे। आप पहले की तुलना में अधिक उदारवादी और धार्मिक प्रवृत्ति के होंगे। विवाद और अन्य प्रकरणों में आपकी विजय एक विजेता के रूप में होगी। हालांकि आपके विरोधी भी शक्तिशाली होंगे और वे आपको परास्त करने की कोशिश कर सकते हैं। इस दशा अवधि में दूषित भोजन, आग और हथियारों से दूर रहें।

इसके अलावा आप संक्रामक रोग की चपेट में आ सकते हैं। आप विदेश यात्रा पर जा सकते हैं या किसी वजह से आपको अपने वर्तमान निवास स्थान से दूर जाकर रहना पड़ सकता है। बुखार और अतिसार से पीडति रह सकते हैं। किसी कानूनी मामले में ना पड़े और दखल देने से बचें। क्योंकि यह आपकी मानहानि का कारण बन सकता है, साथ ही आपको इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। उच्च अधिकारियों से अच्छे संबंध बनाकर चलें।

चंद्र अंतर्दशा(7/ 7/2032-7/ 1/2034)

राहु की महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा करीब 1 वर्ष 6 माह की होगी। चंद्रमा और राहु एक–दूसरे से शत्रुता का भाव रखते हैं। सामान्यतः राहु की अंतर्दशा में अशुभ फल मिलता है लेकिन कभी–कभी यह मनुष्य को बहुत लाभ पहुंचाती है।

इस अवधि में राहु का प्रभाव आपके मन–मस्तिष्क पर हावी रहेगा। आप मानसिक तनाव से परेशान रह सकते हैं या फिर किसी बात को लेकर आप बेहद महत्वकांक्षी रह सकते हैं। भौतिक सुख–सुविधाओं का आनंद लेंगे और धन का आवागमन बढ़ सकता है। इस अवधि में आप स्वादिष्ट भोजन का आनंद भी उठाएंगे। मानसिक तनाव को दूर करने के लिए प्राणायाम आपके लिए लाभकारी रहेगा।

इसके अलावा इस अवधि में परिजनों के साथ विवाद हो सकता है और जल से भय रहेगा। आपको किसी न्यायिक प्रकरण का सामना करना पड़ सकता है। किसी भी प्रकार के विवाद से दूर रहने की कोशिश करें और अपने प्रियजन का ख्याल रखें। यदि मानसिक शांति प्राप्त करने में सफल रहे तो आप भौतिक सुख–साधनों का आनंद लेंगे।

मंगल अंतर्दशा(7/ 1/2034-25/ 1/2035)

राहु की महादशा में मंगल की अंतर्दशा 1 वर्ष 18 दिन की होगी। राहु और मंगल परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। ये दोनों ग्रह एक–दूसरे से शत्रुता का भाव रखते हैं, इसलिए इस दशा की अवधि में मतभेद होने की संभावना है।

इस अवधि में आपको कुछ मतभेद और विवादों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि आपको साहस के साथ इन सभी चुनौतियों का सामना करना चाहिए। मानसिक तनाव होने से बेचौनी बढ़ेगी, जो आपके चेहरे पर साफ देखने को मिलेगी। इसलिए अपने प्रियजनों के साथ विवाद करने से बचें और आपसी सद्भाव बनाए रखें।

इसके अलावा नौकरी में परिवर्तन और कार्य स्थल पर पदोन्नति की संभावना है। इस अवधि में राहु और मंगल का संयोग आपको प्रभावित करेगा। इसका असर आपकी सेहत पर पड़ सकता है इसलिए स्वास्थ्य पर ध्यान दें, साथ ही यदि विवाहित हैं तो जीवन साथी और बच्चों की सेहत पर भी ध्यान देने की जरुरत है।

बृहस्पति महादशा

बृहस्पति की महादशा में विभिन्न ग्रहों की अंतरदशा का फल

बृहस्पति अंतर्दशा(25/ 1/2035-13/ 3/2037)

बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अंतर्दशा करीब 2 वर्ष 1 माह और 18 दिन की होगी। बृहस्पति को ज्ञान, प्रगति, भाग्य, विश्वास, प्रसिद्धि, कानून और बच्चों आदि का कारक कहा जाता है। महिला जातकों के लिए बृहस्पति विवाह का कारक भी होता है। यह शरीर में वसा को नियंत्रित करता है।

इस अवधि में आपके जीवन पर बृहस्पति का व्यापक प्रभाव रहेगा। सरकार और उच्च संस्थाओं से लाभ प्राप्ति की संभावना है। आपकी योजना और काम सफल होंगे। आप विवेकपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम होंगे, जो भविष्य में आपको उन्नति और सफलता की ओर लेकर जाएंगे। अगर आप पढ़ाई कर रहे हैं या कुछ सीख रहे हैं, तो इस अवधि में आपको इसके बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। साथ ही कुछ नया सीखने को लेकर आपकी एकाग्रता में वृद्धि होगी। ज्ञान प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होगी, साथ ही आपको स्कॉलर्स और बुद्धिजीवी व्यक्तियों का साथ मिलेगा।

यदि विवाहित और घर परिवार वाले हैं तो धन लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य आपका हर कदम पर साथ देगा और आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। उदारवादी और दानी प्रवृत्ति होने से धार्मिक कार्यों में शामिल होने की ओर झुकाव बढ़ेगा।

शनि अंतर्दशा(13/ 3/2037-25/ 9/2039)

बृहस्पति की महादशा में शनि की अंतर्दशा लगभग 2 वर्ष 6 माह और 12 दिन की होगी। बृहस्पति और शनि परस्पर सामान्य संबंध रखते हैं इसलिए इस दशा के दौरान आपको मिश्रित परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

इस अवधि में आप दान–धर्म या सामाजिक कार्यों में अधिक रुचि लेंगे। आपके अंदर दूसरों की मदद करने की भावना रहेगी। वहीं दूसरी ओर आप उन्मादी हो सकते हैं और किसी रिश्ते में लिप्त रह सकते हैं हालांकि यह रिश्ता आपके लिए अच्छा साबित नहीं होगा। धन हानि और स्वास्थ्य में गिरावट की संभावना है। आप एकजुट होकर रहना पसंद करेंगे। यदि परिस्थितियां आपके विपरीत हुई तो आप बेचौन हो जाएंगे और दूसरों से ईर्ष्या की भावना रख सकते हैं।

इसके अलावा मानसिक तनाव आप पर हावी रहेगा। अगर आपके बच्चे हैं, तो वे आर्थिक नुकसान की वजह बन सकते हैं। इस अवधि में कोई महत्वपूर्ण फैसला लेने से बचें और उसे कुछ समय के लिए टाल दें। यदि आप आध्यातमिक चिंतन–मनन कर रहे हैं तो इस समय अवधि में आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे, साथ ही धर्म और आध्यात्म से जुड़े कामों में अधिक सक्रिय होंगे।

बुध अंतर्दशा(25/ 9/2039-1/ 1/2042)

बृहस्पति की महादशा में बुध की अंतर्दशा लगभग 2 वर्ष 3 माह और 6 दिन की होगी। बृहस्पति और बुध दोनों शुभ ग्रह हैं। हालांकि ये दोनों ग्रह परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे लेकिन ज्यादातर समय परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे।

इस अवधि में आप अपने व्यापार और व्यवसाय में लाभ कमाने में सफल होंगे। यदि आप सरकारी कर्मचारी व अधिकारी हैं तो आपको लाभ की प्राप्ति हो सकती है, साथ ही उच्च अधिकारी आपके पक्ष में रहेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आपका झुकाव बढ़ेगा और इसके फलस्वरूप आपके बौद्धिक स्तर व ज्ञान में वृद्धि होगी। इस अवधि में आप ईश्वर की आराधना में लीन

रहेंगे व तीर्थ दर्शन के लिए भी जा सकते हैं।

इसके अलावा इस अवधि में आप नया वाहन खरीद सकते हैं। यदि आपके बच्चे हैं तो आप उनके साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे और वे आपको मुस्कुराने की कई वजह देंगे। आप आंतरिक शांति महसूस करेंगे साथ ही पारिवारिक सद्भाव भी बना रहेगा। इस समय अवधि में आप बहुमुखी प्रतिभा के धनी होंगे साथ ही विदेश जाने की प्रबल संभावना होगी।

केतु अंतर्दशा(1/ 1/2042-7/12/2042)
बृहस्पति की महादशा में केतु की अंतर्दशा लगभग 11 महीने 6 दिन की होगी। बृहस्पति और केतु परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। क्योंकि बृहस्पति शुभ ग्रह है जबकि केतु क्रूर ग्रह है इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको मिश्रित परिणाम देखने को मिलेंगे।

इस अवधि में आप स्वयं को धार्मिक कार्यों में व्यस्त रखेंगे और तीर्थ यात्रा पर जाने के लिए अधिक उत्साहित रहेंगे। कई माध्यमों से आपको लाभ प्राप्त होगा और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। गुरु, शिक्षक, परिवार के बड़े सदस्य और कार्य स्थल पर अधिकारियों के साथ आपके मतभेद हो सकते हैं।

इसके अलावा शस्त्र और क्रोध को लेकर सावधान रहें। कार्य स्थल पर सेवक या अधीनस्थ कर्मचारियों से आपके संबंध बेहतर रहने की संभावना कम है, हो सकता है कि आपका उनसे विवाद जाए इसलिए अपने व्यवहार में संयम बरतें। मानसिक तनाव अधिक होने से आपकी निर्णयन क्षमता प्रभावित होगी।

शुक्र अंतर्दशा(7/12/2042-7/ 8/2045)
बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अंतर्दशा लगभग 2 वर्ष और 8 माह की होगी। बृहस्पति और शुक्र दोनों ही शुभ ग्रह हैं लेकिन बृहस्पति शुक्र को अपना शत्रु मानता है जबकि शुक्र बृहस्पति के प्रति सामान्य भाव रखता है। इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको मिश्रित परिणाम की प्राप्ति होगी।

इस अवधि में आप भौतिक सुख–सुविधाओं का आनंद लेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के साथ–साथ लाभ की प्राप्ति होगी। कार्य स्थल पर पदोन्नति और वेतन बढ़ोतरी की संभावना है। आप कोई नया वाहन खरीद सकते हैं साथ ही सरकारी पक्ष से लाभ की संभावना है। वहीं दूसरी ओर स्त्री/पुरुष से मतभेद हो सकते हैं। दूसरों के प्रति आपके मन में ईर्ष्या की भावना हो सकती है। आपके अंदर दिखावा करने की आदत बढ़ेगी।

इसके अलावा आपका अपने मित्रों के साथ अलगाव हो सकता है। आप वायु विकार और खुजली से परेशान रह सकते हैं। गलत कार्यों के प्रति आपका झुकाव बढ़ सकता है। आपके ज्ञान में वृद्धि होगी और लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। कुल मिलाकर इस दशा अवधि में आपको आनंद की प्राप्ति भी होगी और कुछ मतभेद भी हो सकते हैं।

सूर्य अंतर्दशा(7/ 8/2045-25/ 5/2046)
बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा लगभग 9 माह और 18 दिन की होगी। बृहस्पति व सूर्य दोनों मित्र ग्रह हैं और परस्पर एक–दूसरे से अच्छे संबंध रखते हैं। सूर्य नवग्रहों का राजा है और बृहस्पति उसका मंत्री है, इसलिए इस दशा की अवधि में आपको बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

अगर आप विवाहित हैं तो इस अवधि में बच्चे के जन्म से आपको प्रसन्नता होगी। आर्थिक लाभ होगा और आय में वृद्धि होगी। सामाजिक और व्यवसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य स्थल पर आपको प्रशासनिक अधिकार या पदोन्नति मिलने की संभावना है। आप विरोधियों पर इस कदर हावी रहेंगे कि वे आपका सामना करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे। आप स्वयं को अंदर से प्रसन्न और प्रफुल्लित महसूस करेंगे साथ ही आपके चारों ओर खुशी का वातावरण रहेगा।

इसके अलावा आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और यदि कोई पुरानी बीमारी से परेशान हैं तो उसमें सुधार देखने को मिलेगा। सरकार या उच्च अधिकारी आपके पक्ष में खड़े रहेंगे। आपको इनके माध्यम से सम्मान की प्राप्ति भी हो सकती है। इस

अवधि में आपको किसी कार्य के लिए प्रशंसा भी मिल सकती है।

चंद्र अंतर्दशा(25/ 5/2046-25/ 9/2047)
बृहस्पति की महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा लगभग 1 वर्ष 4 माह की होगी। बृहस्पति चंद्रमा को अपना मित्र मानता है लेकिन चंद्रमा बृहस्पति से सामान्य भाव रखता है। दोनों शुभ ग्रह माने जाते हैं और इनके संयोग से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

इस अवधि में आपको लाभ की प्राप्ति होगी, विशेषकर सरकारी संस्थाओं से। यदि आप सरकारी सेवा में कार्यरत हैं तो इस दशा के दौरान आपको कई शुभ फल की प्राप्ति होगी। महिलाओं की मदद से आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे इसलिए महिलाओं से अच्छे संबंध बनाकर चलें। धन लाभ होने के साथ–साथ आपके अंदर ज्ञान की वृद्धि होगी और यह समय आपके जीवन का सबसे प्रगतिशील काल होगा।

अगर आप अविवाहित हैं तो इस समय अवधि में विवाह के बंधन में बंध सकते हैं। आप अपनी योजनाओं को लागू करने में सक्षम होंगे और उसकी वजह से आपका उत्थान होगा। इसके फलस्वरुप आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा।

मंगल अंतर्दशा(25/ 9/2047-1/ 9/2048)
बृहस्पति की महादशा में मंगल की अंतर्दशा 11 माह 6 दिन की होगी। बृहस्पति और मंगल दोनों मित्र ग्रह हैं और एक–दूसरे के साथ अच्छे संबंध रखते हैं। इस दशा की समय अवधि में आपको कई अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। मंगल एक क्रूर ग्रह है जबकि बृहस्पति एक शुभ ग्रह है इसलिए कुछ धीमे परिणाम भी मिल सकते हैं हालांकि कुल मिलाकर बृहस्पति और मंगल के प्रभाव से आपको मिश्रित फल की प्राप्ति होगी।

इस अवधि में आप विरोधी और प्रतिद्वंदियों पर विजय पाने में सफल रहेंगे। उन लोगों में आपका सामना करने की हिम्मत नहीं होगी। आपके अच्छे कामों से समाज में आपको प्रसिद्धि और पहचान मिलेगी, लोग आपके अच्छे कार्यों से प्रभावित होंगे।

इसके अलावा स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रह सकता है। आप बुखार और सिरदर्द से परेशान रह सकते हैं। यदि मंगल शुभ फल नहीं देता है तो आपके अंदर ऊर्जा की कमी बनी रहेगी। वहीं दूसरी ओर कानून से जुड़े मामलों में आपको सफलता मिल सकती है और सरकारी कार्यों से लाभ प्राप्त हो सकता है।

राहु अंतर्दशा(1/ 9/2048-25/ 1/2051)
बृहस्पति की महादशा में राहु की अंतर्दशा करीब 2 वर्ष, 4 माह और 24 दिन की होगी। बृहस्पति और राहु परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। बृहस्पति एक शुभ ग्रह है जबकि राहु क्रूर ग्रह है इसलिए इस दशा में आपको मंद परिणाम प्राप्त होंगे।

इस अवधि में पारिवारिक विवाद की संभावना है, साथ ही मानसिक बेचौनी बढ़ेगी। इस समय अवधि में आपकी निर्णयन क्षमता भी प्रभावित होगी। विरोधी आपकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। सरकारी पक्ष से लाभ नहीं मिलेगा। कानूनी विवाद से बचने की कोशिश करें।

इसके अलावा गलतफहमी की वजह से आपके रिश्तों में दरार आ सकती है इसलिए बेवजह की बातों पर ध्यान नहीं दें।

।। गोचर फल (18–6–2019)।।

सूर्य मिथुनराशि में आपके दूसरे भाव में स्थित है:

घरेलु जीवन सुखद नहीं रहेगा तथा उस पर बहुत ध्यान देना पड़ेगा। यद्यपि आपकी शारीरिक तनाव और बोझ सहने की अच्छी क्षमता है लेकिन परिवार के झंझटों के कारण क्षमता से अधिक कष्ट भोगना पड़ सकता है। भारी आर्थिक हानियां होंगी और सम्पती का क्षय होगा। धन संबंधी मामलों में काफी सचेत रहने की आवश्यकता है। आंखों और मुंह की बीमारी से ग्रसित हो सकते हैं।

चन्द्र धनुराशि में आपके आठवें भाव में स्थित है:

अपने प्रयत्नों में आपको निराशा मिलेगी। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी रहेंगी। अपने आपको किसी बड़े उद्यम से सम्बदीत न कीजिये। यह जोखिम लेने का समय नहीं है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य के बारे में चिन्तित रह सकते हैं। फालतु की यात्राओं से बचें।

मंगल मिथुनराशि में आपके दूसरे भाव में स्थित है:

आर्थिक लाभ के लिये यह समय अच्छा नहीं है। परिवार के सदस्यों के कारण तनाव पैदा हो सकते हैं। छोटी छोटी बातों पर भी झगड़े हो सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें वरना परेशानी भुगतेंगे। अवांछित लोगों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। व्यापार में घाटे या चोरी के कारण आर्थिक हानि होने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

।। गोचर फल (18–6–2019)।।

बुध मिथुनराशि में आपके दूसरे भाव में स्थित है:

आर्थिक रूप से यह उनम समय रहेगा। नफा के सौदा से काफी लाभ होगा। परिस्थितियों और योजनाओं की गहरी समझ के कारण आप दूसरों को आसानी से कोई बात मनवा सकेंगे। इस अवधि में आप काफी प्रसिद्ध रहेंगे। परिवार के सदस्यों का आपके प्रति बहुत अच्छा बर्ताव रहेगा। पुराने रीण इत्यादि की वसूली भी हो जायेगी। इस काल में भ्रमण से काफी लाभ मिलेगा। आपकी प्रकृति दार्शनिक और गम्भीर हो जायेगी। गूढ़ विज्ञान में आपकी रूचि बढ़ेगी तथा हो सकता है आपको परामनोवैानिक अनुभव भी प्राप्त हो।

गुरू वृश्चिकराशि में आपके सातवें भाव में स्थित है:

इस अवधि में आप वैवाहिक सुख भोगेंगे। व्यापार या नौकरी इत्यादि के विकासशील होने की अच्छी संभावनाएं रहेंगी। बहु प्रतीक्षित यात्रा करेंगे। परिवार का वातावरण भी सौमनस्यपूर्ण रहेगा। इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति होगी। आप निडर रहेंगे और शत्रुगण सामने आने की हिम्मत नहीं करेंगे। दर्शन व साहित्य में रूचि जागृत होगी। विद्वानों से सम्पर्क बढ़ेंगे। आप अत्यधिक सम्मानप्रिय व्यक्ति समझे जायेंगे और विख्यात होंगे।

शुक्र वृशभराशि में आपके पहले भाव में स्थित है:

यह समय कई कारणों से आपके लिए शानदार रहेगा। आपके आत्मविश्वास और आसपास के माहौल की वजह आपकी समस्याएं स्वयं ही हल हो जाएँगी। आपके सभी घरेलू मामले भी खुद ही सुलझ जायेंगे। आपका जुनून और उत्साह आपके प्रदर्शन और दक्षता को उच्च स्तर तक ले जाता है। उच्च वर्ग से सहयोग मिलने की संभावना है, साथ ही आपके दुश्मनों का भी विनाश होगा। आपको अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों से पूरा समर्थन मिलेगा। आपके आस–पास एक सुखद वातावरण होगा।

।। गोचर फल (18–6–2019)।।

शनि धनुराशि में आपके आठवें भाव में स्थित है:

कोई महत्वपूर्ण चीज खोने का खतरा बना रहेगा। वरिष्ठ जनों या सत्ताधारी अफसरों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। लेन देन के व्यापार में हानि होने की भी संभावना है। आपके मित्र या सहयोगी अपना वचन नहीं निभाएंगें। परिवारजनों के व्यवहार में भी फर्क आ जाएगा। मानसिक वेदना की स्थिति आपके व्यवहार से परिलक्षित होती रहेगी। वैसे इस अवधि में गूढ मान या परामनोविाान आदि क्षेत्रों स`कुछ मदद मिल सकती है। अच्छा यही होगा कि अपनी योग्यता और प्रतिभा पर ही निर्भर करें। अगर वसीयत प्राप्ति के इच्छुक है तो वह अचानक प्राप्त होकर आपको चमत्कृत कर देगी। किसी की मौत की बुरी खबर मिल सकती है। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

राहू मिथुनराशि में आपके दूसरे भाव में स्थित है:

रोजमर्रा के जीवन में पैसा वसूल करने में आपको परेशानी हो सकती है। किसी भी उघम की प्रायोजना की पूरी जांच परख कर के ही पूंजी निवेश की सोचें। घर का वातावरण भी तनावपूर्ण रहेगा। परिवारजनों से कभी कभी मतभेद रहेगा।इस अवधि में आंख की पीड़ा भी आप भोग सकते हैं। साधारण रूप से स्वास्थ्य ठीक रहेगा। शत्रु नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे। घर के मामलों में एक असुरक्षा की भावना से आक्रान्त रहेंगे।

केतु धनुराशि में आपके आठवें भाव में स्थित है:

इस अवधि में अचानक लाभ होने की संभावना है। अगर वसीयत प्राप्त करने की संभावना है या आप उसको प्राप्त करने के लिये इच्छुक है तो आप उसे प्राप्त कर सकते हैं। आपका मन धार्मिक क्रियाकलापों की ओर झुका रहेगा। कुछ अतीन्द्रिय अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। पारिवारिक माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा। अचानक यात्राएं सफलदायक सिद्ध होंगी। आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और सम्मान में इजाफा होगा। छोटी मोटी बीमारियां मानसिक शांति भंग कर सकती हैं। आप तीर्थाटन पर जा सकते हैं। कुल मिलाकर सुखी रहेंगे।

।। लाल किताब गणना ।।

नाम	Pooja Sharma			**सूर्योदय**	05. 54. 14	**दशा भोग्य**	Venus 15 Y 5 M 1 D
लिंग	Female	**रेखांश**	77.13.E	**तिथि**	षष्ठी	**सूर्यास्त**	18. 53. 28
दिनांक	23.8.1978	**अक्षांश**	28.40.N	**योग**	वृ	**करण**	वणिज
दिन	बुधवार	**जन्म स्थान**	Delhi	**लग्न**	वृषभ	**लग्न स्वामी**	शुक्र
समय	23.53.18	**अयनांश**	023-33-30	**राशि**	मेष	**राशि स्वामी**	मंगल
साम्पातिक काल	21.38.53	**अयनांश नाम**	लाहिरी	**नक्षत्र**	भरणी–1	**नक्षत्र स्वामी**	शुक्र

लग्न चक्र

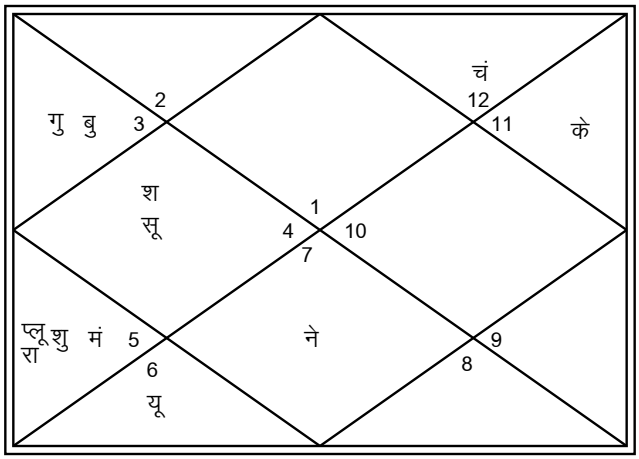

लाल किताब ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	स्थिति	सोया	किस्मत जगानेवाला	नेक / मंदा
सूर्य	ब्ंदबमत	–––––	हाँ	नहीं	नेक / शुभ
चंद्र	च्पेबमे	–––––	हाँ	नहीं	मंदा / अशुभ
मंगल	स्मव	–––––	नहीं	नहीं	नेक / शुभ
बुध	ळमउपदप	–––––	हाँ	हाँ	मंदा / अशुभ
गुरू	ळमउपदप	–––––	हाँ	नहीं	नेक / शुभ
शुक्र	स्मव	–––––	नहीं	नहीं	नेक / शुभ
शनि	ब्ंदबमत	–––––	हाँ	नहीं	मंदा / अशुभ
राहु	स्मव	–––––	नहीं	नहीं	मंदा / अशुभ
केतु	ुनंतपने	–––––	नहीं	नहीं	नेक / शुभ

लाल किताब दशा

शनि 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 1978
अंत	23 / 08 / 1984
राहु	23 / 08 / 1980
बुध	23 / 08 / 1982
शनि	23 / 08 / 1984

राहु 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 1984
अंत	23 / 08 / 1990
मंगल	23 / 08 / 1986
केतु	23 / 08 / 1988
राहु	23 / 08 / 1990

केतु 3 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 1990
अंत	23 / 08 / 1993
शनि	23 / 08 / 1991
राहु	23 / 08 / 1992
केतु	23 / 08 / 1993

गुरू 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 1993
अंत	23 / 08 / 1999
केतु	23 / 08 / 1995
गुरू	23 / 08 / 1997
सूर्य	23 / 08 / 1999

सूर्य 2 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 1999
अंत	23 / 08 / 2001
सूर्य	23 / 04 / 2000
चन्द्र	23 / 12 / 2000
मंगल	23 / 08 / 2001

चन्द्र 1 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2001
अंत	23 / 08 / 2002
गुरू	23 / 12 / 2001
सूर्य	23 / 04 / 2002
चन्द्र	23 / 08 / 2002

शुक्र 3 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2002
अंत	23 / 08 / 2005
मंगल	23 / 08 / 2003
सूर्य	23 / 08 / 2004
चन्द्र	23 / 08 / 2005

मंगल 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2005
अंत	23 / 08 / 2011
मंगल	23 / 08 / 2007
शनि	23 / 08 / 2009
शुक्र	23 / 08 / 2011

बुध 2 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2011
अंत	23 / 08 / 2013
चन्द्र	23 / 04 / 2012
मंगल	23 / 12 / 2012
गुरू	23 / 08 / 2013

शनि 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2013
अंत	23 / 08 / 2019
राहु	23 / 08 / 2015
बुध	23 / 08 / 2017
शनि	23 / 08 / 2019

राहु 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2019
अंत	23 / 08 / 2025
मंगल	23 / 08 / 2021
केतु	23 / 08 / 2023
राहु	23 / 08 / 2025

केतु 3 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2025
अंत	23 / 08 / 2028
शनि	23 / 08 / 2026
राहु	23 / 08 / 2027
केतु	23 / 08 / 2028

गुरू 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2028
अंत	23 / 08 / 2034
केतु	23 / 08 / 2030
गुरू	23 / 08 / 2032
सूर्य	23 / 08 / 2034

सूर्य 2 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2034
अंत	23 / 08 / 2036
सूर्य	23 / 04 / 2035
चन्द्र	23 / 12 / 2035
मंगल	23 / 08 / 2036

चन्द्र 1 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2036
अंत	23 / 08 / 2037
गुरू	23 / 12 / 2036
सूर्य	23 / 04 / 2037
चन्द्र	23 / 08 / 2037

शुक्र 3 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2037
अंत	23 / 08 / 2040
मंगल	23 / 08 / 2038
सूर्य	23 / 08 / 2039
चन्द्र	23 / 08 / 2040

मंगल 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2040
अंत	23 / 08 / 2046
मंगल	23 / 08 / 2042
शनि	23 / 08 / 2044
शुक्र	23 / 08 / 2046

बुध 2 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2046
अंत	23 / 08 / 2048
चन्द्र	23 / 04 / 2047
मंगल	23 / 12 / 2047
गुरू	23 / 08 / 2048

शनि 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2048
अंत	23 / 08 / 2054
राहु	23 / 08 / 2050
बुध	23 / 08 / 2052
शनि	23 / 08 / 2054

राहु 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2054
अंत	23 / 08 / 2060
मंगल	23 / 08 / 2056
केतु	23 / 08 / 2058
राहु	23 / 08 / 2060

केतु 3 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2060
अंत	23 / 08 / 2063
शनि	23 / 08 / 2061
राहु	23 / 08 / 2062
केतु	23 / 08 / 2063

गुरू 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2063
अंत	23 / 08 / 2069
केतु	23 / 08 / 2065
गुरू	23 / 08 / 2067
सूर्य	23 / 08 / 2069

सूर्य 2 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2069
अंत	23 / 08 / 2071
सूर्य	23 / 04 / 2070
चन्द्र	23 / 12 / 2070
मंगल	23 / 08 / 2071

चन्द्र 1 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2071
अंत	23 / 08 / 2072
गुरू	23 / 12 / 2071
सूर्य	23 / 04 / 2072
चन्द्र	23 / 08 / 2072

शुक्र 3 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2072
अंत	23 / 08 / 2075
मंगल	23 / 08 / 2073
सूर्य	23 / 08 / 2074
चन्द्र	23 / 08 / 2075

मंगल 6 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2075
अंत	23 / 08 / 2081
मंगल	23 / 08 / 2077
शनि	23 / 08 / 2079
शुक्र	23 / 08 / 2081

बुध 2 वर्ष	
आरम्भ	23 / 08 / 2081
अंत	23 / 08 / 2083
चन्द्र	23 / 04 / 2082
मंगल	23 / 12 / 2082
गुरू	23 / 08 / 2083

।। लालकिताब फलकथन ।।

सूर्य आपके चौथे भाव में स्थित है:

यदि सूर्य शुभ है तो जातक बुद्धिमान, दयालु और अच्छा प्रशासक होगा। उसके पास आमदनी का स्थिर श्रोत होगा। ऐसा जातक मरने के बाद अपने वंशजों के लिए बहुत धन और बडी विरासत छोड जाता है। यदि चंद्रमा भी सूर्य के साथ चौथे भाव में स्थित है तो जातक किसी नए शोध के माध्यम से बहुत धन अर्जित करेगा। ऐसे में चौथे भाव या दसम भाव का बुध जातक को प्रसिद्ध व्यापारी बनाता है। यदि सूर्य के साथ बृहस्पति भी चौथे भाव में स्थित है तो जातक सोने और चांदी के व्यापर से अच्छा मुनाफा कमाता है। यदि चौथे भाव में सूर्य अशुभ है तो जातक लालची होगा। जातक को चोरी करने और दूसरों को नुकसान पहुचाने में मजा आता है। यह प्रवृत्ति अंततः बहुत बुरे परिणाम को जन्म देती है। यदि शनि सातवे भाव में हो तो जातक को रतौंधी रोग हो सकता है। यदि सूर्य चौथे भाव मे पीडित हो और मंगल दसम भाव में हो तो जातक की आंखों में दोष हो सकता है लेकिन उसकी किस्मत कमजोर नहीं होगी। यदि अशुभ सूर्य चतुर्थ भाव में हो साथ ही चंद्रमा पहले या दूसरे भाव में हो और शुक्र पंचम भाव तथा शनि सातवें भाव में हो तो जातक नपुंसक हो सकता है।

उपाय

1) जरतमंद और अंधे लोगों को दान दें और खाना बांटें।ढध्इतझ2) लोहे और लकघी के साथ जुघ व्यापार न करें।ढध्इतझ3) सोने, चांदी और कपघे से सम्बंधित व्यापार, लाभकारी रहेंगे।ढध्इतझ

।। लालकिताब फलकथन ।।

चन्द्र आपके बारहवें भाव में स्थित है:

यह घर चंद्रमा के मित्र बृहस्पति का है। यहाँ स्थित चंद्रमा मंगल और मंगल से संबंधित चीजों परर अच्छा प्रभाव डालता है, लेकिन यह अपने दुश्मन बुध और केतु तथा उनसे संबंधित चीजों को नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए मं गल जिस भाव में बैठा है उससे जुडा व्यापार और चीजें जातक के लिए अत्यधिक लाभकारी रहेंगी। ठीक इसी तरह बुध और केतू जिस घर में बैठे हैं उससे जुडा व्यापार और चीजें जातक के लिए अत्यधिक हानिकारक रहेंगी। बारहवें घर में स्थित चंद्रमा जातक के मन में अप्रत्याशित मुसीबतों और खतरों को लेकर एक साधारण सा डर पैदा करता है। जिससे जातक की नींद और मानसिक शांति भंग होती है। यदि चौथे भाव में स्थित केतू कमजोर और पीडित हो तो जातक के पुत्र और मां पर प्रतिकूल असर पडता है।

उपाय

1) कान में सोना पहनें। दूध में सोना बुझाकर दूध पियें। धार्मिक स्थलों की यात्रा करें। ये उपाय न केवल 12वें भाव के चन्द्र के दुष्प्रभाव को दूर करते बल्कि चौथे भाव के केतू के दुष्प्रभाव को भी दूर करते हैं।
2) धार्मिक साधुसंतों को कभी भी दूध और भोजन न दें।
3) स्कूल, कॉलेज या अन्य कोई शैक्षणिक संस्थान न खोलें और निःशुल्क शिक्षा पाने वाले बच्चों की मदद न करें।

मंगल आपके पांचवें भाव में स्थित है:

पांचवां घर मंगल के नैसर्गिक मित्र सूर्य का घर होता है। इसलिए इस घर में मंगल बहुत अच्छे परिणाम देता है। जातक के पुत्र उसकी प्रसिद्धि और धनार्जन के माध्यम बनते हैं। जातक की समृधि पुत्र प्राप्ति के बाद कई गुना बढ़ जाती है। शुक्र और चंद्रमा का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुएं और रिश्तेदार को हर तरीके से फायदेमंद साबित होंगे। जातक के पूर्वजों में से कोई चिकित्सक या वैद्य रहा होगा। जातक की उम्र के साथ उसकी समृधि भी बढती जाती है। लेकिन विपरीत लिंगी के साथ भावनात्मक लगाव और रोमांस जातक के लिए अत्यधिक विनाशकारी साबित होंगे और जातक की मानसिक शांति और रातों की नीद खराब करने के कारण बनेंगे।

उपाय

1) अपना नैतिक चरित्र अच्छा बनाए रखें।
2) रात को अपने बिस्तर के सिरहने एक बर्तन में पानी रखें और सुबह उसे किसी गमले में डाल दें।
3) अपने पूर्वजों की श्राद्ध करें और घर में एक नीम के पेड़ लगाएं।

|| लालकिताब फलकथन ||

बुध आपके तीसरे भाव में स्थित है:

तीसरे घर में बुध अच्छा नहीं माना जाता। बुध ग्रह, मंगल ग्रह शत्रु है लेकिन मंगल ग्रह बुध से शत्रुता नहीं मानता। इसलिए जातक अपने भाई से लाभ प्राप्त करते हैं, लेकिन वह अपने भाई या दूसरों के लिए फायदेमंद नहीं होगा। इसके नौवें तथा ग्यारहवें घर में दृष्टि प्रभाव के कारण जातक की आय और पिता की हालत पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

उपाय

1) हर रोज फिटकिरी से अपने दाँत साफ करें।
2) पक्षियों की सेवा करें और एक बकरी दान करें।
3) दक्षिण्मुखी घर में न रहें।
4) अस्थमा की दवाएं वितरित करें।

गुरू आपके तीसरे भाव में स्थित है:

तीसरे भाव का बृहस्पति जातक को समझदार और अमीर बनाता है, जातक अपने पूरे जीवन काल में सरकार से निरंतर आय प्राप्त करता रहेगा। नवम भाव में स्थित शनि जातक को दीर्घायु बनाता है। यदि शनि दूसरे भाव में हो तो जातक बहुत चतुर और चालाक होता है। चतुर्थ भाव में स्थित शनि यह इशारा करता है कि जातक का पैसा और धन उसके अपने दोस्तों के द्वारा लूट लिया जाएगा। यदि बृहस्पति तीसरे भाव में किसी पापी ग्रह से पीडित है तो जातक अपने किसी करीबी के कारण बरबाद हो जाएगा और कर्जदार हो जाएगा।

उपाय

1) देवी दुर्गा की पूजा करें और कन्याओं अर्थात छोटी लड़कियों को मिठाई और फल देते हुए उनके पैर छू कर उनका आशीर्वाद लें।
2) चापलूसों से दूर रहें।

।। लालकिताब फलकथन ।।

शुक्र आपके पांचवें भाव में स्थित है:

पांचवां घर सूर्य का पक्का घर है जहां शुक्र सूर्य की गर्मी से जल जाएगा। नतीजन जातक रसिक मिजाज होगा। उसे अपने जीवनकाल में बडे दुर्भाग्य का सामना करना पडेगा। हालांकि, यदि जातक अपने चरित्र को अच्छा बनाए रखता है तो वह जीवन की कठिनाइयों को पार कर जाएगा और धनवान बनेगा। शादी के पांच साल के बाद उसे पदोन्नति मिलेगी। आम तौर पर ऐसा जातक अनुभवी और शत्रुओं को परास्त करने वाला होता है।

उपाय

1) अपने माता पिता की मर्जी के खिलाफ शादी न करें।
2) गायों और माँ के समान स्त्रियों की सेवा करें।
3) विवाहेत्तर संबंधों से बचें।
4) जातक दूध या दही से अपना गुप्तांग साफ करें।

शनि आपके चौथे भाव में स्थित है:

यह भाव चंद्रमा का घर होता है। इसलिए शनि इस भाव में मिलेजुले परिणाम देता है। जातक अपने माता पिता के प्रति समर्पित होगा और प्रेम मुहब्बत से रहने वाला होगा। जब कभी जातक बीमार होगा तो चंद्रमा से संबंधित चीजें फायदेमंद होंगी। जातक के परिवार से कोई व्यक्ति चिकित्सा विभाग से संबंधित होगा। जब शनि इस भाव में नीच का होकर स्थित हो तो शराब पीना, सांप मारना और रात के समय घर की नीव रखना जैसे काम बहुत बुरे परिणाम देते हैं। रात में दूध पीना भी अहितकर है।

उपाय

1) साँप को दूध पिलाएं अथवा दूध चावल किसी गाय या भैंस को खिलाएं।
2) किसी कुएं में दूध डालें और रात में दूध न पियें।
3) चलते पानी में रम डालें।

।। लालकिताब फलकथन ।।

राहू आपके पांचवें भाव में स्थित है:

पांचवां घर सूर्य का होता है जो पुरुष संतान का संकेतक है। यदि राहू शुभ हो तो जातक अमीर, बुद्धिमान और स्वस्थ होता है। वह अच्छी आमदनी और अच्छी प्रगति का आनंद पाता है। जातक भक्त या दार्शनिक होता है। यहां स्थित नीच का राहू संतान में बाधा दिखाता है। पुत्र के जन्म के बाद जातक की पत्नी को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी संभव है। यदि बृहस्पति भी पांचवें भाव में स्थित हो तो जातक के पिता को कष्ट होगा।

उपाय

1) अपने घर में चांदी से बना हाथी रखें।
2) शराब, मांशाहार, अण्डे के सेवन और व्यभिचार से बचें।
3) अपनी जीवनसाथी से ही दो बार शादी करें।

केतु आपके ग्यारहवें भाव में स्थित है:

यहाँ केतु बहुत अच्छा माना जाता है। यह धन देता है। यह घर बृहस्पति और शनि से प्रभावित होता है। यदि केतु यहाँ शुभ हो, और शनि तीसरे घर में हो तो यह बहुत धन देता है, जातक के द्वारा अर्जित धन उसके पैतृक धन से अधिक होगा, लेकिन फिर भी उसे अपने भविष्य के बारे में चिंता करने की आदत होगी। यदि बुध तीसरे भाव में हो तो यह एक राज योग होगा। यदि केतू यहां अशुभ हो तो जातक को पेट की परेशानी होती है। वह भविष्य के बारे में बहुत चिंता करता है, और बहुत परेशान होता है। यदि शनि भी अशुभ हो तो जातक की दादी अथवा माँ परेशान होती है। साथ की जातक को पुत्र या घर से कोई लाभ नहीं होता।

उपाय

1) काला कुत्ता पालें।
2) गोमेद या पन्ना पहनें।

।। रत्न विचार ।।

रत्न क्या हैं?

प्राचीन काल से रत्नों का उपयोग आध्यात्मिक क्रियाकलापों और उपचार के लिए किया जाता रहा है। हालाँकि रत्न कठिनाई से मिलते थे और बहुत सुन्दर होते थे, लेकिन उनके बहुमूल्य होने का प्रमुख कारण पहनने वाले को उनसे हासिल होने वाली शक्तियाँ थीं। रत्न शक्तियों के भण्डार की तरह हैं, जिनका असर स्पर्श के माध्यम से शरीर में जाता है। रत्नों का असर धारण करने वाले पर सकारात्मक या नकारात्मक रूप से हो सकता है – यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें किस तरह उपयोग में लाया जाता है। सभी रत्नों में अलग–अलग परिमाण में चुम्बकीय शक्तियाँ होती हैं, जिनमें से कई उपचार के दृष्टिकोण से हमारे लिए बेहद लाभदायक हैं। ये रत्न ऐसे स्पन्दन पैदा करते हैं, जिनका हमारे पूरे अस्तित्व पर बहुत गहरा असर होता है। आइए, देखें कि आपके लिए रत्न–विचार किस प्रकार है।

आपका जीवन रत्न

जीवन–रत्न लग्न के स्वामी का रत्न है। इस रत्न की रहस्यमयी शक्तियों का अनुभव करने के लिए इसे जीवन भर धारण किया जा सकता है। जीवन रत्न धारण करना सारी बाधाएँ मिटा सकता है और जातक को प्रसन्न, सफल व समृद्ध कर सकता है। सामान्यतः इसे व्यक्ति की सर्वांगीण उन्नति के लिए धारण किया जाता है। इसके ब्रह्माण्डीय तरंगें व्यक्ति के सम्पूर्ण अस्तित्व को प्रभावित करती हैं।

सुझाव

रत्न–सुझाव	हीरा
रत्न की गुणवत्ता	1 रत्ती
धारण करने के नियम	स्वर्ण धातु या चाँदी धातु, मध्यमा अंगुली में
रत्न–धारण का मंत्र	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः

आपका पुण्य–रत्न

जीवन परिश्रम और भाग्य का बढिया सम्मिश्रण है। अपना पुण्य–रत्न धारण करके भाग्य को अपने हित में कार्य करने दें। व्यक्ति का पुण्य–रत्न वह होता है, जो उस व्यक्ति के सौभाग्य को आकर्षित करके उसके जीवन में सुखद आश्चर्य घोलता रहता है। हमारे अनुसार आपका पुण्य–रत्न है –

सुझाव

रत्न–सुझाव	पन्ना
रत्न की गुणवत्ता	1.5 रत्ती
धारण करने के नियम	स्वर्ण धातु, अनामिका अंगुली में या कनिष्ठिका अंगुली में
रत्न–धारण का मंत्र	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

आपका भाग्य–रत्न

भाग्य–रत्न का निर्धारण नवम भाव के स्वामी के आधार पर किया जाता है। जब आपको वाकई भाग्य की आवश्यकता होती है, यह रत्न उस समय नियति को आपके पक्ष में करता है। व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में यह सकारात्मकता प्रवाहित करता है। आपकी समृद्धि के मार्ग में जो भी बाधाएँ हों, भाग्य–रत्न उन्हें दूर करने का कार्य करता है।

सुझाव

रत्न–सुझाव	नीलम
रत्न की गुणवत्ता	2 रत्ती
धारण करने के नियम	स्वर्ण धातु, मध्यमा अंगुली में
रत्न–धारण का मंत्र	ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः

आवश्यक जानकारी

रत्न–धारण करते समय कुछ बातों का सदैव ध्यान रखें। केवल असली रत्न ही खरीदें, क्योंकि नकली रत्न धारण करने से उनका कोई प्रभाव नहीं होता है। साथ ही आपको उस वजन का रत्न धारण करना चाहिए, जिसका सुझाव दिया गया हो। इसे प्रायः "रत्ती" के माध्यम से इंगित किया जाता है। आज–कल बाजार नकली रत्नों से भरे पडे हैं। अपने पाठकों की सहायता के लिए एस्ट्रोकैम्प/ऐस्ट्रोसेज आपके लिए असली रत्नों का संग्रह लाया है।

।। शुभ घड़ी ।।

विवाह के लिए शुभ समय

विवाह जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। कभी–कभी कुछ कारणों की वजह से विवाह में विलंब आते हैं। वहीं वैवाहिक जीवन में भी कुछ परेशानियां आती हैं। इस संबंध में हमने पूरी कोशिश की है कि आपको जन्म कुंडली के आधार पर सटीक जानकारी दी जाये। नीचे दी गई सारणी में सिलसिलेवार तरीके से उल्लेख किया है कि, आपके विवाह और वैवाहिक जीवन के लिए कौन सा समय सबसे अच्छा होगा? साथ ही इन मामलों में आपको कब–कब परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, इसकी जानकारी भी आप ले सकते हैं

18 से 45 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	बृहस्पति	13/ 2/1996	1/12/1996	शुभ
सूर्य	शनि	1/12/1996	13/11/1997	शुभ
सूर्य	बुध	13/11/1997	19/ 9/1998	**सर्वोत्तम**
सूर्य	केतु	19/ 9/1998	25/ 1/1999	शुभ
चंद्र	मंगल	25/11/2000	25/ 6/2001	शुभ
चंद्र	राहु	25/ 6/2001	25/12/2002	शुभ
चंद्र	बृहस्पति	25/12/2002	25/ 4/2004	शुभ
चंद्र	शनि	25/ 4/2004	25/11/2005	शुभ
चंद्र	बुध	25/11/2005	25/ 4/2007	**उत्तम**
चंद्र	केतु	25/ 4/2007	25/11/2007	शुभ
चंद्र	सूर्य	25/ 7/2009	25/ 1/2010	**सर्वोत्तम**
मंगल	मंगल	25/ 1/2010	22/ 6/2010	शुभ
मंगल	राहु	22/ 6/2010	10/ 7/2011	शुभ
मंगल	बृहस्पति	10/ 7/2011	16/ 6/2012	शुभ
मंगल	शनि	16/ 6/2012	25/ 7/2013	शुभ
मंगल	बुध	25/ 7/2013	22/ 7/2014	**सर्वोत्तम**
मंगल	केतु	22/ 7/2014	19/12/2014	शुभ

मंगल	सूर्य	19/ 2/2016	25/ 6/2016	**उत्तम**
राहु	राहु	25/ 1/2017	7/10/2019	शुभ
राहु	बृहस्पति	7/10/2019	1/ 3/2022	शुभ
राहु	शनि	1/ 3/2022	7/ 1/2025	शुभ

।। शुभ घड़ी ।।

करियर के लिए शुभ समय

करियर को लेकर हर व्यक्ति की एक महत्वाकांक्षा होती है।

जीवन में हर कोई आगे बढ़ना चाहता है और कुछ करना चाहता है, लेकिन जीवन में कभी–कभी कुछ ऐसे मोड़ आते हैं जब करियर के क्षेत्र में परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर कभी ऐसा संयोग भी बनता है जब हमें करियर के क्षेत्र में तरक्की भी मिलती है। हमारा प्रयास है कि आपकी जन्म कुंडली के आधार पर आपकी करियर लाइफ का सटीक विश्लेषण करें। इस टेबल के जरिए आप जान सकते हैं आपके करियर का बेहतर और कठिन समय

18 से 65 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	बृहस्पति	13/ 2/1996	1/12/1996	**सर्वोत्तम**
सूर्य	शनि	1/12/1996	13/11/1997	शुभ
सूर्य	बुध	13/11/1997	19/ 9/1998	शुभ
सूर्य	केतु	19/ 9/1998	25/ 1/1999	**उत्तम**
सूर्य	शुक्र	25/ 1/1999	25/ 1/2000	शुभ
चंद्र	राहु	25/ 6/2001	25/12/2002	शुभ
चंद्र	बृहस्पति	25/12/2002	25/ 4/2004	शुभ
चंद्र	शनि	25/ 4/2004	25/11/2005	**उत्तम**
चंद्र	बुध	25/11/2005	25/ 4/2007	शुभ
चंद्र	केतु	25/ 4/2007	25/11/2007	शुभ
चंद्र	शुक्र	25/11/2007	25/ 7/2009	शुभ
चंद्र	सूर्य	25/ 7/2009	25/ 1/2010	**सर्वोत्तम**
मंगल	बृहस्पति	10/ 7/2011	16/ 6/2012	**सर्वोत्तम**
मंगल	शनि	16/ 6/2012	25/ 7/2013	शुभ
मंगल	बुध	25/ 7/2013	22/ 7/2014	शुभ
मंगल	केतु	22/ 7/2014	19/12/2014	शुभ
मंगल	शुक्र	19/12/2014	19/ 2/2016	शुभ

मंगल	सूर्य	19/ 2/2016	25/ 6/2016	**उत्तम**
मंगल	चंद्र	25/ 6/2016	25/ 1/2017	शुभ
राहु	बृहस्पति	7/10/2019	1/ 3/2022	**उत्तम**
राहु	शनि	1/ 3/2022	7/ 1/2025	शुभ
राहु	बुध	7/ 1/2025	25/ 7/2027	शुभ
राहु	केतु	25/ 7/2027	13/ 8/2028	**सर्वोत्तम**
राहु	सूर्य	13/ 8/2031	7/ 7/2032	शुभ
राहु	चंद्र	7/ 7/2032	7/ 1/2034	शुभ
राहु	मंगल	7/ 1/2034	25/ 1/2035	शुभ
बृहस्पति	बृहस्पति	25/ 1/2035	13/ 3/2037	शुभ
बृहस्पति	शनि	13/ 3/2037	25/ 9/2039	**सर्वोत्तम**
बृहस्पति	बुध	25/ 9/2039	1/ 1/2042	शुभ
बृहस्पति	केतु	1/ 1/2042	7/12/2042	**उत्तम**

।। शुभ घड़ी ।।

व्यापार के लिए शुभ अवधि

व्यापार में वृद्धि और जीवन में समृद्धि हर व्यक्ति की इच्छा होती है। जहां व्यापार में सफलता हमें उन्नति के शिखर पर लेकर जाती है, वहीं दूसरी ओर कई बार व्यापार में मिलने वाली असफलता से आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है। हर व्यक्ति अपने व्यापार को बढ़ाना चाहता है और जीवन में आर्थिक रूप से समृद्ध होना चाहता है। नीचे दी गई तालिका में हमने प्रयास किया है कि आपको व्यापार के बारे में शुभ और चुनौतिपूर्ण समय की जानकारी दे सकें। जिसके द्वारा आप अपने व्यापार को एक नई दिशा दे सकें

18 से 65 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	बृहस्पति	13/ 2/1996	1/12/1996	**सर्वोत्तम**
सूर्य	शनि	1/12/1996	13/11/1997	शुभ
सूर्य	बुध	13/11/1997	19/ 9/1998	शुभ
सूर्य	केतु	19/ 9/1998	25/ 1/1999	**उत्तम**
चंद्र	मंगल	25/11/2000	25/ 6/2001	शुभ
चंद्र	राहु	25/ 6/2001	25/12/2002	शुभ
चंद्र	बृहस्पति	25/12/2002	25/ 4/2004	शुभ
चंद्र	शनि	25/ 4/2004	25/11/2005	**उत्तम**
चंद्र	बुध	25/11/2005	25/ 4/2007	शुभ
चंद्र	केतु	25/ 4/2007	25/11/2007	शुभ
चंद्र	सूर्य	25/ 7/2009	25/ 1/2010	**सर्वोत्तम**
मंगल	मंगल	25/ 1/2010	22/ 6/2010	शुभ
मंगल	राहु	22/ 6/2010	10/ 7/2011	शुभ
मंगल	बृहस्पति	10/ 7/2011	16/ 6/2012	**सर्वोत्तम**
मंगल	शनि	16/ 6/2012	25/ 7/2013	शुभ
मंगल	बुध	25/ 7/2013	22/ 7/2014	शुभ
मंगल	केतु	22/ 7/2014	19/12/2014	शुभ

मंगल	सूर्य	19/ 2/2016	25/ 6/2016	**उत्तम**
राहु	राहु	25/ 1/2017	7/10/2019	शुभ
राहु	बृहस्पति	7/10/2019	1/ 3/2022	**उत्तम**
राहु	शनि	1/ 3/2022	7/ 1/2025	शुभ
राहु	बुध	7/ 1/2025	25/ 7/2027	शुभ
राहु	केतु	25/ 7/2027	13/ 8/2028	**सर्वोत्तम**
राहु	सूर्य	13/ 8/2031	7/ 7/2032	शुभ
राहु	मंगल	7/ 1/2034	25/ 1/2035	शुभ
बृहस्पति	बृहस्पति	25/ 1/2035	13/ 3/2037	शुभ
बृहस्पति	शनि	13/ 3/2037	25/ 9/2039	**सर्वोत्तम**
बृहस्पति	बुध	25/ 9/2039	1/ 1/2042	शुभ
बृहस्पति	केतु	1/ 1/2042	7/12/2042	**उत्तम**

।। शुभ घड़ी ।।

गृह निर्माण के लिए शुभ अवधि

जीवन में अपना घर हर किसी का सपना होता है। हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसके पास एक अच्छा घर और खुशहाल जीवन हो। इसके लिए हर व्यक्ति अपने स्तर पर भरपूर प्रयास करता है। हालांकि अपने इस सपने को पूरा करने में कुछ लोग जल्दी सफल हो जाते हैं और कुछ लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। नीचे दी गई सारणी के माध्यम से आप जान सकते हैं कि, कौन सा समय आपके गृह निर्माण के लिए उपयुक्त रहेगा

18 से 75 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	बृहस्पति	13/ 2/1996	1/12/1996	शुभ
सूर्य	शनि	1/12/1996	13/11/1997	शुभ
सूर्य	केतु	19/ 9/1998	25/ 1/1999	शुभ
सूर्य	शुक्र	25/ 1/1999	25/ 1/2000	शुभ
चंद्र	मंगल	25/11/2000	25/ 6/2001	**उत्तम**
चंद्र	राहु	25/ 6/2001	25/12/2002	शुभ
चंद्र	बृहस्पति	25/12/2002	25/ 4/2004	शुभ
चंद्र	शनि	25/ 4/2004	25/11/2005	शुभ
चंद्र	केतु	25/ 4/2007	25/11/2007	शुभ
चंद्र	शुक्र	25/11/2007	25/ 7/2009	शुभ
चंद्र	सूर्य	25/ 7/2009	25/ 1/2010	**सर्वोत्तम**
मंगल	मंगल	25/ 1/2010	22/ 6/2010	शुभ
मंगल	राहु	22/ 6/2010	10/ 7/2011	शुभ
मंगल	बृहस्पति	10/ 7/2011	16/ 6/2012	शुभ
मंगल	शनि	16/ 6/2012	25/ 7/2013	**उत्तम**
मंगल	केतु	22/ 7/2014	19/12/2014	शुभ
मंगल	सूर्य	19/ 2/2016	25/ 6/2016	**सर्वोत्तम**
मंगल	चंद्र	25/ 6/2016	25/ 1/2017	शुभ

राहु	राहु	25/ 1/2017	7/10/2019	शुभ
राहु	बृहस्पति	7/10/2019	1/ 3/2022	शुभ
राहु	शनि	1/ 3/2022	7/ 1/2025	शुभ
राहु	केतु	25/ 7/2027	13/ 8/2028	शुभ
राहु	सूर्य	13/ 8/2031	7/ 7/2032	**सर्वोत्तम**
राहु	चंद्र	7/ 7/2032	7/ 1/2034	शुभ
राहु	मंगल	7/ 1/2034	25/ 1/2035	**उत्तम**
बृहस्पति	बृहस्पति	25/ 1/2035	13/ 3/2037	शुभ
बृहस्पति	शनि	13/ 3/2037	25/ 9/2039	शुभ
बृहस्पति	केतु	1/ 1/2042	7/12/2042	शुभ
बृहस्पति	सूर्य	7/ 8/2045	25/ 5/2046	**सर्वोत्तम**
बृहस्पति	चंद्र	25/ 5/2046	25/ 9/2047	शुभ
बृहस्पति	मंगल	25/ 9/2047	1/ 9/2048	शुभ
बृहस्पति	राहु	1/ 9/2048	25/ 1/2051	**उत्तम**
शनि	शनि	25/ 1/2051	28/ 1/2054	**उत्तम**

।। उपाय ।।

ज्योतिष में नौ ग्रह हैं जिनकी अपनी अलग–अलग प्रकृति है। ये ग्रह हमारी राशि के अनुसार हमें कभी सकारात्मक तो कभी नकारात्मक परिणाम देते हैं। ग्रहों के नकारात्मक प्रभाव को दूर करने के लिए ज्योतिषीय उपाय का बड़ा महत्व है। ऐसा करने पर न केवल ग्रहों के बुरे प्रभाव दूर होते हैं बल्कि जातक को ग्रहों से शुभ फल भी प्राप्त होते हैं। यदि आप बीमार पड़ते हैं तो चिकित्सक के पास जाते हैं। अब चिकित्सक आपके रोग को पहचानने के लिए पहले जाँच–पड़ताल करता है और उसके बाद वह आपको दवा देता है ताकि आप रोग मुक्त हो सकें। ठीक उसी प्रकार एक ज्योतिषी आपकी जन्म कुंडली को देखकर आपकी समस्या का निदान हेतु आपको उन ग्रहों से संबंधित उपाय करने की सलाह देता है। जब आप उन उपायों को करते हैं तब जाकर आपकी समस्याओं का निदान होता है।

वेश–भूषा एवं जीवन शैली

हमारे जीवन में बड़े ही विचित्र रूप से ग्रहों का प्रभाव पड़ता है। जब हमारे जीवन में किसी विशेष ग्रह की दशा की शुरुआत होती है तो हमारे आसपास उस ग्रह से संबंधित घटनाएँ घटने लगती हैं। प्रत्येक ग्रह का किसी न किसी रंग/वस्तुओं से संबंध होता है। ज्योतिष के अनुसार यदि कोई ग्रह आपके लिए शुभ फलदायी है तो आपको उस ग्रह से संबंधित वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए परंतु यदि वह ग्रह आपके लिए कष्टकारी है तो आपको उस ग्रह से संबंधित चीजों से परहेज अथवा उन्हे दान करना चाहिए।

यहाँ ग्रह एवं उनसे संबंधित रंग तथा क्रियाओं को बताया जा रहा हैः –

चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। प्रियतम एवं अन्य महिलाओं का सम्मान करें। यदि आप पुरुष हैं तो अपनी पत्नी का आदर करें। कलात्मक क्रियाओं का विकास करें, चरित्रवान बनें।

सुबह के लिए प्रार्थना

ईश्वर से आत्मीय संपर्क बनाने के लिए प्रार्थना को सबसे बेहतर माध्यम माना गया है। प्रार्थना में हम भगवान से अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों से लड़ने के लिए साहस एवं शक्ति अथवा इच्छापूर्ति के लिए कामना करते हैं। हिन्दू धर्म में प्रत्येक ग्रह को ईश्वर के स्वरूप माना गया है इसलिए किसी विशेष ग्रह से शुभ फल पाने के लिए हम उससे संबंधित देवी/देवताओं की प्रार्थना करते हैं।

माँ लक्ष्मी अथवा जगदम्बे माँ की पूजा करें।
भगवान परशुराम की आराधना करें।
श्री सूक्त का पाठ करें।

व्रत

आध्यातमिक दृष्टिकोण से व्रत धारण कर हम अपने ईश्वर की उपासना करते हैं। जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से भी उपवास रखना हमारे स्वस्थ्य शरीर के लिए बहुत अच्छा है। इससे हमारे शरीर का आतंरिक एवं बाह्य भाग शुद्ध होता है। इसके

अलावा यह हमारी इच्छा शक्ति को भी मजबूत बनाता है। जीवन को स्वस्थ्य बनाने एवं ग्रहों का आशीर्वाद पाने हेतु यहाँ ग्रहों से संबंधित व्रत धारण करने का दिन बताया जा रहा हैः–

शुक्र ग्रह का शुभ आशीष पाने के लिए शुक्रवार के दिन उपवास रखें।

दान

वैदिक ज्योतिष के अनुसार ग्रहों के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए दान करना शुभ माना जाता है। हालाँकि दान करते समय मन में किसी बात का लालच नहीं रहना चाहिए और पूरी श्रद्धा के साथ दान की प्रक्रिया पूर्ण की जानी चाहिए। ध्यान रखें, दान हमेशा जरुरतमंद लोगों को करें। ज्योतिष के अनुसार जिस ग्रह से संबंधित आप दान कर रहे हैं उस ग्रह से आपको शुभ परिणामों की प्रापति होगी और यदि उस ग्रह से आपको कष्टकारी परिणाम मिल रहे हैं तो उससे संबंधित चीजें दान करने से आपके कष्ट दूर हो जाएंगे। यहाँ नीचे ग्रह एवं उनसे संबंधित दान की जाने वस्तुओं एवं दान विधि बतायी जा रही हैः–

शुक्र ग्रह से संबंधित वस्तुओं को शुक्रवार के दिन शुक्र की होरा एवं इसके नक्षत्रों (भरानी, पूर्व फाल्गुनी, पूर्व षाढ़ा) के समय दान करना चाहिए।

दान करने वाली वस्तुएँ– दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग–बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि।

जड़ी

ग्रहों से संबंधित जडयिँ हमारे लिए बहुत ही लाभकारी होती हैं। ये हमारे जीवन में ग्रहों के प्रभाव को नियंत्रण में रखती हैं। यदि आप वैदिक ज्योतिष के अनुसार किसी विशेष ग्रह से संबंधित जड़ी धारण करते हैं तो उस ग्रह के बुरे प्रभाव आपके जीवन पर नहीं पड़ेंगे और आपको उस ग्रह से शुभ परिणामों की प्रापति होगी।

शुक्र ग्रह का आशीर्वाद पाने के लिए अरंड मूल अथवा सरपंखा मूल धारण करें। अरंड मूल/सरपंखा मूल को शुक्रवार के दिन शुक्र की होरा अथवा शुक्र के नक्षत्र में धारण किया जा सकता है।

रुद्राक्ष

ऐसा माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव की आँखों के जलबिन्दुओं से हुई है। रुद्राक्ष हमारी ऊर्जा एवं आध्यात्म शक्ति को बढ़ाता है। इसके साथ ही यह हमारे जीवन में सुख–शांति एवं समृद्धि लाता है। इसके प्रभाव से हमारे जीवन में आने वाली सारी चुनौतियाँ दूर हो जाती हैं। साथ ही हमारे स्वास्थ्य जीवन के लिए यह बेहद कारगर होता है। यदि आप इसको धारण करते हैं तो आपको भगवान शिव की अनुकम्पा प्राप्त होती है। प्रत्येक ग्रह की अपनी–अपनी विशेषताएँ हैं इसलिए सभी ग्रहों के लिए अलग–अलग रुद्राक्ष निर्धारित किए गए हैं।

7 मुखी रुद्राक्ष
सात मुखी रुद्राक्ष धारण करने हेतु मंत्रः

ऊँ हूं नमः।
ऊँ ह्रां क्रीं ह्रीं सौं।।

यंत्र

ज्योतिष में मंत्रों की भांति यंत्रों का प्रयोग कुंडली में स्थित दोषों को दूर करने के लिए किया जाता है। इसके साथ ही इनका प्रयोग किसी विशेष ग्रह, देवी, देवताओं से शुभ फल की प्राप्ति के लिए करते हैं। इसको भोजपत्र, कागज अथवा किसी सतह पर एक सममितीय ढांचे के द्वारा दर्शाया जाता है। इन यंत्रों में अलौकिक शक्तियाँ समाहित होती हैं। वैसे तो इन यंत्रों को आप अपने हाथों से बना सकते हैं। इसके अलावा आप इसे बाजार से खरीद सकते है।

यदि आप ग्रहों के यंत्रों को अपने हाथों से बनाना चाहते हैं तो आपको निम्न वस्तुओं की आवश्यकता होगीः

1) अनार के वृक्ष की टहनीय जो एक छोर से पेन की तरह से कलम की गई हो।
2) अष्टगंधय यह आठ प्रकार की वस्तुओं को मिश्रण है।
3) भोज पत्र के छोटे–छोटे टुकड़े।
4) गंगा जल।
5) तांबे से बनी ताबीज। यह नीचे दिए गए चित्र के आकार की हो।

मुहूर्तः यंत्र को विशेष मुहूर्त में तैयार किया जाता है इसलिए हर एक ग्रह का भी अपना विशेष मुहूर्त होता है।

प्रक्रियाः एक चुटकी अष्टगंध लें इसमें गंगा जल की कुछ बूँदे डालकर इसकी स्याही बनाए। अब अनार की शाखा से निर्मित कलम से भोज पत्र के टुकड़ों पर ग्रहों से संबंधित यंत्र का चित्र बनाएँ और इसे सूखने दें। अब सूखे हुए यंत्र को अच्छी तरह से मोड़कर अपनी ताबीज में डालें। आप इस ताबीज को पीले अथवा लाल धागे में डालकर अपने गले अथवा दाहिनी भुजा में पहन सकते हैं। इस यंत्र को बनाते एवं धारण करते समय संबंधित ग्रह का मंत्र अवश्य उच्चारण करें।

शुक्र ग्रह के लाभ पाने के लिए शुक्र यंत्र को शुक्रवार को शुक्र की होरा एवं शुक्र के नक्षत्र के समय धारण करें।

11	6	13
12	10	8
7	14	9

मंत्र

प्राचीन काल से ही वैदिक ज्योतिष में मंत्रों का बड़ा महत्व है। मंत्र का सही उच्चारण करने पर वातावरण में एक प्रकार की सकारात्मक ऊर्जा बहती है। यदि जातक किसी विशेष ग्रह अथवा देवी, देवताओं से संबंधित मंत्र का जाप करता है तो उसकी मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं। नीचे सभी नौ ग्रहों के मंत्रों को बताया जा रहा है–

शुक्र ग्रह को प्रसन्न करने के लिए आपको शुक्र बीज मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। मंत्र– ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।

इस मंत्र को कम से कम 16000 बार उच्चारण करना चाहिए और देश–काल–पात्र सिद्धांत के अनुसार कलयुग में इस मंत्र को 64000 बार जपने के लिए कहा गया है।

आप इस मंत्र का भी जाप कर सकते हैं – ऊँ शुं शुक्राय नमः।

|| वर्षफल विवरण 2018 ||

जन्म		वर्ष
Female	लिंग	Female
23 / 08 / 1978	जन्म दिनांक	24 / 08 / 2018
23:53:18	जन्म समय	5:59:58
बुधवार	जन्म दिन	शुक्रवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23 : 32 : 10	स्थानीय औसत समय	05 : 38 : 49
05 : 54 : 14	सूर्योदय	05 : 55 : 00
18 : 53 : 28	सूर्यास्त	18 : 52 : 08
वृषभ	लग्न	सिंह
शुक्र	लग्नस्वामी	सूर्य
मेष	राशि	मकर
मंगल	राशि स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	उ0षाढा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
वृद्धि	योग	सौभाग्य
वणिज	करण	तैतिल
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023–33–30	अयनांश	024–07–01
लाहिरी	अयनांश नाम	लाहिरी

ताजिक वर्षफल कुण्डली

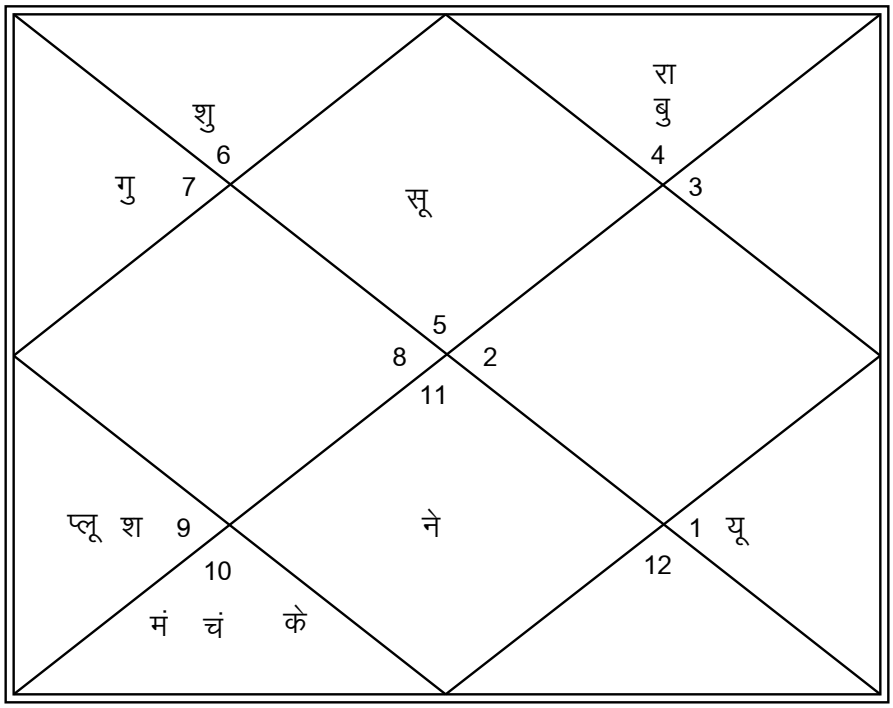

|| वर्षफल विवरण 2018 – 2019 ||

मुन्थाः 2 भाव

आकस्मिक धन प्राप्ति का योग है। यह धन लॉटरी, शेयर में सट्टेबाजी आदि माध्यमों से प्राप्त हो सकता है। विभिन्न व्यवसायिक सौदों से आप अधिक धन प्राप्त करने में सक्षम होंगे। पुराने घर की खरीद बिी से भी आपको धन मिलेगा। मान सम्मान की प्राप्ति होगी, बेहतर भोजन का आनंद लेंगे और प्रशासनिक सहयोग प्राप्त करेंगे।

जून 18, 2019 – जुलाई 03, 2019 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

इस समय अवधि में धन संबंधी मामलों में अच्छे फल मिलने की संभावना है। नौकरी और व्यवसाय में धन लाभ के लिए आपकी ओर से किये जाने वाले प्रयास सफल होंगे और यदि आप काफी समय से प्रयास करते आ रहे हैं, तो इस अवधि में आपको अपने परिश्रम का फल धन लाभ के रूप में मिलेगा।

करियर

बिजनेस और जॉब में आप पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। याद रखें आपकी इस ईमानदारी का फल आपको मिलेगा लेकिन थोड़ा धैर्य रखें और धीरे–धीरे आगे बढ़ते रहें। काम के सिलसिले में होने वाली यात्राएं आपके लिए सफलता के द्वार खोलेंगी। इस दौरान आपकी मुलाकात प्रतिष्ठित लोगों से होगी, चूंकि मेलजोल बढ़ने से संबंध बनते हैं और नए अवसर प्राप्त होते हैं, इसलिए नये लोगों के साथ होने वाली इन मुलाकातों से आपको करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सामान्य गति से चलता रहेगा, हालांकि परिवार में शांति और सद्भाव बना रहे इसके लिए थोड़ा धैर्य से काम लें। इस अवधि में पिता के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे और उनकी सलाह से आपको लाभ होगा। पिता हर परिस्थिति में आपके साथ खड़े रहेंगे और आपका मार्गदर्शन करेंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। आप दोनों के बीच अच्छा तालमेल दिखाई देगा। साथी आपकी भावनाओं की कद्र करेगा। हालांकि छोटी–मोटी तकरार भी देखने को मिल सकती है। लाइफ पार्टनर की सेहत का ख्याल करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में छोटे–मोटे स्वास्थ्य संबंधी विकार हो सकते हैं लेकिन यह समस्याएं कुछ समय तक ही रहेंगी। इसके अलावा परिजनों की खराब सेहत भी आपकी चंता का कारण बन सकती है। ऐसे में अपनी और परिजनों की सेहत को लेकर लापरवाही ना करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- सभी के प्रति समभाव रखें।
- परोपकार की भावना विकसित करें।

क्या न करें

- अपने अहंकार का पूर्ण रुप से त्याग करें।
- स्वार्थपरता की भावना से दूर रहें।

उपाय

- प्रत्येक रविवार तांबे की कोई वस्तु दान करें।
- रात को सोते समय सिरहाने तांबे के पात्र में जल रखकर प्रातः काल उसे किसी लाल पुष्प वाले पौधे में चढ़ाएं।

जुलाई 03, 2019 – अगस्त 02, 2019 दशा चन्द्र

आर्थिक जीवन

आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आमदनी की तुलना में खर्च अचानक से बढ़ने से आपका बजट गड़बड़ा सकता है। आपका धन कुछ अवांछित कार्यों में भी व्यय हो सकता है, इसलिए इस अवधि में धन से जुड़े मामलों में समझदारी और संयम के साथ काम लेना बेहतर होगा।

करियर

चंद्रमा का षष्ठम भाव में स्थित होना सामान्यतः शुभ नहीं माना गया है, अतः इस अवधि में आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके फलस्वरूप नौकरी और व्यवसाय में उम्मीद के अनुसार सफलता नहीं मिल पाएगी। आपको मनोवांछित सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और संघर्ष करना होगा। विरोधी पक्ष पर हावी होने की कोशिश करेगा। इस दौरान कुछ लोग आपकी छवि को हानि पहुंचा सकते हैं, इसलिए सावधान रहें। बेहतर होगा कि, कार्यस्थल पर सहकर्मी और अधिकारियों के साथ किसी भी विवाद से बचें और उनके साथ तालमेल बनाकर चलें। चंद्रमा का षष्ठम भाव में स्थित होना आपकी नौकरी में परिवर्तन के संकेत को दर्शाता है। इस समय में जल्दबाजी या हड़बड़ी से काम लेने से बचें वरना एक गलत फैसला आप पर भारी पड़ सकता है।

पारिवारिक जीवन

चूंकि चंद्रमा मॉ का कारक होता है और इसके षष्ठम भाव में स्थित होने की वजह से आपको अपनी मॉ से बेहतर संबंध बनाकर चलना होगा। चंद्रमा की यह स्थिति आपके बच्चों को अनुकूल परिणाम दे सकती है। इस अवधि में आपके बच्चे उन्नति कर सकते हैं। आपके पिता के लिए भी यह स्थित शुभ परिणाम देगी और उन्हें किसी बड़े पद पर प्रतिष्ठित कराएगी।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

लव लाइफ के लिए अच्छा समय है लेकिन प्रियतम और आपके विचारों में मतभेद से परेशानी हो सकती है। वहीं यदि आप

विवाहित हैं तो जीवनसाथी से भी मतभेद की संभावना है या फिर आप दोनों में से किसी एक का स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि विवाद की स्थिति में संयम के साथ काम लें और बातचीत के जरिये मामले का हल निकालने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको आंख या पेट से संबंधित कोई परेशानियां हो सकती हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं इस अवधि में आपकी चंता बढ़ा सकती है। परिवार में किसी व्यक्ति की सेहत खराब हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने कर्ज को चुकाने का पूरा प्रयास करें।
- अपने मामा अथवा मौसी से बनाकर रखें।

क्या न करें

- किसी से उधार अथवा कर्ज न लें।
- महिलाओं के प्रति अपमानजनक शब्द न बोलें।

उपाय

- चाँदी के बर्तनों का प्रयोग करें।
- अपनी माता की यथा संभव सेवा करें।

अगस्त 02, 2019 – अगस्त 24, 2019 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

इस दौरान आपको उच्च लाभ प्राप्त होने की प्रबल संभावना रहेगी। आपके खर्चों में कुछ अधिकता हो सकती है, जबकि आमदनी स्थिर रहेगी। हालाँकि किसी विवाद में सफलता मिलने के कारण धन लाभ हो सकता है। बैंको से लोन मिल सकता है। धन का खर्च सोच–समझकर करें। अकारण धन खर्च करने से आपके सामने आर्थिक संकट की समस्या पैदा हो सकती है।

करियर

करियर में आपको लाभ मिलेगा और नौकरी में परिस्थितियाँ अनुकूल नजर आएंगी। आप में से कई जातक पैतृक व्यवसाय की अपेक्षा नौकरी को ज्यादा महत्व देंगे। राह में आ रही अड़चनें दूर होंगी। मेहनत के कारण आपको अच्छे फलों की प्राप्ति होगी। अपने शत्रुओं को आप आसानी से पराजित करेंगे।

पारिवारिक जीवन

वहीं पारिवारिक जीवन की बात करें तो, इसमें आपको मिले जुले परिणाम प्राप्त होंगे। मंगल के प्रभाव के कारण छोटे भाई–बहनों को किसी प्रकार के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। समाज में पिताजी की प्रतिष्ठा, मान–सम्मान में वृद्धि होगी और वे एक शक्तिशाली शख्सियत के रूप में उभरेंगे। उन्हें किसी उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है। अपनी सेहत का ख्याल रखें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यदि आप विवाहित हैं तो संतान की वाणी में कड़वापन नजर आ सकती है। प्रेम तथा वैवाहिक जीवन में कुछ कमी आ सकती है। प्रियतम अथवा जीवनसाथी से लड़ाई झगड़े होने की संभावना है। इस समय अपने गुस्से पर काबू रखें और पार्टनर से बहसबाजी करने से बचें। रिश्ते को मधुर बनाए रखने के लिए साथी की भावनाओं को समझें और बातचीत के माध्यम से अपनी बातों को भी समझाने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। इस समय कुछ बातों को लेकर आपको सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी। जैसे– आपको बुरी संगति से दूरी बनाए रखनी होगी और वाहन चलाते समय भी पूर्ण सावधानी बरतने की आवश्यकता है। अपने क्रोध और खर्चों पर नियंत्रण रखें। इस समय आपको फोड़े फुंसी की शिकायत हो सकती है। आग से भी दूरी बनाएं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- गाड़ी बेहद सावधानी से चलाएं।
- सफलता प्राप्ति के लिए धैर्य बनाए रखें।

क्या न करें

- अपनी कोई गुप्त योजना किसी से साझा ना करें।
- ज्यादा मसालेदार तथा गरम प्रकृति की वस्तुओं का सेवन ना करें।

उपाय

- हनुमान मंदिर में हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- अपने घर की छत पर सबसे ऊंचे स्थान पर लाल रंग का झंडा लगाएं।

|| वर्षफल विवरण 2019 ||

जन्म		वर्ष
Female	लिंग	Female
23 / 08 / 1978	जन्म दिनांक	24 / 08 / 2019
23:53:18	जन्म समय	12:9:8
ॅमकदमेकंल	जन्म दिन	ॅजनतकंल
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23 : 32 : 10	स्थानीय औसत समय	11 : 48 : 00
05 : 54 : 14	सूर्योदय	05 : 54 : 52
18 : 53 : 28	सूर्यास्त	18 : 52 : 23
ज्ंतने	लग्न	स्पइतं
टम्छ	लग्नस्वामी	टम्छ
।तपमे	राशि	ज्ंतने
ड ।त	राशि स्वामी	टम्छ
ठभ ।त ।छप	नक्षत्र	त्वम्छप
टम्छ	नक्षत्र स्वामी	डव्छ
टत्प्क्वम्प	योग	टल ।ळभ ।ज।
ट ।छप्श्र	करण	ज्म्ज्प्स
टपतहव	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	टपतहव
023–33–30	अयनांश	024–07–51
लाहिरी	अयनांश नाम	लाहिरी

ताजिक वर्षफल कुण्डली

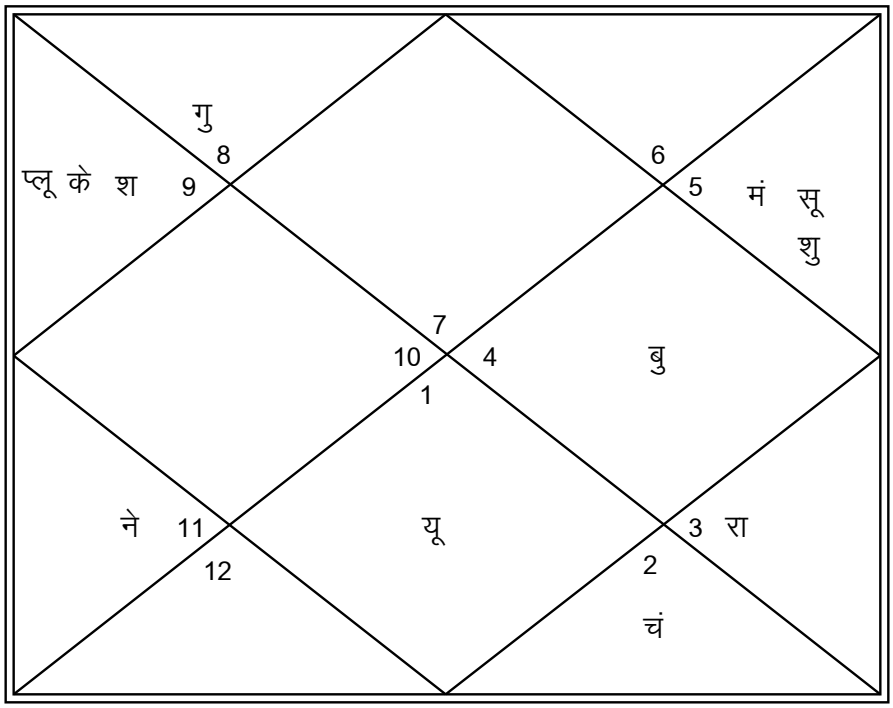

|| वर्षफल विवरण 2019 – 2020 ||

मुन्थाः 1 भाव

यह एक अनुकूल स्थिति है। आपको बेहतर कॅरिअर संभावनाएं और चतुर्मुख उन्नति के अवसर मिलेंगे। अपने विरोधियों को परास्त करने में आप सक्षम होंगे। आपका मान बढ़ेगा। आपको बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त होगा और आर्थिक दृष्टि से आप अधिक समृद्ध होंगे।

अगस्त 24, 2019 – अक्टूबर 12, 2019 दशा गुरू

आर्थिक जीवन

दूसरे भाव में गुरु आपकी आय में वृद्धि करेगा। पैतृक संपत्ति में वृद्धि होने के शुभ संकेत हैं। आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। लेकिन आपकी आर्थिक स्थिति में समय समय पर कुछ उतार चढ़ाव भी सम्भव है। मित्र और सहयोगी आपके लिए काफी सहायक सिद्ध होंगे। यात्राएं शुभ फल देंगी।

करियर

आपकी संवाद शैली प्रभावी और प्रिय रहेगी। आपकी वाणी में स्नेह का भाव नजर आएगा और लोग आपकी बातों से मंत्र मुग्ध हो सकते हैं। आप अपने बुद्धि विवेक के कारण उच्च पद पर आसीन हो सकते हैं। अपने शत्रुओं पर आप आसानी से विजय प्राप्त करेंगे। नई भाषा को सीखने में आप खासी रुचि दिखाएंगे। वहीं अन्याय के प्रति आप अपनी आवाज को बुलंद कर सकते हैं। अपने करियर में आपको उन्नति करेंगे।

पारिवारिक जीवन

अपने परिजनों और दूसरे लोगों की भलाई आपकी प्राथमिकता होगी। यदि इस संबंध आपका धन भी खर्च होता है तो आप हिचकिचाएंगे नहीं। इस अवधि में आप जन प्रिय होंगे। समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। परिवार के सदस्यों की संख्या में वृद्धि की संभावना है। घर में कोई शुभ कार्य अथवा मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। पारिवारिक जीवन में सुख–शांति का वातावरण देखने को मिल सकता है। हालांकि यदाकदा परेशानियां भी आ सकती हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम–प्रसंग के मामलों में अच्छे क्षण आएंगे। प्रेमी के साथ आप अच्छे पल व्यतीत करेंगे। वहीं यदि आप विवाहित हैं तो आपके जीवन साथी को मानसिक तनाव रह सकता है। इसका असर आपके वैवाहिक रिश्ते पर भी पड़ सकता है इसलिए जीवनसाथी की सेहत का ख्याल रखें।

स्वास्थ्य

बृहस्पति की यह स्थिति आपको स्वास्थ्य संबंधी पीड़ा भी दे सकती है। बृहस्पति वसा का कारक होता है इसलिए आप मोटापे या चर्बी बढ़ने की समस्या से ग्रसित रह सकते हैं। वजन नियंत्रित रखने के लिए इस अवधि में नियमित व्यायाम और सैर करें, साथ ही संतुलित आहार लें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन करें।
- इंद्रिय जनित सुख के प्रति स्वयं को नियंत्रण में रखें।

क्या न करें

- अत्यधिक मीठा खाने से बचें।
- बृहस्पतिवार के दिन किसी को भी कपड़े दान अथवा भेंट में ना दें।

उपाय

- प्रत्येक गुरुवार केसर का तिलक लगाएं।
- पीपल के वृक्ष को गुरुवार और शनिवार को जल चढ़ाएं।

अक्टूबर 12, 2019 – दिसम्बर 08, 2019 दशा शनि

आर्थिक जीवन

इस समय आपका आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। सामान्य रूप से आपके पास धन आएगा। कुछ बड़े बदलाव के आसार नहीं है। हालांकि अचानक आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। कुछ आवश्यकता पड़ने पर आपका धन खर्च होगा, इसलिए धन की बचत पर भी ध्यान अवश्य दें।

करियर

नौकरी व्यापार या व्यवसाय में उत्साहवर्धक परिणाम सामने आएंगे। करियर में की गई मेहनत से आपको अच्छे फल प्राप्त होंगे। किसी अच्छे संस्थान में नौकरी लगने के योग हैं। इसके अलावा आपको नए उद्यमों या व्यवसायों में प्रवेश करने का मौका मिलेगा और यह आपका अच्छा अनुभव भी हो सकता है।

पारिवारिक जीवन

इस समय आपका पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहेगा। परिजनों के बीच प्रेम भाव बढ़ेगा और एकजुटता भी दिखाई देगी। परिवार में खुशियों का आगमन होगा। इसके अलावा घर वालों के द्वारा आपको किसी प्रकार की खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। घर में भाई–बहनों से आपका अधिक लगाव रहेगा।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम जीवन में मजबूती आएगी और आप अपने रिश्ते को और मजबूत बना पाने में सक्षम होंगे। जो लोग विवाहित हैं उनके वैवाहिक जीवन सामान्य परिस्थितियाँ आएंगी हालांकि आपके जीवनसाथी को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। यदि कोई पुरानी है तो सुधार होगा। अपने आलस्य को त्यागकर

शारीरिक व्यायाम और कसरत करें। इससे आप स्वस्थ्य रहेंगे। अपनी सेहत को फिट रखने के लिए अपनी जीवनशैली अनुशासित बनाना होगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी संवाद शैली को सुधारने का भरपूर प्रयास करें।
- जीवन में आशावादी बने और संघर्षों का डटकर सामना करें।

क्या न करें

- अपनी आलस्य का पूर्ण रूप से त्याग करें।
- दूसरों को आदेश देकर काम कराने की आदत का त्याग करें।

उपाय

- शमी की समिधा से हवन करें।
- स्नान करते समय जल में थोड़े काले तिल मिलाकर स्नान करें।

दिसम्बर 08, 2019 – जनवरी 29, 2020 दशा बुध

आर्थिक जीवन

दशम भाव में स्थित बुध शुभ फल प्रदान करता है, इसलिए इस अवधि में आपको अच्छे अनुभव प्राप्त होंगे। नौकरी और व्यवसाय में उन्नति व लाभ की प्रापति होगी। आप अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकते हैं। आप पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ अपना काम करेंगे। समाज के प्रतिष्ठित और सरकार से जुड़े वरिष्ठ व्यक्तियों से संबंधों में सुधार होगा। इस अवधि में इन लोगों से आपको हर तरह की मदद प्राप्त होगी। आपको वाहन सुख का आनंद मिलेगा। इस अवधि में आप आर्थिक रूप से समृद्ध रहेंगे और इसका परिणाम यह होगा कि, आपके पास धन की कोई कमी नहीं रहेगी।

करियर

आप सरकारी सहयोग से भी धनार्जन कर सकते है या फिर सरकार में आपको कोई बड़ा पद प्राप्त हो सकता है।आप व्यापार के माध्यम से लाभ और यश दोनों कमाएंगे। विदेशी भूमि से आपको शुभ समाचार की प्रापति हो सकती है। विदेश स्थित किसी कंपनी से बिजनेस या नौकरी का शानदार ऑफर मिल सकता है। आमदनी अच्छी होगी और इसमें बढ़ोत्तरी होगी। धनवान होने के साथ–साथ आप विभिन्न प्रकार की सम्पत्ति अर्जति करेंगे।

पारिवारिक जीवन

घर में कोई मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। आप माता–पिता और गुरुजनों का आदर करेंगे एवं उनके आशीर्वाद से आपकी उन्नति होगी। इस अवधि में आप जिस काम को करेंगे उससे शुरुआत में ही सफलता मिलेगी। दशम भाव स्थित बुध के कारण आप न्यायप्रिय और नीति निपुण होंगे। आपके व्यवहार में अंदर धैर्य और विनम्रता आएगी।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में कुछ परेशानी उत्पन्न हो सकती हैं अथवा विचारों के मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं वहीं दूसरी और प्रेम जीवन के लिए समय सामान्य रहेगा आप अपने साथी से संवाद बनाए रखें धीरे–धीरे स्थिति आपके पक्ष में आ जाएगी।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ा सकता है। नेत्र या त्वचा संबंधी विकार से परेशानी होने की संभावना है, इसलिए इस मामले में कोई लापरवाही ना बरतें। यदि किसी पुरानी बीमारी से पीडति हैं तो समय पर इलाज लेते रहें, वरना बीमारी बढ़ने की संभावना है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- कार्यस्थल पर अपने विचारों और कार्य क्षमता का भरपूर प्रयोग करें
- अपने चरित्र को ऊपर उठाने के लिए प्रयासरत रहें।

क्या न करें

- अपने काम में बेईमानी बिल्कुल ना करें।
- महिला सहकर्मियों से सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें।

उपाय

- हरी सबजियों का दान करें।
- हरे रंग के कपड़े किन्नरों को उपहार स्वरुप भेंट करें।

जनवरी 29, 2020 – फरवरी 19, 2020 दशा केतु

आर्थिक जीवन

केतु की तृतीय भाव में उपस्थिति आपके लिए धन योग का निर्माण करेगी। नौकरी अथवा व्यवसाय के माध्यम से आपके पास धन आएगा। अच्छी आमदनी होगी। विभिन्न स्रोतों से आपके पास धन का आगमन होगा। आप इस समय कोई नया वाहन खरीद सकते हैं। आपके बैंक बैलेंस में वृद्धि होगी।

करियर

करियर की गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रयोग करें। इस पूरी अवधि में आप आशावादी रहेंगे। अचानक यात्रा करने से आपको अच्छे फल प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से मित्रता बढ़ेगी। यह अवधि आपके लिये बहुत ही अनुकूल साबित हो सकती है, इसलिए इस समय का पूरा सदुपयोग करें।

पारिवारिक जीवन

केतु के तृतीय भाव में स्थित होने से आपका पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण रहेगा। परिवार के साथ आप किसी तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। आपको परिजनों के साथ समय बिताने का अवसर प्राप्त होगा। रिश्तेदारों से संबंध और भी मधुर होंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यदि आप गृहस्थ जीवन में है तो जीवनसाथी के कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लाइफ पार्टनर की सेहत में कमी देखी जा सकती है। वहीं जो लोग प्रेम जीवन में हैं उनके लिए समय अनुकूल रहेगा। अविवाहित जातकों के लिए प्रेम विवाह के योग बन रहें हैं।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य जीवन बढिया रहेगा। यदि किसी रोग से पीडति हैं तो उसमें सुधार देखने को मिलेगा। अपनी सेहत को दुरुस्त बनाए रखने के लिए प्रातः उठकर योग व शारीरिक व्यायाम करें। इससे आपके तनाव दूर होगा और आपके चेहरे पर चमक दिखेगी। आपके व्यक्तित्व सबको आकर्षित कर सकता है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- धार्मिक क्रियाकलापों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें।
- अपने सहकर्मियों और मित्रों से अच्छे संबंध बनाकर रखें।

क्या न करें

- अपने भाई बहनों से संबंधों को खराब ना होने दें।
- धर्म–कर्म के कामों में दूरी ना होने दें।

उपाय

- केतु बीज मंत्र का जाप करें।
- पक्षियों को सतनाजा खिलाएं।

फरवरी 19, 2020 – अप्रैल 20, 2020 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

आर्थिक क्षेत्र में आपको मिलेजुले परिणाम प्राप्त होंगे। आपके खर्चों में वृद्धि तो होगी परंतु आमदनी भी बढ़ेगी। आपको ध्यान बस यह रखना होगा कि आपके खर्चे आमदनी से ज्यादा न हों। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ होने की संभावना है। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से भी धन लाभ के योग बनते दिखाई दे रहे हैं।

करियर

यह अवधि आपके करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ साबित हो सकती है। इस समय सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। भाग्य और समय का साथ मिलेगा। इस अवसर को अपने प्रयासों से भुनाने का प्रयास करें। इस समय आपकी आकांक्षा पूर्ण हो सकती है। नौकरी में तरक्की हो सकती है अथवा आपकी सैलरी में बढ़ोतरी संभव है।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में खुशियों की बहार आएगी। भाई–बहनों को उनके कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी कामयाबी मिलने की संभावना है। इसके अलावा घर में कोई मंगल कार्य भी हो सकता है। घर में किसी नए सदस्य का आगमन होगा जिससे आपके परिवार के सदस्यों की संख्या बढ़ सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

इस समय आप अपने वैवाहिक जीवन को अधिक प्राथमिकता देंगे और आपकी यही बात जीवनसाथी को अच्छी लगेगी। उनके साथ आप किसी पार्टी अथवा कहीं अन्यत्र जा सकते हैं। यदि आप लव इन रिलेशनशिप में हैं तो पार्टनर के साथ कुछ ऐसे सुनहरे पल व्यतीत करेंगे जो आपके लिए अविस्मरणीय होंगे।

स्वास्थ्य

आपके स्वास्थ्य जीवन के लिए यह समय बढिया रहेगा। इस दौरान आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। यदि आप किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे हैं तो इसमें आपको लाभ मिलेगा। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। आपके चेहरे पर गजब की चमक देखने को मिलेगी, लोग आपसे यह सवाल भी कर सकते हैं, "आपकी सेहत का राज क्या हैं?"

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- यथासंभव अपने मित्रों और रिश्तेदारों की सहायता करें।
- अपने नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारी की सराहना करें।

क्या न करें

- ज्यादा जल्दबाजी में किसी से मित्रता ना करें।
- अत्यधिक महत्वाकांक्षाओं के कारण स्वार्थी ना बने।

उपाय

- घर में तुलसी का पौधा लगाएं और उसकी पूजा करें।
- सफेद गाय की जितनी सेवा कर सके करें।

अप्रैल 20, 2020 – मई 09, 2020 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

एकादश भाव में स्थित सूर्य अनुकूल परिणाम देता है। इसके प्रभाव से आपकी समस्त इच्छाएं व महत्वाकांक्षाएं पूरी होंगी। इसके फलस्वरूप आपको धन लाभ होगा। इस अवधि में आपको मित्रों और रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा। आपको कई शुभ परिणाम प्रदान करेगी। एकादश भाव में स्थित सूर्य के प्रभाव से आप अधिक निवेश करेंगे और ये सभी निवेश कार्य आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगे, इसलिए यदि आप निवेश से संबंधित कोई योजना बना रहे हैं तो इसे समझदारी के साथ अवश्य करें।

करियर

वहीं नौकरी व व्यवसाय में होने वाले हर सौदे और समझौते आपके लिए लाभकारी होंगे। इस अवधि में आपकी आमदनी में भी बढ़ोत्तरी होगी। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो आपको वेतन वृद्धि की सौगात मिल सकती है। नौकरी और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में आपको उच्च अधिकारियों का समर्थन मिलता रहेगा। वहीं अगर आप व्यवसाय कर रहे हैं तो आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। इस अवधि में होने वाली यात्राएं आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगी, विशेषकर लंबी दूरी की यात्राओं से आपको श्रेष्ठ फल की प्रापति होगी।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। बड़े भाई–बहनों का साथ मिलेगा। घर में एकता और प्रेम का वातावरण रह सकता है। माता–पिताजी की सेहत का ख्याल रखें और अच्छे कार्यों से पहले उनका आशीर्वाद लें। सहपरिवार आप किसी जगह घूमने भी जा सकते हैं। घर में किसी नए सदस्य का आगमन हो सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम संबंधों के लिए भी यह समय अच्छा साबित होगा। आप अपने प्रियतम के साथ अपने मन की बात साझा कर सकते हैं। वहीं वैवाहिक जीवन में मधुरता और बढ़ेगी। आप जीवनसाथी के संग मधुर पलों का आनंद लेंगे।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य जीवन बढिया रहेगा। आप चुस्त–दुरुस्त रहेंगे और प्रत्येक कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करेंगे। आप में गजब का जोश और उत्साह दिखाई देगा। इसके अलावा आप ऊर्जा से भी भरपूर रहेंगे। अच्छी सेहत के कारण आपकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रहें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने व्यवसाय को नए आयाम देने हेतु विस्तार दें।
- परिवार को भरपूर समय दें।

क्या न करें

- महत्वाकांक्षाओं की अति से बचें।
- जल्दबाजी में किसी से मित्रता ना करें और ना ही किसी पर जल्दी भरोसा करें।

उपाय

- सूर्य द्वादश नाम स्त्रोत का पाठ करें।
- लक्ष्मी नारायण के मंदिर में विष्णु जी को कमल पुष्प अर्पित करें।

मई 09, 2020 – जून 08, 2020 दशा चन्द्र

आर्थिक जीवन

अष्टम भाव में स्थित चंद्रमा को सामान्यतः अच्छा नहीं माना जाता है। इस स्थिति में जीवन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि यहां स्थित चंद्रमा कुछ शुभ फल भी प्रदान करता है। इसके प्रभाव से व्यापार में लाभ की प्राप्ति होती है। शेयर बाजार अथवा अन्य क्षेत्र में पूँजी निवेश करना आपके लिए सही नहीं होगा इसलिए इस समय पूँजी निवेश से बचें।

करियर

कार्यस्थल पर विरोधी भी आपको हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए ऐसे लोगों से सावधान रहें। इस अवधि में बेवजह की यात्रा करने से बचें, क्योंकि इनसे कोई लाभ नहीं होने वाला है। इस समय में वासनात्मक विचार आप पर ज्यादा हावी हो सकते हैं, इसलिए थोड़ा संयम बरतें और ऐसी स्थिति में अनैतिक कार्य करने से बचें।

पारिवारिक जीवन

परिवार में किसी सदस्य को स्वास्थ्य संबंधी विकार होने की संभावना रहती है। इस तरह की समस्या आपकी चंताएं बढ़ा सकती हैं, इसलिए यदि किसी परिजन को सेहत संबंधी कोई समस्या हो तो, उसे फौरन डॉक्टर को दिखाएं। इस अवधि में मॉ के साथ आपके संबंध सामान्य रहेंगे हालांकि आपकी माता को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए उनका हर तरह से ख्याल रखें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक और प्रेम प्रसंग के मामलों के लिए यह समय थोड़ा चुनौती भरा रह सकता है। इस दौरान कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी और प्रियतम के साथ कुछ मामलों को लेकर मनमुटाव होने की संभावना है, इसलिए हर मसले को बातचीत के जरिये सुलझाने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

चंद्रमा का अष्टम भाव में स्थित रहना सेहत के लिए थोड़ा परेशानी भरा रह सकता है। इस समय में जल जनित रोगों का भय बना रहेगा इसलिए जल से होने वाली बीमारियों से सावधान रहें। चूंकि चंद्रमा मन का कारक होता है अतः आपको मनोविकार भी हो सकते हैं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- सर्दी जुकाम आदि शारीरिक समस्याओं से दूर रहने का प्रयास करें।
- अत्यधिक वासनात्मक विचारों पर नियंत्रण रखें।

क्या न करें

- अकेले बैठकर व्यर्थ में सोच विचार ना करें।
- गहरे पानी में जाने से बचें।

उपाय

- अपनी माता को चाँदी की कोई वस्तु भेंट करें।
- श्री शिव सहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ करें।

जून 08, 2020 – जून 29, 2020 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

विभिन्न स्रोतों से आपको लाभ मिलने की प्रबल संभावना है। इससे आपकी आय में वृद्धि होगी और आपको धन लाभ होगा। महंगी वस्तुओं को खरीदने में आप अपना पैसा खर्च कर सकते हैं। एकादश भाव में स्थित मंगल के प्रभाव से आप अधिक निवेश करेंगे और ये सभी निवेश कार्य आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगे, इसलिए यदि आप निवेश से संबंधित कोई योजना बना रहे हैं तो इसे समझदारी के साथ अवश्य करें।

करियर

इस दौरान आपको सहयोगियों से लाभ मिलेगा। जरुरत के समय आपको इनके द्वारा भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। हालांकि कभी–कभार किसी मुद्दे पर उनसे मतभेद भी हो सकते हैं। इस दौरान आपकी लंबे समय से रुकी हुई कोई इच्छा पूर्ण हो सकती है। आपकी लंबी यात्राएं सफल रहेंगी।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में खुशियाँ आएंगी और आपके आसपास का भी वातावरण अच्छा रहेगा। इस समय आप धैर्य से काम करेंगे और जल्दबाजी नहीं करेंगे। आप दोस्तों अथवा परिजनों के साथ किसी सुहावने सफर में जा सकते हैं। भाई–बहन ऊर्जावान रहेंगे। इस समय आप दूसरों पर एक राजा की तरह हुक्म जता सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में मधुरता और बढ़ेगी। आप जीवनसाथी के संग मधुर पलों का आनंद लेंगे। वहीं प्रेम संबंधों के लिए भी यह समय अच्छा साबित होगा। आप अपने प्रियतम के साथ अपने मन की बात साझा कर सकते हैं। हालांकि इस अवधि में आपको मर्यादित आचरण बनाये रखना होगा।

स्वास्थ्य

आपकी सेहत अच्छी रहेगी और आप चुस्त–दुरुस्त रहेंगे। अच्छी सेहत के कारण आपकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। आप

प्रत्येक कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करेंगे। आप में गजब का जोश और उत्साह दिखाई देगा। इसके अलावा आप ऊर्जा से भी भरपूर रहेंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- एक टीम की तरह काम करने की आदत डालें।
- अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए स्वार्थी ना बने।

क्या न करें

- नए रिश्ते बनाने के लिए अपने पुराने मित्रों का साथ ना छोड़ें।
- दूसरों के प्रति जलन की भावना को छोड़ दें।

उपाय

- किसी मंदिर अथवा गार्डन में अनार का पेड़ लगाएं।
- मंगल ग्रह के बीज मंत्र का जाप करें।

जून 29, 2020 – अगस्त 23, 2020 दशा राहू

आर्थिक जीवन

आर्थिक क्षेत्र में आपको मिलेजुले परिणामों की प्राप्ति होगी। इस समय आपके पास धन का आगमन होगा, परंतु आपके खर्चों में वृद्धि होगी। इस समय आय और खर्च के बीच संतुलन बनाएं, अन्यथा आप आर्थिक संकट से गुजर सकते हैं। आर्थिक निर्णय लेते समय अनुभवी व्यक्तियों की सलाह अवश्य लें।

करियर

करियर में आपको मिश्रित परिणामों की प्राप्ति होगी। आप अपने व्यापार में अच्छा काम करेंगे और लक्ष्य से भ्रमित नहीं होंगे। नौकरी–पेशा के प्रति आपका निश्चय दृढ़ रहेगा। इस समय आपके व्यक्तित्व में अहंकार की झलक दिख सकती है। अपने अहंकार का त्याग करें और अपना आत्म अवलोकन करें।

पारिवारिक जीवन

इस दौरान आपको पारिवारिक जीवन में आनंद आएगा। परिजनों के साथ आपको अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। इस अवधि आपको अपने परिवार से विशेष लगाव होगा लेकिन पिता से संबंध मधुर रहने की संभावना कम है। बेहतर होगा कि आप पिता का सम्मान करें और सफलता के लिए उनकी बातों का अनुसरण करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में आपको आनंद की अनुभूति होगी। जीवनसाथी से रिश्ते मधुर बनेंगे। उनके द्वारा आपको आर्थिक लाभ

होगा और समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। वहीं लव लाइफ के लिए भी अच्छा समय रहेगा। प्रियतम के साथ रोमांस करने का पर्याप्त अवसर प्राप्त होगा।

स्वास्थ्य

इस समय आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। आप ऊर्जावान रहेंगे। आपके चेहरे पर चमक देखी जा सकेगी और पूरे उत्साह और जोश के साथ आप अपने कार्य को अंजाम देंगे। इस समय आप अपनी सेहत को लेकर भी गंभीर रहेंगे और अपने खानपान का विशेष ध्यान देंगे। नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने पिता से अच्छे संबंध बनाकर रखें।
- रूढगित विचारों का पूर्ण रुप से विरोध करें।

क्या न करें

- अपने विचारों को नई दिशा दें किसी को कष्ट ना दें।
- धार्मिक होने का दिखावा न करें।

उपाय

- अपने वजन के बराबर कच्चे कोयले का दान करें।
- चांदी की चेन अथवा लॉकेट धारण करें।

|| वर्षफल विवरण 2020 ||

जन्म		वर्ष
Female	लिंग	Female
23 / 08 / 1978	जन्म दिनांक	23 / 08 / 2020
23:53:18	जन्म समय	18:18:18
बुधवार	जन्म दिन	रविवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23 : 32 : 10	स्थानीय औसत समय	17 : 57 : 10
05 : 54 : 14	सूर्योदय	05 : 54 : 45
18 : 53 : 28	सूर्यास्त	18 : 52 : 38
वृषभ	लग्न	मकर
शुक्र	लग्नस्वामी	शनि
मेष	राशि	तुला
मंगल	राशि स्वामी	शुक्र
भरणी	नक्षत्र	स्वाती
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
वृद्धि	योग	शुक्ल
वणिज	करण	कौलव
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023–33–30	अयनांश	024–08–41
लाहिरी	अयनांश नाम	लाहिरी

ताजिक वर्षफल कुण्डली

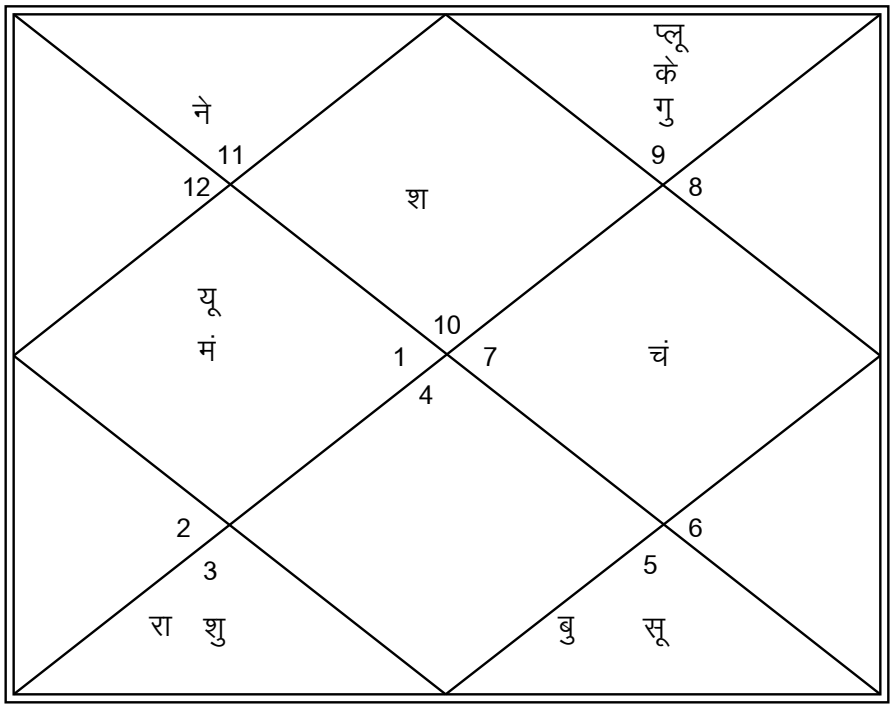

|| वर्षफल विवरण 2020 – 2021 ||

मुन्थाः 11 भाव

आप बेहतर स्वास्थ्य, लोकप्रियता, मित्रता व सुखद पारिवारिक जीवन का आनंद लेंगे। आपको उच्च प्रशासनिक अथवा राजकीय पदों से सहयोग मिलेगा। आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी और आपकी समस्याओं का अंत होगा।

अगस्त 23, 2020 – अक्टूबर 20, 2020 दशा शनि

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपका आर्थिक जीवन सामान्य गति से चलेगा। हालांकि आपके सहयोगियों की लापरवाही के कारण आपको आर्थिक क्षेत्र में बड़ा धक्का लग सकता है, इसलिए थोड़ा इस मामले में सचेत रहें। इस अवधि का आखिरी हिस्सा आपको कुछ राहत देगा और इस समय आपको आर्थिक लाभ होगा।

करियर

करियर में आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपके अधिकतर कार्यों में किसी न किसी प्रकार की अड़चन आ सकती है। अपने करियर को लेकर आपके मन में कभी कभी असुरक्षा की भावना भी पैदा हो सकती है। इस समय आपके ऊपर काम का बोझ बहुत रहेगा और फालतू के कामों में भी आप फँस सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

आपको पारिवारिक जीवन में इस समय दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। आपकी फैमिली लाइफ में खुशियों का अभाव रह सकता है। परिजनों की सेहत में गिरावट देखी जा सकती है। इस कारण आप थोड़े चंतित भी रह सकते हैं। अपने माता–पिता की सेहत की देखभाल करें और छोटे भाई–बहनों के साथ प्रेम पूर्ण व्यवहार बनाए रखें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में समस्या उत्पन्न हो सकती हैं। किसी बात को लेकर जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं। वहीं प्रेम जीवन में भी आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने साथी के प्रति भरोसा जताएं और उनके भी भरोसे को टूटने न दें। रिलेशनशिप को मजबूत बनाने के लिए यह एक बेहतर फॉर्मूला है।

स्वास्थ्य

इस समय आपकी सेहत नाजुक रह सकती है। आपको किसी न किसी प्रकार की शारीरिक पीड़ा रह सकती है। आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने की संभावना है। इस समय अपने शरीर को बलवान बनाएँ और इम्युनिटी पॉवर को मजबूती प्रदान करने के लिए खान–पान पर विशेष ध्यान दें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- मेहनत करते रहे साथ ही सेहत का पूरा ध्यान रखें।
- अंतर्मुखी प्रवृति से बाहर निकलने का प्रयास करें।

क्या न करें

- स्वयं को असहाय मानना बंद करें।
- निराशावादी दृष्टिकोण से स्वयं को दूर करें।

उपाय

- प्रतिदिन भोजन करते समय थाली में से एक हिस्सा गाय को एक हिस्सा कुत्ते को एवं एक हिस्सा कौवे को खिलाएं।
- लोहे की कटोरी में तेल का छाया पात्र दान करें।

अक्टूबर 20, 2020 – दिसम्बर 11, 2020 दशा बुध

आर्थिक जीवन

बुध का अष्टम भाव में स्थित होना आपके लिए थोड़ा कष्टकारी हो सकता है। इस स्थिति में परिश्रम और प्रयासों के बावजूद आपको सफलता आसानी से नहीं मिलेगी। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपको संघर्ष करना पड़ेगा। हालांकि देर से ही सही लेकिन आपको अपनी कड़ी मेहनत का फल मिलेगा। यदि आवश्यक नहीं हो तो, इस अवधि में यात्रा ना करें। क्योंकि बेवजह की यात्रा से आपको कुछ हासिल नहीं होगा।

करियर

कार्यस्थल पर काम की अधिकता रहेगी इसलिए काम को लेकर ज्यादा तनाव ना लें। घर या कार्यस्थल पर छोटी सी बात को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है अतः ऐसे हालात में संयम के साथ काम लें। जहां तक हो सके हर मसले का समाधान बातचीत से करें। अच्छी बात है कि इस अवधि में आपको भौतिक सुखों की प्रापति होती रहेगी, साथ ही आप दूसरों की मदद के लिए भी तैयार रहेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सामान्यतः तनावग्रस्त रह सकता है। ऐसी स्थिति में धैर्य और संयम के साथ काम लें। क्योंकि कुछ ही समय में परिस्थितियां बदल जाएगी। भाई–बहन के साथ व्यवहार में संयम बरतें। इस अवधि में पिता के साथ थोड़ी अनबन हो सकती है इसलिए धैर्य के साथ काम लें और उनकी बातों का सम्मान करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक और प्रेम जीवन के लिए बुद्ध की स्थिति आदर्श नहीं कही जा सकती है। इस कारण विचारों में मतभेद तथा वाणी दोष के कारण रिश्तो में परेशानियां बढ़ सकती हैं। ऐसी स्थिति में संयम के साथ काम लें और अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में स्वास्थ्य संबंधी विकार आपको परेशान कर सकते हैं इसलिए सेहत से जुड़े मामलों में बिल्कुल लापरवाही ना बरतें। आपकी खराब सेहत का असर आपके काम पर भी पड़ेगा। जिसकी वजह से आप क्षमता के अनुरुप कार्य नहीं कर

पाएंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- स्वयं के दिव्य ज्ञान एवं चेतना का प्रयोग दूसरों की भलाई हेतु ही करें।
- अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छा बर्ताव करें।

क्या न करें

- किसी भी तरह के अंधविश्वास में ना पड़ें।
- किसी दूसरे के धन पर नजर ना रखें।

उपाय

- प्रतिदिन गौ ग्रास निकालें।
- किन्नरों से आशीर्वाद लें और उन्हें हरी चूडयिां दे।

दिसम्बर 11, 2020 – जनवरी 01, 2021 दशा केतु

आर्थिक जीवन

इस समय आपके खर्चों में अधिक वृद्धि हो सकती है, परंतु आपको अपने खर्चों में लगाम लगाना होगा अन्यथा आपके सामने आर्थिक संकट की परिस्थिति आ सकती है। इस अवधि में आपका आर्थिक पक्ष कमजोर रह सकता है इसलिए इस समय बड़े आर्थिक निर्णय लेने से बचें।

करियर

करियर के लिए यह समय कमजोर रहेगा। आप दूसरों की सही सलाह को नजरअंदाज करेंगे जिसका खामियाजा आपको भुगतना पड़ सकता है। कम समय में सफलता पाने की खातिर आप कोई गलत रास्ता भी चुन सकते हैं, परंतु ऐसा बिल्कुल भी न करें और अपनी मेहनत के बल अपनी मंजलि को प्राप्त करें। सकारात्मक सोच के साथ करियर की राह में आगे बढ़ें।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन आपको मिलेजुले परिणाम प्राप्त होंगे। भाई–बहनों को सफलता मिलेगी, परंतु संतान के लिए यह अवधि कष्टकारी हो सकती है। माता–पिताजी की सेहवा करें और उनकी सेहत का ध्यान रखें। घर की सुख–शांति के लिए आप कोई धार्मिक कार्य संपन्न करा सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए समय अनुकूल नहीं है। जीवनसाथ से तनाव किसी स्थिति रह सकती है। किसी गलतफहमी के कारण दोनों के बीच दूरी बढ़ सकती है इसलिए जो भी गलतफहमी हो उसे दूर करें। प्रेम जीवन में प्रियतम के साथ तकरार

देखने को मिल सकती है।

स्वास्थ्य

यह अवधि आपकी सेहत के लिए ज्यादा अनुकूल नहीं रहेगी इसलिए आपको स्वास्थ्य के प्रति अधिक सावधान रहना होगा। मानसिक तनाव, सिरदर्द, बुखार, जुकाम–खांसी की समस्या आपको रह सकती है। नेत्र विकार भी होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में चिकित्सक परामर्श लें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- पुत्र, भतीजा एवं छोटे लड़कों के साथ अच्छे संबंध बनाए।
- प्रतिदिन शॉवर में स्नान करें अथवा सर से ऊपर से जल गिराकर स्नान करें ।

क्या न करें

- किसी नःसंतान व्यक्ति से प्रॉपर्टी न खरीदें।
- ग्रे, भूरा या विविध रंग का प्रयोग न करें।

उपाय

- श्री भैरव मंदिर के अंदर काला ध्वज लगाएं।
- विभिन्न रंगो से बना कम्बल गरीबों को दान करें।

जनवरी 01, 2021 – मार्च 03, 2021 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। अचानक धन हानि होने से परेशानी बढ़ सकती है या आमदनी की तुलना में खर्च अचानक से बढ़ने से आपका बजट बिगड़ सकता है, इसलिए इस अवधि में धन से जुड़े मामलों में समझदारी और संयम के साथ काम लेना बेहतर होगा। वहीं फिजूलखर्ची करने से बचें और आर्थिक प्रबंधन पर ध्यान दें।

करियर

नौकरी में हालात पहले की तुलना में सुधरेंगे। हालांकि चुनौतियां पहले की तरह ही बरकरार रहेंगी। काम की अधिकता से थकान महसूस हो सकती है। सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और संघर्ष करना होगा। विरोधी पक्ष पर हावी होने की कोशिश करेगा। इस दौरान कुछ लोग आपकी छवि को हानि पहुंचा सकते हैं, इसलिए सावधान रहें।

पारिवारिक जीवन

इस अवधि में परिवारजनों से संबंध अच्छे रहने की उम्मीद कम है। विरोधी पक्ष हावी रह सकता है। हालांकि इस अवधि में आपके बच्चे उन्नति करेंगे। आपके पिता के लिए भी यह स्थिति शुभ परिणाम देगी और उन्हें किसी बड़े पद पर प्रतिष्ठित

कराएगी। इस समय में आपकी माँ का स्वास्थ्य भी अच्छा रहने की उम्मीद है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम–प्रसंग के मामलों के लिए अच्छा समय है लेकिन प्रियतम और आपके विचारों में मतभेद से परेशानी हो सकती है। वहीं यदि आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी से भी मतभेद की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि विवाद की स्थिति में बातचीत के जरिये मामले का हल निकालने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य संबंधी विकारों से परेशान हो सकती है। इस अवधि में आपको नेत्र या मूत्र रोग से संबंधित कोई विकार परेशान कर सकता है। परिवार में किसी व्यक्ति की सेहत पर संकट आ सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टरी परामर्श लें। क्योंकि छोटी सी लापरवाही आपकी और आपके परिजनों की सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- विपरीत लिंगी लोगों से सामंजस्यपूर्ण व्यवहार बनाए रखें।
- जीवन में आने वाली चुनौतियों का डटकर सामना करें।

क्या न करें

- अपने मित्रों पर अत्यधिक विश्वास ना करें।
- जीवनसाथी से लड़ाई झगड़ा ना करें।

उपाय

- प्रतिदिन गौ ग्रास निकालें।
- गूलर की समिधा से हवन करें।

मार्च 03, 2021 – मार्च 21, 2021 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने की प्रबल संभावना है। धन कमाने के साथ–साथ आप पैसों की बचत भी करेंगे। जीवनसाथी के सहयोग से भी धन लाभ होने की संभावना है। एक से अधिक स्रोतों से आपके पास धन का आगमन होगा। धन के मामले में थोड़ा सतर्क रहें।

करियर

करियर में उतार चढ़ाव की परिस्थितियाँ आ सकती हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग में कमी आएगी। कोई भी कार्य कानून के विरुद्ध ना करें। कार्यक्षेत्र में मेहनत से न घबराएं, क्योंकि आगे चलकर आपको इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा।

चकाचौंध के लालच में शॉर्ट कट का रास्ता न अपनाएं।

पारिवारिक जीवन

रिश्तेदारों से संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। इस समय अवधि में आपको कोई धोखा दे सकता है, इसलिए महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से पहले, सभी को अच्छी तरह से पढ़ लें। सूर्य को पिता–पितृ का कारक माना गया है अतः अष्टम भाव में सूर्य के स्थित होने से पिता के साथ संबंधों में थोड़ी कड़वाहट आ सकती है, लेकिन आपके लिए बेहतर होगा कि आप पिता का आदर करें और उनकी कही बातों को मानें। अष्टम भाव में सूर्य के स्थित होने से आपके स्वभाव में क्रोध की वृद्धि होगी। किसी बात की चंता आपको जरुरत से ज्यादा परेशान कर सकती है इसलिए किसी भी बात का तनाव लेने से बचें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम व वैवाहिक जीवन में कुछ कष्ट संभव है। यदि विवाहित हैं तो आपके ससुराल पक्ष से कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। प्रेम जीवन में भी चुनौती बनी रहेंगी। अपने रिश्ते पर भरोसा रखें और इसमें मधुरता लाने का प्रयास करें। वासनात्मक विचारों को हावी न होने दें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी हो सकती है, जो लंबे समय तक आपकी परेशानी का कारण बनेगी। इसलिए स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर तुरंत चिकित्सीय परामर्श लें। इस अवधि में आप पित्त प्रकृति के रोगों से परेशान हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपको नेत्र से संबंधित पीड़ा भी हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- पिता के स्वास्थ्य की देखभाल करें।
- कानून का पालन करें।

क्या न करें

- अपने कुल व मर्यादा के विरुद्ध कोई कार्य न करें।
- सरकार का अपमान ना करें।

उपाय

- सूर्य नारायण को लाल पुष्प अर्पित करें।
- रात को सोते समय सिरहाने तांबे के पात्र में जल रखकर प्रातः काल उसे किसी लाल पुष्प वाले पौधे में चढ़ाएं।

मार्च 21, 2021 – अप्रैल 21, 2021 दशा चन्द्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपको अपने व्यवसाय में कुछ सुखद परिवर्तन देखने को मिलेंगे और धन लाभ भी होगा। हालांकि इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। इस अवधि में समाज में आपकी प्रतिष्ठा और लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके फलस्वरुप उच्च वर्ग के लोगों से आपके संपर्क बनेंगे और उनके माध्यम से आपको लाभ प्राप्त होगा। इस अवधि में आप अपनी कार्य कुशलता से कोई बड़ी उपलबधि हासिल कर सकते हैं।

करियर

चंद्रमा का दशम भाव में स्थित होना आपके लिए शुभ होगा। इसके परिणामस्वरुप आप अपने विचारों और योजनाओं को रचनात्मक रूप दे सकेंगे। नौकरी या व्यापार से संबंधित कुछ ठोस परिणाम सामने आएंगे। आपको सभी व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी, सहकर्मी और पर्यवेक्षकों के साथ मधुर संबंध रहेंगे। अपने दयालु और उदार स्वभाव से आप लोगों के हित में काम करेंगे और प्रशंसा के हकदार बनेंगे। आपको कोई उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। यह पद सरकार या सरकारी विभाग में मंत्री पद व उच्च अधिकारी का हो सकता है।

पारिवारिक जीवन

इस समय में मॉ के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। मॉ की सलाह हर कार्य में आपके लिए लाभदायक रहेगी। वहीं संतान पक्ष से आपको निराशा हाथ लग सकती है, हालांकि फिर भी बच्चों के साथ मधुर संबंध बनाये रखना आपके लिए बेहतर होगा।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए समय थोड़ा चुनौती पूर्ण रह सकता है। वहीं कार्यक्षेत्र में व्यस्तता के चलते आप जीवनसाथी को समय कम दे पाएंगे। यदि आपका प्रेम–प्रसंग चल रहा है तो कुछ समय के लिए प्रियतम से दूर रहना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

चंद्रमा का दशम भाव में स्थित रहना स्वास्थ्य संबंधी अनुकूलता को दर्शाता है। इस अवधि में आपको सेहत से जुड़ी समस्याएं परेशान नहीं करेंगी। आपको किसी भी तरह के विकार का सामना नहीं करना पड़ेगा। यदि आप पहले से अस्वस्थ चल रहे हैं तो इस अवधि में सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने कार्य के प्रति एक लक्ष्य निर्धारित करें और उसपर ध्यान केंद्रित करें।
- कार्यस्थल पर व्यावहारिक रहे भावुक नहीं।

क्या न करें

- बार बार अपने व्यवसाय अथवा नौकरी में बदलाव ना करें।
- स्वयं को प्रशंसा और लोकप्रियता पाने की अत्यधिक लालसा से बचें।

उपाय

- चंद्र देव की उपासना करें और चंद्र यंत्र धारण करें।
- पलाश अथवा ढाक की समिधा से हवन करें।

अप्रैल 21, 2021 – मई 12, 2021 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

सुख–संपत्ति से आपको वंचित रहना पड़ सकता है। आर्थिक क्षेत्र में भी आपको संभलकर चलना होगा। आपके खर्चों में वृद्धि की संभावना है। अनावश्यक कार्यों में पैसा अधिक खर्च हो सकता है। अचानक आपको धन की हानि भी हो सकती है। पैतृक संपत्ति के खोने अथवा उसमें कमी होने का भय है।

करियर

कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी। इस समय आपके प्रतिद्वंदी आपसे अधिक बलवान होंगे। सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। इस समय अपनी असफलता पर निराश न हों, बलकि इस समय और कड़ी मेहनत कर चुनौतियों को मात दें। इस अवधि में गलत कार्य आपको अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

मंगल की यह स्थिति आपके पिताजी के लिए कष्टकारी रह सकती है। उन्हें परिवार से दूर रहना भी पड़ सकता है। इसके अलावा उनको किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। संकट के समय परिजनों के द्वारा आशानुरूप मदद मिलने की संभावना कम है इसलिए आपको स्वयं ही संकट से निकलने का रास्ता तलाशना होगा। भाई–बहनों से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी से मतभेद होने की संभावना है। किसी कारणवश आपको अपने परिवार से दूर जाना पड़ सकता है। घर में किसी क्लेश की स्थिति पैदा हो सकती है। पारिवारिक मसलों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको मानसिक पीड़ा से गुजरना पड़ सकता है, इसका बुरा असर आपकी सेहत पर भी दिखाई दे सकता है। आग से दूरी बनाए रखें और मन में किसी प्रकार की टेंशन को न पालें। द्रवीय पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें और योग और कसरत को अपनी दिनचर्या में जोड़ें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- प्रॉपर्टी में निवेश करने का प्रयास करें।

- देशभक्ति की भावना अपने हृदय में बनाए रखें।

क्या न करें

- अपनी माता अथवा परिवार के अन्य लोगों से झगड़ा ना करें।
- माता जी की सेहत को नजरअंदाज बिल्कुल ना करें।

उपाय

- ऋण हर्ता गणेश स्त्रोत का पाठ करें।
- मंगलवार के दिन तांबे के पात्र का दान करें।

मई 12, 2021 – जुलाई 06, 2021 दशा राहू

आर्थिक जीवन

साधारण रूप से आपके पास धन का आगमन होगा। इस समय आप फायदे का सौदा करेंगे। यदि आप अपने आर्थिक पक्ष को मजबूत बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं तो आप इसमें अवश्य ही सफल होंगे। असफलताओं को अपनी ताकत बनाएं। इस दौरान आपके खर्चों में वृद्धि संभव है।

करियर

इस अवधि में आप अपने उद्यमों में काफी सफल होंगे। करियर क्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके अनुकूल होंगी। सत्ता में उच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों से आपके संबंध स्थापित होंगे जिनका आपको लाभ प्राप्त होगा। आप अपने विरोधियों को परास्त करने में सफल होंगे और यात्रा से आपको लाभ प्राप्त होगा।

पारिवारिक जीवन

अपने पारिवारिक जीवन में आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इस समय आपके स्वभाव में क्रोध की मात्रा बढ़ सकती है। अपने गुस्से को काबू करें और घरेलू समस्याओं के समाधान हेतु प्रयास करें। परिजनों के बीच तालमेल की कमी दिखाई दे सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए यह समय मिलाजुला रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर मनमुटाव होने की संभावना है। वहीं प्रेम जीवन में भी कमोबेश यही स्थिति देखने को मिलेगी। प्रेम अथवा वैवाहिक रिश्ते में यदि कोई गलतफहमी है तो उसको तत्काल दूर रखें।

स्वास्थ्य

इस समय आपका स्वास्थ्य जीवन दुरुस्त रहेगा। हालांकि इस समय आपको नेत्र संबंधी रोग होने की संभावना है इसलिए अपनी आँखों की देखभाल अच्छी तरह से करें और इस संबंध में लापरवाही न बरतें। आपको उच्च रक्तचाप की समस्या से भी गुजरना पड़ सकता है। ऐसी परिस्थिति में डॉक्टर की सलाह लें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने ससुर, नाना–नानी एवं मरीज लोगों का सम्मान करें।
- कुत्तों की देखभाल करें।

क्या न करें

- शराब एवं मांस का सेवन न करें।
- बासी एवं गरिष्ठ भोजन न करें।

उपाय

- कुत्तों को भोजन दें।
- कुष्ठ रोगियों की सेवा करें।

जुलाई 06, 2021 – अगस्त 23, 2021 दशा गुरू

आर्थिक जीवन

अनावश्यक कार्यों में आपका धन और समय दोनों जाया हो सकता है, लिहाजा सोच–समझकर किसी कार्य में हाथ डालें। इस समय आपका आर्थिक पक्ष भी कमजोर रह सकता है। धन खर्च होगा, परंतु आमदनी के स्रोत स्थिर रह सकते हैं। कोशिश करें कि आपका खर्च अनावश्यक चीजों में न हो। इसके लिए आप आर्थिक प्रबंधन कर सकते हैं।

करियर

करियर में सफलता पाने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। आपके मन में किसी चीज को लेकर असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है। इस भाव में गुरु के बलहीन होने से आपको अपने शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता होगी। इस समय वे आपको हानि पहुंचा सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

अपने पारिवारिक जीवन को लेकर आप निराश हो सकते हैं। विपरीत परिस्थितियों में आप खुद को अधिक सशक्त बनाने का प्रयास करेंगे। दोस्तों और सहयोगियों की मदद पर निर्भर न रहें, बलकि खुद को इस विपरीत परिस्थिति से निकालने का प्रयास करें। किसी के प्रति आपका ज्यादा झुकाव नहीं होगा और लोग भी आपके प्रति वैमनस्य का भाव रख सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में चुनौतीपूर्ण समय रहेगा। जीवनसाथी को कुछ स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं रह सकती हैं। वहीं प्रेम जीवन के लिए सामान्य स्थिति रहेगी। आपको अपने साथी को समझाना होगा कि आप उन्हें प्रेम करते हैं क्योंकि सामान्यतः उन्हें शिकायत रहेगी कि आप उन्हें कम समय दे पाते हैं।

स्वास्थ्य

बारहवें भाव में गुरु आपके लिए कष्टकारी हो सकता है। इस भाव में गुरु आपके लिए शुभ संकेत नहीं दे रहा है इसलिए इस समय आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। यदि ज्यादा जरुरी न हो तो इस समय यात्रा से बचें और अपनी सेहत का भी विशेष ख्याल रखें। इस समय आपका तनाव भी बढ़ सकता है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- समाज के वंचित तबके के लोगों की यथा संभव सहायता करें।
- अपने ज्ञान अथवा दिव्य चेतना का समाज के कल्याण के लिए प्रयोग करें।

क्या न करें

- जीवन में आने वाले संघर्षों से ना घबराए डटकर सामना करें।
- व्यावहारिक बने और अपने विचारों को मूर्त रूप दे.

उपाय

- बृहस्पतिवार को पीले चावल बना कर बच्चों में बांटे।
- किसी गरीब विद्यार्थी को पुस्तक दान करें।

|| वर्षफल विवरण 2021 ||

जन्म		वर्ष
Female	लिंग	Female
23 / 08 / 1978	जन्म दिनांक	24 / 08 / 2021
23:53:18	जन्म समय	0:27:28
बुधवार	जन्म दिन	सोमवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23 : 32 : 10	स्थानीय औसत समय	00 : 06 : 20
05 : 54 : 14	सूर्योदय	05 : 55 : 09
18 : 53 : 28	सूर्यास्त	18 : 51 : 50
वृषभ	लग्न	वृषभ
शुक्र	लग्नस्वामी	शुक्र
मेष	राशि	कुंभ
मंगल	राशि स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	पूर्वाभाद्रपद
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरू
वृद्धि	योग	सुकर्मा
वणिज	करण	तैतिल
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023–33–30	अयनांश	024–09–32
लाहिरी	अयनांश नाम	लाहिरी

ताजिक वर्षफल कुण्डली

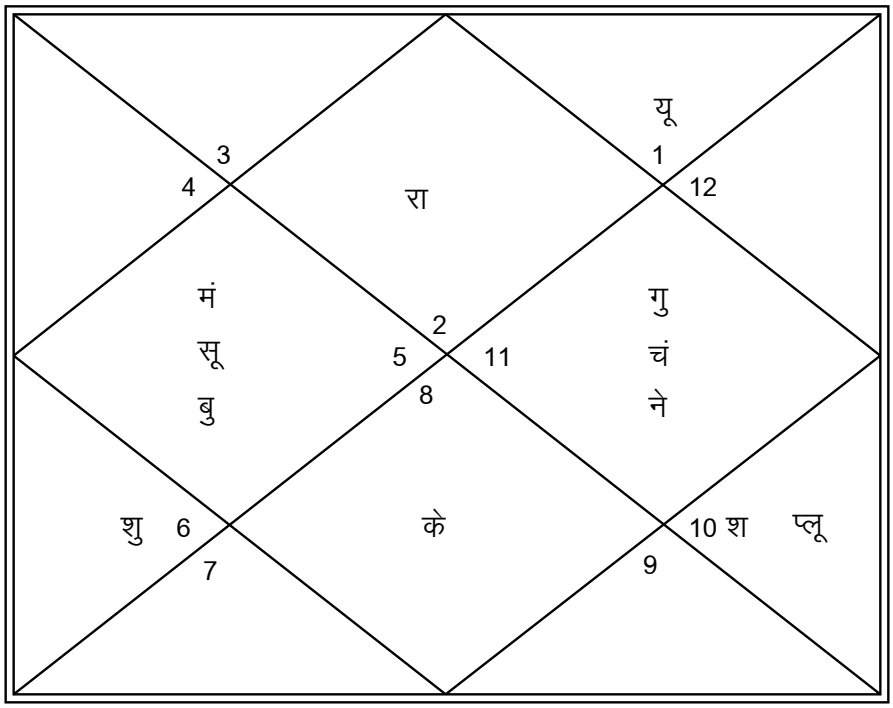

|| वर्षफल विवरण 2021 – 2022 ||

मुन्थाः 8 भाव

आपके लिए यह कठिन समय है। आपको अपने सगे संबंधियों को लेकर कोई अशुभ समाचार मिल सकता है। कई बीमारियॉ हो सकती है। निकट रिष्तेदार की आकस्मिक मृत्यु भी संभव है। दुर्घटना का योग है। धन की, आत्मविष्वास की हानि होगी। मानसिक तनाव रहेगा। आपका स्थानांतरण प्रियजनों से दूर किसी अनजानी सी जगह हो सकता है।

अगस्त 24, 2021 – अक्टूबर 14, 2021 दशा बुध

आर्थिक जीवन

बुध का चतुर्थ भाव में स्थित रहना यह दर्शाता है कि, इस अवधि में आपके अंदर व्यावसायिक गुणों का विकास होगा। इसके फलस्वरूप बिजनेस से जुड़े कार्यों में आपको सफलता और उन्नति मिलेगी। इस अवधि में आप भौतिक सुख–सुविधाओं पर अधिक धन खर्च करेंगे। आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा। घर में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन होने की संभावना है। इस अवधि में आपके द्वारा प्रारंभ किए गए कार्यों में आपको सफलता मिलेगी, साथ ही आपको वाहन सुख की प्राप्ति होगी।

करियर

आपकी रुचि गीत, संगीत और नृत्य जैसे कार्यों में बढ़ सकती है। यदि आप लेखन के क्षेत्र से हैं, तो आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपकी मुलाकात समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों से होगी और उनकी सलाह व मार्गदर्शन से आपको लाभ होगा।इस अवधि में आपको आलस्य की प्रवृत्ति से बचना होगा और अपनी बातों पर कायम रहना होगा।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। माता–पिता से आपके संबंध मधुर बने रहेंगे और उनकी मदद से आपको लाभ होगा। मित्रों के साथ आपके वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन सुखमय रहने वाला है। जीवनसाथी के साथ आप मधुर पल व्यतीत करेंगे। संतान पक्ष से भी आपको सुख मिलेगा। वे पढ़ाई–लिखाई, नौकरी और बिजनेस आदि कार्यों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। बच्चों की सफलता से आपको गर्व की अनुभूति होगी।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और आप अपने अंदर एक नई ताजगी का अनुभव करेंगे। मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से आप प्रसन्न दिखाई देंगे। बेहतर स्वास्थ्य का असर आपके काम पर देखने को भी मिलेगा। परिणामस्वरुप आप एक नई ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने परिवार के लोगों के साथ समय व्यतीत करने की आदत डालें।
- पढ़ाई के साथ साथ कुछ समय खेलकूद, मनोरंजन तथा अन्य क्रिया कलापों के लिए भी निकालें।

क्या न करें

- बार–बार घर बदलने की आदत से मुक्ति पाएं।
- अपनी पारिवारिक और निजी जंदगी को ना मिलाएं दोनों को अलग रखें।

उपाय

- साबुत मूंग की दाल का दान करें।
- मूंग की दाल के हलवे में हरी इलायची डालकर दान करें।

अक्टूबर 14, 2021 – नवम्बर 05, 2021 दशा केतु

आर्थिक जीवन

आपके खर्चों में अचानक वृद्धि होने की संभावना है। यात्रा से आपको उम्मीद के मुताबिक परिणाम मिलने की संभावना कम है। आर्थिक क्षेत्र में इस समय जोखिम भरे फैसले न लें। धन को लेकर भी सावधानी बरतें, क्योंकि इस समय आपको धन हानि की संभावना है। आमदनी में कमी देखी जा सकती है।

करियर

इस अवधि के दौरान आपको करियर में मिलेजुले परिणाम प्राप्त होंगे। हालांकि अचानक आपका भाग्य चमक सकता है। इस दौरान करियर में आपके परिचय का दायरा बढ़ेगा। परंतु इसमें सफलता पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। निराश होने की आवश्यकता नहीं है, सफलता आपको अवश्य मिलेगी।

पारिवारिक जीवन

इस समय आपका अहंकार घर की शांति को भंग कर सकता है। परिजनों से आपके रिश्ते कटु हो सकते हैं। अपने घमंड का त्याग करें और घर के बड़े सदस्यों का सम्मान व आदर करें। इस समय माता–पिता जी सेहत का ध्यान रखें। भाई–बहनों से किसी बात को लेकर तकरार की स्थिति पैदा हो सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

दाम्पत्य जीवन अथवा प्रेम जीवन के लिए समय शुभ नहीं है। प्रेमिका अथवा जीवनसाथी से विवाद होने की संभावना है। इस अवधि में वैवाहिक जीवन में संतुलन बनाकर चलें। विवाद या मतभेद होने की स्थिति में बातचीत के माध्यम से समस्या का समाधान करें।

स्वास्थ्य

इस समय आपको सिरदर्द, बुखार अथवा पित्त संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में अपने स्वास्थ्य का उपचार कराएं। केतु के प्रभाव से आप आलसी हो सकते हैं। शारीरिक रूप से आप सुस्त दिखाई देंगे। इस समय प्रोटीन युक्त

भोजन ग्रहण करें और खाने में सलाद अवश्य लें। प्रातः उठकर शारीरिक योग व्यायाम भी करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने जीवनसाथी को समझने का प्रयास करें।
- जननांगों से संबंधित रोगों के प्रति सतर्क रहें।

क्या न करें

- अपने जीवन साथी के चरित्र पर बेवजह संदेश ना करें।
- साझेदारी में व्यवसाय करने से बचें।

उपाय

- प्रतिदिन प्रातःकाल एवं सायंकाल घर में लोबान की धूप जलाएं।
- भैरव मंदिर में जा कर काले रंग का ध्वज लगाएं।

नवम्बर 05, 2021 – जनवरी 04, 2022 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आर्थिक मामलों से जुड़ी आपकी सभी योजनाएं पूर्ण होंगी। अपने ज्ञान, कौशल और कलात्मक गुणों से आप सफलता पाएंगे। इस अवधि में आप शेयर बाजार में निवेश को लेकर रुचि दिखा सकते हैं। इसके अलावा इस दौरान आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और खुशहाली भी बढेगी। इस अवधि में अचानक ऐसी घटनाएं घटेंगी जो आपके लिये हितकर हो।

करियर

यह समय आपके करियर के लिए अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में आपका अपने प्रति विश्वास आपको लगातार विजय दिलायेगा। कार्यस्थल पर आपके मान–सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यदि आप में सृजनात्मक क्षमता है तो इस अवधि के दौरान आपकी कला संगीत जैसे क्षेत्रों में रुचि हो सकती है।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन अति सुखद रहेगा। सालों पुरानी आपकी कोई मुराद इस अवधि में पूरी हो सकती है। दूर रह रहे परिजनों से मुलाकात होगी। संचार के माध्यम से आपको कोई बहुत अच्छी खबर भी मिल सकती है। घर–परिवार में शुभ और मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। आपकी माता धार्मिक और दान–धर्म से जुड़े कार्य करेंगी।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम संबंध के लिहाज से भी यह समय अच्छा रहने वाला है। आप अपने प्रियतम या जीवनसाथी के और करीब आएंगे। पंचम

भाव में स्थित शुक्र न केवल आपको प्रसन्न रखेगा बलकि आपको प्रेमाकर्षण भी प्रदान करेगा। यदि आप विवाहित हैं तो इस अवधि में जीवनसाथी के माध्यम से लाभ की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य

इस अवधि में स्वास्थ्य में थोड़ा कमजोर रह सकता है, इसलिए संतुलित आहार लें। वसा, मसालेदार और चिकनाई युक्त भोजन से परहेज करना आपकी सेहत के लिए फायदेमंद रहेगा। इस समय में आपको नेत्र या मूत्र संबंधी विकार हो सकते हैं इसलिए नियमित व्यायाम और पानी का अत्यधिक सेवन करना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- सभी महिलाओं का सम्मान करें।
- स्वयं के भीतर किसी कला का विकास करें।

क्या न करें

- अमर्यादित आचरण ना करें।
- अत्यधिक भोग विलास में लिप्त ना हो।

उपाय

- घर में तुलसी का पौधा लगाएं और उसकी पूजा करें।
- सफेद गाय की जितनी सेवा कर सके करें।

जनवरी 04, 2022 – जनवरी 23, 2022 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आप आय के साथ–साथ बचत पर अधिक ध्यान देंगे। आप नियमित रूप से होने वाली आमदनी में से कुछ पैसा बचत के रूप में जमा करेंगे। इस अवधि में आपको सोने–चांदी के व्यवसाय से लाभ मिलेगा। यदि आप ज्वैलरी का कार्य करते हैं तो आपको अचानक कोई बड़े लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस अवधि में की जाने वाली यात्राएं भी आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगी।

करियर

इस अवधि में आपको सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। हालांकि इसके फलस्वरूप मिलने वाला परिणाम अत्यंत सुखदायी होगा। आपके मन की इच्छा पूर्ण हो जाएगी। चतुर्थ भाव में स्थित सूर्य के प्रभाव से व्यक्ति का बुरे व अनैतिक कार्यों की ओर रुझान बढ़ता है, अतः इस अवधि में किसी भी गलत कार्य में संलिप्त होने से बचें वरना आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

माता–पिता के स्वास्थ्य में गिरावट होने से आपकी चंताएं बढ़ सकती है, इसलिए उनकी सेहत का विशेष ख्याल रखें। उन्हें किसी भी तरह की तकलीफ होने पर डॉक्टरी परामर्श लें। सूर्य की यह स्थिति भाइयों के बीच विवाद का कारण भी बन सकती है। ऐसे में परिवार में भाइयों के साथ तालमेल बनाकर चलना होगा। चूंकि सूर्य पिता का कारक होता है और सूर्य के चतुर्थ भाव में स्थित होने से यह पिता के साथ मनमुटाव का कारण बनता है, अतः पिता के साथ मधुर संबंध बनाये रखने की कोशिश करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक और प्रेम जीवन के लिए कुछ कष्टकारी समय रहेगा। रिश्ते में किसी तरह की दरार न आए, इसके लिए आपको सावधान रहना होगा। जीवनसाथी से बहसबाजी न करें और उन पर किसी तरह का दबाव न डालें। प्रेम में पारदर्शिता बनाए रखें। प्रियतम को उसके हिस्से का समय दें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। आपके अंदर क्रोध की अधिकता हो सकती है। मानसिक तनाव से भी गुजरना पड़ सकता है। तनाव से बचने के लिए योग व ध्यान लगाएं। अपने खानपान पर भी विशेष ध्यान दें। आपको दाद, खाज–खुजली जैसे चर्म रोग हो सकते हैं। ऐसी अवस्था में चिकित्सक की सलाह के अनुसार उपचार कराएं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी माताजी की सेहत की देखभाल करें।
- अपने परिवार की आवश्यकता की पूर्ति पूरे मन से करें।

क्या न करें

- परिवार में स्वयं को ऊपर सिद्ध करने का प्रयास ना करें।
- अपने परिवार में मुसाफिरों की तरह व्यवहार ना करें और परिवार वालों को समय दें।

उपाय

- अपने दैनिक भोजन में केसर का प्रयोग करें।
- आकड़े की समिधा से हवन करें।

जनवरी 23, 2022 – फरवरी 22, 2022 दशा चन्द्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपको अपने व्यवसाय में कुछ सुखद परिवर्तन देखने को मिलेंगे और धन लाभ भी होगा। हालांकि इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। इस अवधि में समाज में आपकी प्रतिष्ठा और लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके फलस्वरुप उच्च

वर्ग के लोगों से आपके संपर्क बनेंगे और उनके माध्यम से आपको लाभ प्राप्त होगा। इस अवधि में आप अपनी कार्य कुशलता से कोई बड़ी उपलबधि हासिल कर सकते हैं।

करियर

चंद्रमा का दशम भाव में स्थित होना आपके लिए शुभ होगा। इसके परिणामस्वरुप आप अपने विचारों और योजनाओं को रचनात्मक रूप दे सकेंगे। नौकरी या व्यापार से संबंधित कुछ ठोस परिणाम सामने आएंगे। आपको सभी व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी, सहकर्मी और पर्यवेक्षकों के साथ मधुर संबंध रहेंगे। अपने दयालु और उदार स्वभाव से आप लोगों के हित में काम करेंगे और प्रशंसा के हकदार बनेंगे। आपको कोई उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। यह पद सरकार या सरकारी विभाग में मंत्री पद व उच्च अधिकारी का हो सकता है।

पारिवारिक जीवन

इस समय में मॉ के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। मॉ की सलाह हर कार्य में आपके लिए लाभदायक रहेगी। वहीं संतान पक्ष से आपको निराशा हाथ लग सकती है, हालांकि फिर भी बच्चों के साथ मधुर संबंध बनाये रखना आपके लिए बेहतर होगा।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए समय थोड़ा चुनौती पूर्ण रह सकता है। वहीं कार्यक्षेत्र में व्यस्तता के चलते आप जीवनसाथी को समय कम दे पाएंगे। यदि आपका प्रेम–प्रसंग चल रहा है तो कुछ समय के लिए प्रियतम से दूर रहना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

चंद्रमा का दशम भाव में स्थित रहना स्वास्थ्य संबंधी अनुकूलता को दर्शाता है। इस अवधि में आपको सेहत से जुड़ी समस्याएं परेशान नहीं करेंगी। आपको किसी भी तरह के विकार का सामना नहीं करना पड़ेगा। यदि आप पहले से अस्वस्थ चल रहे हैं तो इस अवधि में सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने कार्य के प्रति एक लक्ष्य निर्धारित करें और उसपर ध्यान केंद्रित करें।
- कार्यस्थल पर व्यावहारिक रहे भावुक नहीं।

क्या न करें

- बार बार अपने व्यवसाय अथवा नौकरी में बदलाव ना करें।
- स्वयं को प्रशंसा और लोकप्रियता पाने की अत्यधिक लालसा से बचें।

उपाय

- चंद्र देव की उपासना करें और चंद्र यंत्र धारण करें।
- पलाश अथवा ढाक की समिधा से हवन करें।

फरवरी 22, 2022 – मार्च 15, 2022 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

सुख–संपत्ति से आपको वंचित रहना पड़ सकता है। आर्थिक क्षेत्र में भी आपको संभलकर चलना होगा। आपके खर्चों में वृद्धि की संभावना है। अनावश्यक कार्यों में पैसा अधिक खर्च हो सकता है। अचानक आपको धन की हानि भी हो सकती है। पैतृक संपत्ति के खोने अथवा उसमें कमी होने का भय है।

करियर

कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी। इस समय आपके प्रतिद्वंदी आपसे अधिक बलवान होंगे। सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। इस समय अपनी असफलता पर निराश न हों, बलकि इस समय और कड़ी मेहनत कर चुनौतियों को मात दें। इस अवधि में गलत कार्य आपको अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

मंगल की यह स्थिति आपके पिताजी के लिए कष्टकारी रह सकती है। उन्हें परिवार से दूर रहना भी पड़ सकता है। इसके अलावा उनको किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। संकट के समय परिजनों के द्वारा आशानुरूप मदद मिलने की संभावना कम है इसलिए आपको स्वयं ही संकट से निकलने का रास्ता तलाशना होगा। भाई–बहनों से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी से मतभेद होने की संभावना है। किसी कारणवश आपको अपने परिवार से दूर जाना पड़ सकता है। घर में किसी क्लेश की स्थिति पैदा हो सकती है। पारिवारिक मसलों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको मानसिक पीड़ा से गुजरना पड़ सकता है, इसका बुरा असर आपकी सेहत पर भी दिखाई दे सकता है। आग से दूरी बनाए रखें और मन में किसी प्रकार की टेंशन को न पालें। द्रवीय पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें और योग और कसरत को अपनी दिनचर्या में जोड़ें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- प्रॉपर्टी में निवेश करने का प्रयास करें।
- देशभक्ति की भावना अपने हृदय में बनाए रखें।

क्या न करें

- अपनी माता अथवा परिवार के अन्य लोगों से झगड़ा ना करें।
- माता जी की सेहत को नजरअंदाज बिल्कुल ना करें।

उपाय

- ऋण हर्ता गणेश स्त्रोत का पाठ करें।
- मंगलवार के दिन तांबे के पात्र का दान करें।

मार्च 15, 2022 – मई 09, 2022 दशा राहू

आर्थिक जीवन

आपको धन संबंधी मामलों में अच्छे फल मिलने की संभावना है। नौकरी अथवा व्यवसाय में लाभ प्राप्ति के लिए किये जाने वाले प्रयास सफल होंगे। यदि आप काफी समय से प्रयास करते आ रहे हैं, तो इस अवधि में आपको अपने आपकी मेहनत का फल धन के रूप में मिलेगा।

करियर

इस समय कार्य के प्रति आपका मन कम लगेगा और मन में किसी भी तरह के भ्रम की स्थिति भी रह सकती है। इस अवधि में आपको नौकरी जाने का भय रह सकता है। सावधान, आपके सहकर्मी आपको धोखा दे सकते है। जल्दबाजी या हड़बड़ी में कोई भी कार्य न करें। इससे आपको ही नुकसान होगा।

पारिवारिक जीवन

घरेलू जीवन सामान्य गति से चलता रहेगा, हालांकि घर में शांति और सामंजस्य बना रहे, इसके लिए आपको प्रयासरत रहना होगा। इस अवधि में पिता के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे और उनके आशीर्वाद से आप तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। वे हर परिस्थिति में आपके साथ खड़े रहेंगे और आपका मार्गदर्शन करेंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

ध्यान रखें, इस अवधि में विपरीत लिंग के लोगों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। हालांकि वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी से पूरा साथ मिलेगा। दोनों के बीच बढिया तालमेल दिखाई देगा। परंतु छोटी–मोटी तकरार भी देखने को मिल सकती है। अपने लाइफ पार्टनर की सेहत का ख्याल करें।

स्वास्थ्य

इस दौरान आपको कोई गुप्त रोग होने की आशंका है, लिहाजा अपनी सेहत का ख्याल रखें। घर में भी परिजनों के स्वास्थ्य में कमी देखी जा सकती है। इस अवधि में आप थोड़े चंताग्रस्त हो सकते हैं। हालांकि परिस्थितियाँ जल्द ही सुधरेंगी और आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने घर की छत नियमित रूप से साफ रखें।
- निर्णय लेते समय किसी समझदार व्यक्ति की सलाह अवश्य लें और उस पर अमल करें।

क्या न करें

- किसी से कोई भी वस्तु मुफ्त में ना ले।
- स्वयं के आगे बढ़ने की चाह में कोई गलत मार्ग ना चुनें ।

उपाय

- बाजरा लेकर उसे जमीन पर रखकर किसी वजनी वस्तु से दबा दें।
- दूर्वा को समिधा बनाकर हवन करें।

मई 09, 2022 – जून 27, 2022 दशा गुरू

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपको बिजनेस में कुछ सुखद और लाभकारी परिवर्तन देखने को मिलेंगे। इनके परिणामस्वरुप आपको धन लाभ होगा। हालांकि इसके लिए आपको अपने प्रयास जारी रखने होंगे। इस अवधि में समाज में आपकी प्रतिष्ठा और लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके फलस्वरुप उच्च वर्ग के लोगों से आपके संपर्क बनेंगे और उनके माध्यम से आपको लाभ प्राप्त होगा।

करियर

दसवें भाव में गुरु आपके व्यापार को बढ़ाएगा अथवा आप नौकरी में तरक्की करेंगे। इस संबंध में आपको कई यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। विदेश यात्रा पर भी जाना संभव है। इस समय आपको कोई उच्च पद प्राप्त हो सकता है। समाज के प्रभुत्वशाली लोगों से आपकी मित्रता बढ़ेगी। आपकी कामयाबी कुछ लोगों को खटक सकती है, इसलिए उनसे सावधान रहने की आवश्यकता होगी। वहीं शत्रुओं से भी सतर्क रहना होगा। वे आपके खलिाफ कोई साजशि रच सकते हैं। यदि किसी कारणवश आपकी राह में अड़चन आती है तो बुजुर्गों की सलाह लें।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। परिजनों के बीच स्नेह का भाव देखने को मिलेगा। भाई–बहनों को उनके कार्यक्षेत्र में तरक्की मिलने की संभावना है। उन्हें धन लाभ प्राप्त होने के योग हैं। वहीं समाज में आपके पिताजी का सम्मान बढ़ेगा। इस समय में मॉ के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। मॉ की सलाह हर कार्य में आपके लिए लाभदायक रहेगी।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यदि विवाहित हैं तो जीवसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। दोनों के बीच प्रेम बढ़ेगा। हालांकि कभी–कभार किसी बात को लेकर छोटी–मोटी तकरार भी देखने को मिल सकती है। वहीं कार्यक्षेत्र में व्यस्तता के चलते आप जीवनसाथी को समय कम दे पाएंगे। यदि आपका प्रेम–प्रसंग चल रहा है तो कुछ समय के लिए प्रियतम से दूर रहना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य जीवन भी अच्छा रहेगा। इस अवधि में आपको सेहत से जुड़ी समस्याएं परेशान नहीं करेंगी। आपको किसी भी तरह के विकार का सामना नहीं करना पड़ेगा। यदि आप पहले से अस्वस्थ चल रहे हैं तो इस अवधि में सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने कार्य क्षेत्र में सहकर्मियों की यथा संभव सहायता करें।
- अपने कार्यक्षेत्र और पारिवारिक जीवन में संतुलन स्थापित करें।

क्या न करें

- जो भी कार्य मिले उसे मन से करें स्वयं सब जानते हैं ऐसा प्रदर्शन ना करें।
- उचित मौकों पर सलाह देने से ना चूकें।

उपाय

- गुरु बृहस्पति के बीज मंत्र का जाप करें।
- बृहस्पतिवार के दिन केले का फल दान करें।

जून 27, 2022 – अगस्त 24, 2022 दशा शनि

आर्थिक जीवन

अपने आर्थिक पक्ष को लेकर आप प्रसन्न रहेंगे। भाई–बहनों के द्वारा आपको आर्थिक लाभ होने के योग हैं। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होने से आप अपना पुराना हिसाब–किताब चुक्ता कर सकते हैं। वहीं यदि आपने बैंक में लोन के लिए आवेदन किया है तो उसमें आपको सफलता मिलेगी।

करियर

करियर के लिए यह अवधि एक सुनहरे अवसर की तरह होगी। बस आपको इस समय का लाभ उठाना होगा। इस दौरान सरकारी अफसरों और समाज के प्रभावी लोगों से संबंध मधुर होंगे। लम्बी यात्रा आपके लिए फायदेमंद रहेगी। आपके मित्र व सहयोगी आपकी पूरी सहायता करेंगे। नए व्यापार करने या नौकरी बदलने की पूरी संभावना है। विरोधी आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएगें।

पारिवारिक जीवन

इस अवधि में माता पिता से आपके संबंध बहुत मधुर रहने के संकेत मिल रहे हैं। इस आप अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को भी समझेंगे और उन्हें निभाने का भी प्रयास करेंगे। अपने इसी स्वभाव के कारण आप अपने घर वालों के लिए प्रिय

रहेंगे। परिवार में उतार–चढ़ाव की परिस्थिति का भी सामना करना पड़ सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए यह अच्छा समय रहेगा। आप अपने जीवनसाथी के प्रति अधिक वफादार रहेंगे। वहीं प्रेम जीवन में आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। परंतु ऐसा भी संभव है कि आपका साथी आप को पूर्ण रुप से वफादार ना माने। ऐसे में वह आपकी परीक्षा भी ले सकता है।

स्वास्थ्य

इस दौरान आपको छोटी–मोटी बीमारियाँ लगी रहेंगी और बीच–बीच में आप अपने आपको एक दम फिट भी महसूस करेंगे। खुद को ताजगी का अहसास दिलाने के लिए आप किसी ट्रिप पर भी जा सकते हैं। इससे आपका मानसिक तनाव भी दूर होगा। तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। सेहत में गिरावट होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- जीवन में सफलता के लिए सुदूर देशों का भ्रमण करें।
- अधिक यात्राओं के दौरान सेहत का पूरा ध्यान रखें।

क्या न करें

- स्वयं की कार्य–कुशलता पर संदेह करने से बचे।
- व्यर्थ में दूसरों की आलोचना करने से बचे।

उपाय

- काले तिलों का दान करें।
- शिव स्त्रोत्र का पाठ करें।

।। शोडषवर्ग तालिका ।।

क्र.सं.	शोडषवर्ग	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	यूरे	नेप	प्लू
1	लग्न	2	5	1	6	4	4	6	5	6	12	7	8	6
2	भ्वतं	5	5	4	5	5	4	5	5	4	4	4	5	5
3	द्रेष्काण	6	5	5	10	12	4	2	5	6	12	11	4	2
4	चतुर्थांश	8	5	7	12	1	4	3	8	6	12	1	2	12
5	सप्तमांश	11	6	4	4	4	10	5	7	0	6	11	6	4
6	नवमांश	2	3	5	3	12	5	4	3	11	5	12	10	4
7	दशमांश	3	7	6	8	9	1	9	8	3	9	1	11	9
8	द्वादशांश	8	7	7	1	3	5	2	8	7	1	2	4	2
9	षोडशांश	1	8	9	6	4	3	9	10	11	11	11	4	8
10	विंशांश	7	1	11	5	7	3	8	3	8	8	1	11	7
11	चतुर्विंशांश	4	10	6	6	2	7	10	12	7	7	8	9	9
12	सप्तविंशाश	5	7	3	8	11	1	12	9	8	2	12	5	11
13	त्रिंशांश	12	11	9	12	8	2	10	11	2	2	3	10	10
14	खवेदांश	3	9	10	7	8	12	1	2	1	1	2	12	11
15	अक्षवेदांश	4	3	1	1	7	6	7	7	3	3	5	1	4
16	षष्टयंश	9	6	9	7	12	11	3	12	3	9	9	3	12

शोडषवर्ग भाव तालिका

क्र.सं.	शोडषवर्ग	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	यूरे	नेप	प्लू
1	लग्न	1	4	12	5	3	3	5	4	5	11	6	7	5
2	भ्वतं	1	1	12	1	1	12	1	1	12	12	12	1	1
3	द्रेष्काण	1	12	12	5	7	11	9	12	1	7	6	11	9
4	चतुर्थांश	1	10	12	5	6	9	8	1	11	5	6	7	5
5	सप्तमांश	1	8	6	6	6	12	7	9	2	8	1	8	6
6	नवमांश	1	2	4	2	11	4	3	2	10	4	11	9	3
7	दशमांश	1	5	4	6	7	11	7	6	1	7	11	9	7
8	द्वादशांश	1	12	12	6	8	10	7	1	12	6	7	9	7
9	षोडशांश	1	8	9	6	4	3	9	10	11	11	11	4	8
10	विंशांश	1	7	5	11	1	9	2	9	2	2	7	5	1
11	चतुर्विंशांश	1	7	3	3	11	4	7	9	4	4	5	6	6
12	सप्तविंशाश	1	3	11	4	7	9	8	5	4	10	8	1	7
13	त्रिंशांश	1	12	10	1	9	3	11	12	3	3	4	11	11
14	खवेदांश	1	7	8	5	6	10	11	12	11	11	12	10	9
15	अक्षवेदांश	1	12	10	10	4	3	4	4	12	12	2	10	1
16	षष्टयंश	1	10	1	11	4	3	7	4	7	1	1	7	4

|| शोडषवर्ग कुण्डलियाँ ||

लग्न चक्र

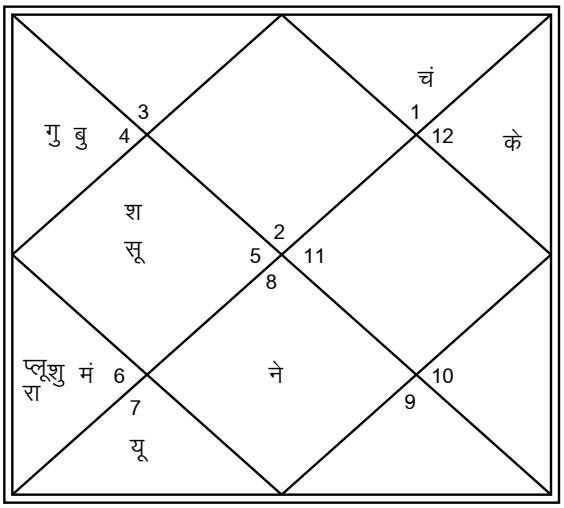

होरा–धन–सम्पत्ति

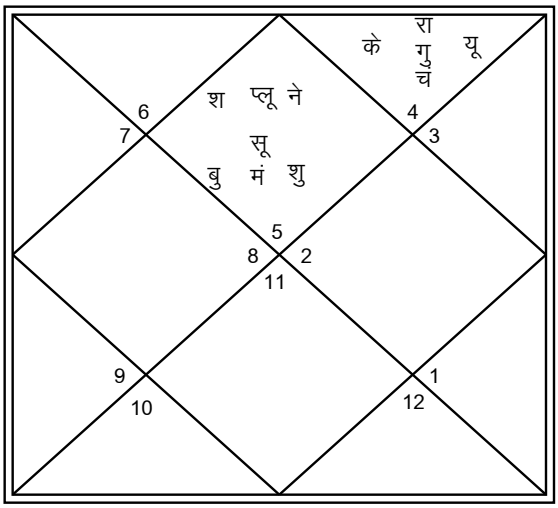

द्रेष्काण–भाई–बहन

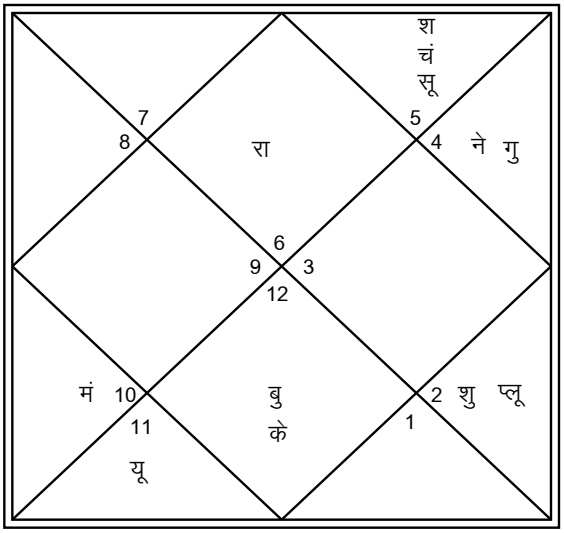

चतुर्थांश–भाग्य

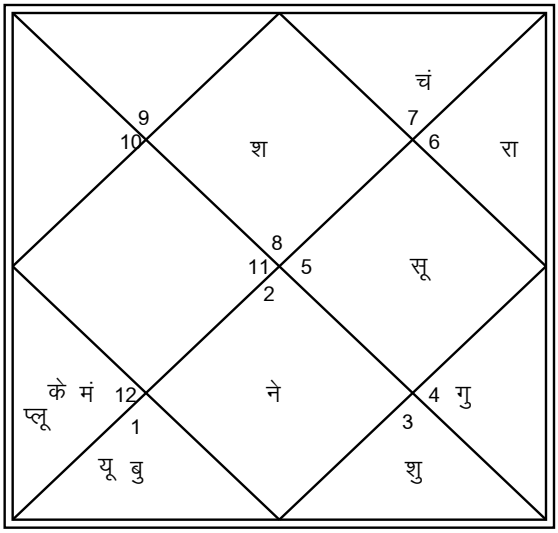

सप्तमांश–बच्चे

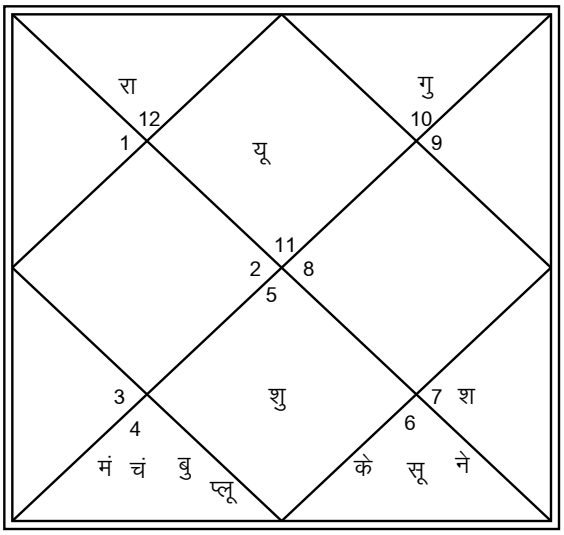

नवमांश–पति–पत्नी

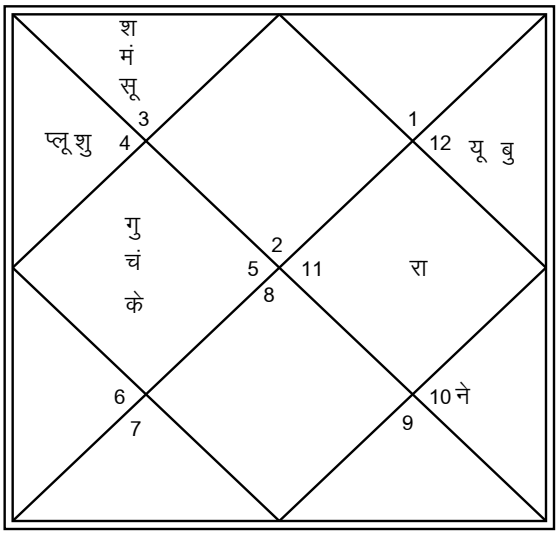

।। शोडषवर्ग कुण्डलियाँ ।।

दशमांश–व्यवसाय

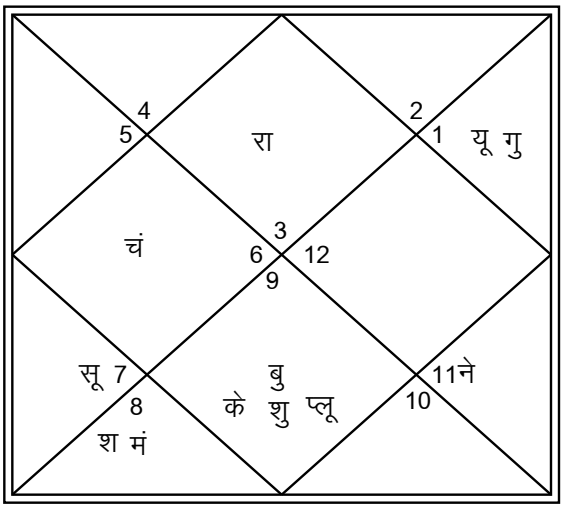

द्वादशांश–माता–पिता

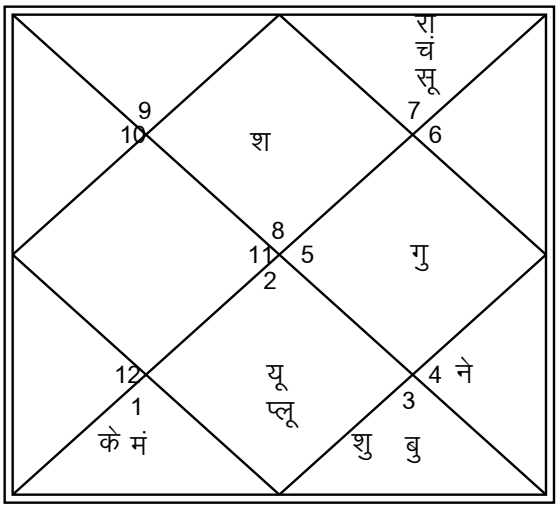

षोडशांश–वाहन

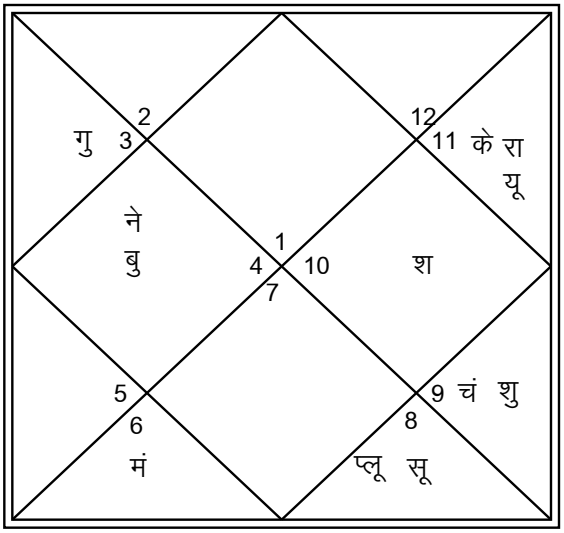

विंशांश–धार्मिक रुचि

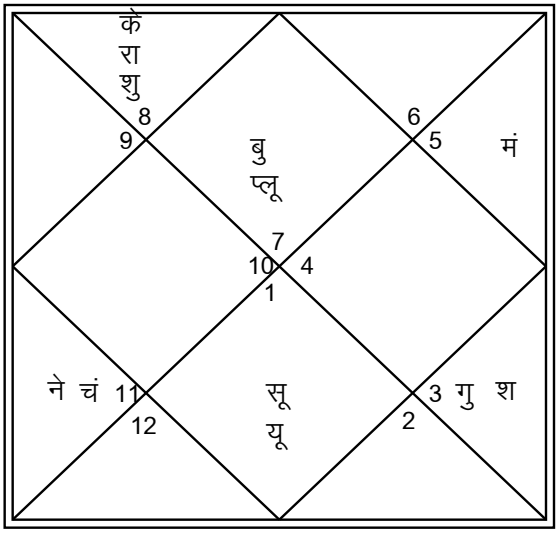

सप्तविंशाश–बल

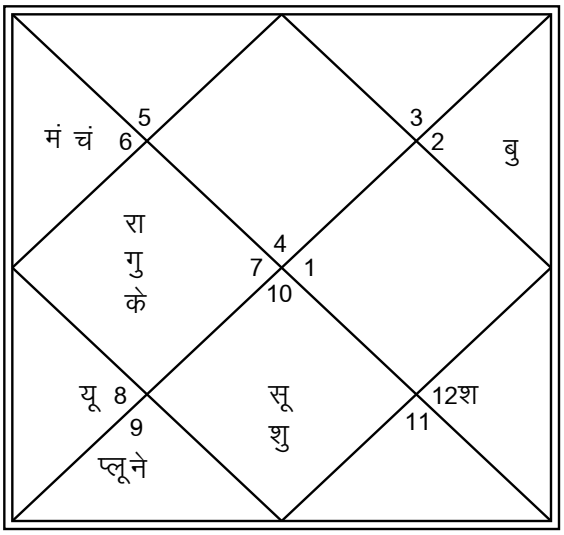

चतुर्विंशांश–शिक्षा

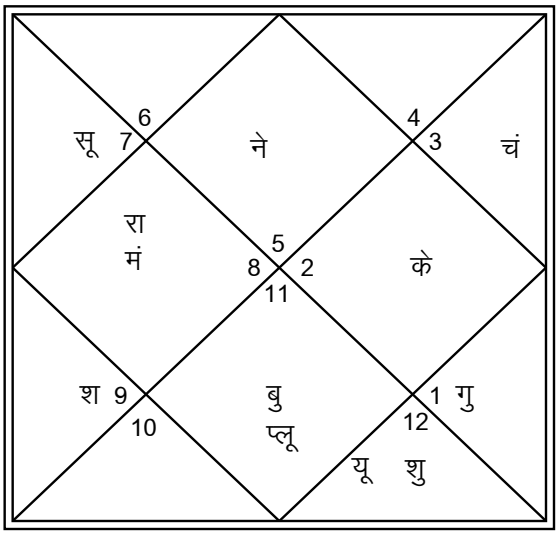

|| शोडषवर्ग कुण्डलियाँ ||

त्रिंशांश–दुर्भाग्य

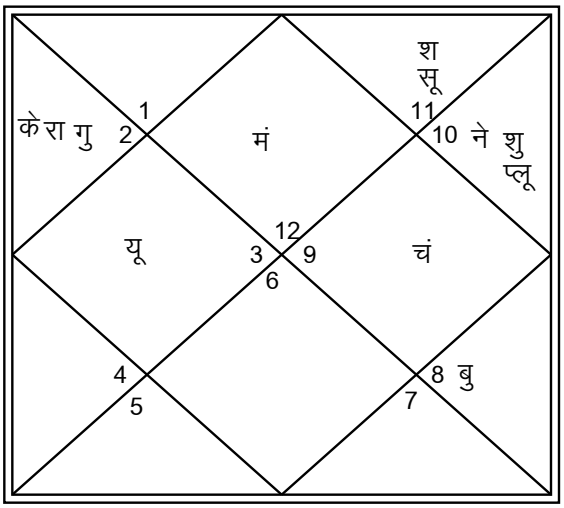

खवेदांश–शुभ फल

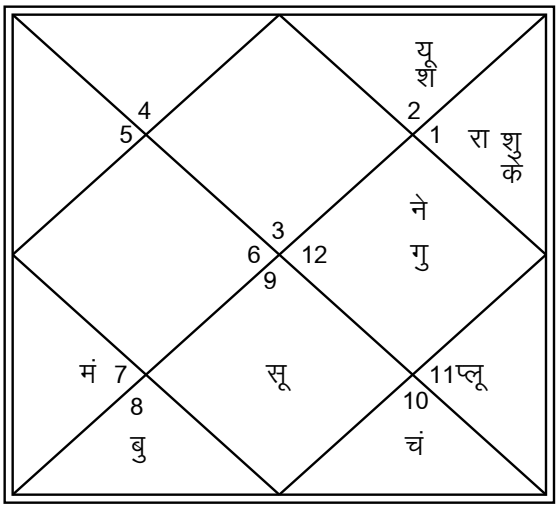

अक्षवेदांश–सामान्य जीवन

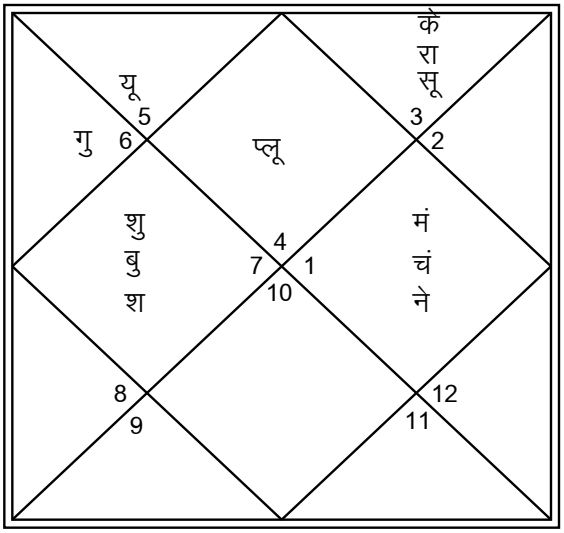

षष्टयंश–सामान्य जीवन

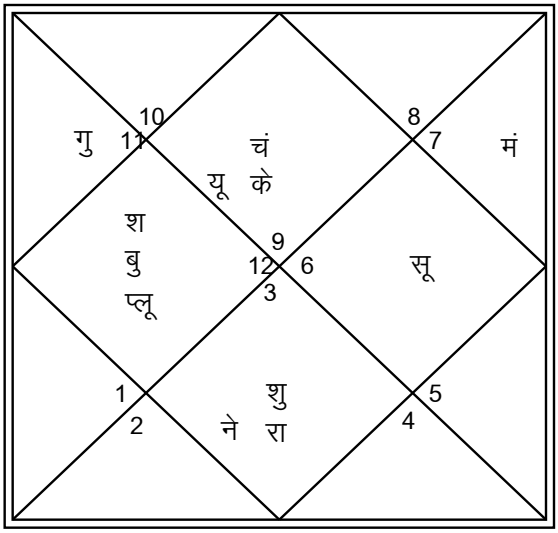

|| मैत्री चक्र ||

नैसर्गिक मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
सूर्य	...	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	...	सम	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	...	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	मित्र	शत्रु	सम	...	सम	मित्र	सम
गुरू	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	...	शत्रु	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	...	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	...

तात्कालिक मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
सूर्य	...	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
चंद्र	शत्रु	...	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	शत्रु	...	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	मित्र	मित्र	...	शत्रु	मित्र	मित्र
गुरू	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	...	मित्र	मित्र
शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	...	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	...

पंचधा मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
सूर्य	...	सम	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	सम	अतिशत्रु
चंद्र	सम	...	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	अतिमित्र	सम	...	सम	अतिमित्र	शत्रु	मित्र
बुध	अतिमित्र	सम	मित्र	...	शत्रु	अतिमित्र	मित्र
गुरू	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिशत्रु	...	सम	मित्र
शुक्र	सम	अतिशत्रु	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	...	अतिमित्र
शनि	अतिशत्रु	अतिशत्रु	सम	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	...

।। षड्बल एवं भावबल तालिका ।।

षड्बल, वैदिक ज्योतिष में एक विधि है जो ग्रहों और घरों की ताकत में त्वरित जानकारी देता है। संस्कृत, इसका मतलब है छह इसलिए षड्बल ताकत के 6 विभिन्न स्रोतों के होते हैं। षड्बल गणना एक थका देने वाली प्रक्रिया है लेकिन कंप्यूटर को एक धन्यवाद जो सिर्फ एक माउस क्लिक करके इन ताकत की गणना को प्राप्त कर सकते हैं। षड्बल विधि प्रत्येक ग्रह और प्रत्येक घर के लिए एक मूल्य देता है। अधिक अंक एक घर और एक ग्रह में प्राप्त होते है तो षड्बल मजबूत होता है।

षड्बल तालिका

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
उच्च बल	21.1	54.46	16.89	44.43	59.64	1.44	36.66
सप्तवर्गज बल	144.38	97.5	112.5	90	135	121.88	88.12
ओजयुग्मरस्यांश बल	30	0	15	0	15	30	30
केन्द्र बल	60	15	30	15	15	30	60
द्रेष्काण बल	1	1	1	1	1	1	1
कुल स्थान बल	270.47	166.96	174.39	149.43	239.64	198.32	214.78
कुल दिग्बल	2.63	25.86	16.62	35.74	43.86	42.04	28.15
नतोनंत बल	2.55	57.45	57.45	60	2.55	2.55	57.45
पक्ष बल	23.23	23.23	23.23	36.77	36.77	36.77	23.23
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	60	0
अब्द बल	15	0	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	0	0	0	30	0
वार बल	0	0	0	45	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	60	0	0
अयन बल	89.04	11.22	23.85	48.04	56.32	21.87	17.02
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल काल बल	129.81	91.9	104.53	189.81	215.64	151.19	97.7
कुल चेष्टा बल	39.91	36.77	19.68	44.21	12.46	37.71	0.1
कुल नैसर्गिक बल	60	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
कुल द्रिक् बल	9.06	-5.06	8.55	9.76	8.63	11.05	9.06
कुल षड्बल	511.89	367.86	340.93	454.69	554.49	483.16	358.37
षड्बल (रुपस)	8.53	6.13	5.68	7.58	9.24	8.05	5.97
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	6.5	5.5	5
अनुपात	1.71	1.02	1.14	1.08	1.42	1.46	1.19
सापेक्षिक क्रम	1	7	5	6	3	2	4

भावबल तालिका

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपती बल	483.16	454.69	367.86	511.89	454.69	483.16	340.93	554.49	358.37	358.37	554.49	340.93
भाव दिग्बल	30	50	50	60	20	10	60	10	50	0	10	40
भावदृष्टि बल	-13.82	-7.81	8.75	9.7	21.51	72.12	74.95	23.51	71.98	90.02	76.23	22.06
कुल भाव बल	499.34	496.88	426.61	581.59	496.2	565.27	475.88	587.99	480.35	448.39	640.72	402.99
कुल भाव बल (रुपस में)	8.32	8.28	7.11	9.69	8.27	9.42	7.93	9.8	8.01	7.47	10.68	6.72
सापेक्षिक क्रम	5	6	11	3	7	4	9	2	8	10	1	12

|| केपी पद्धति ||

नाम	Pooja Sharma			**सूर्योदय**	05. 54. 14	**दशा भोग्य**	Venus 15 Y 5 M 1
लिंग	Female	**रेखांश**	77.13.E	**तिथि**	षष्ठी	**सूर्यास्त**	18. 53. 28
दिनांक	23.8.1978	**अक्षांश**	28.40.N	**योग**	वृद्धि	**करण**	वणिज
दिन	बुधवार	**जन्म स्थान**	Delhi	**लग्न**	वृषभ	**लग्न स्वामी**	शुक्र
समय	23.53.18	**अयनांश**	023-28-06	**राशि**	मेष	**राशि स्वामी**	मंगल
साम्पातिक काल	21.38.53	**अयनांश नाम**	केपी	**नक्षत्र**	भरणी–1	**नक्षत्र स्वामी**	शुक्र

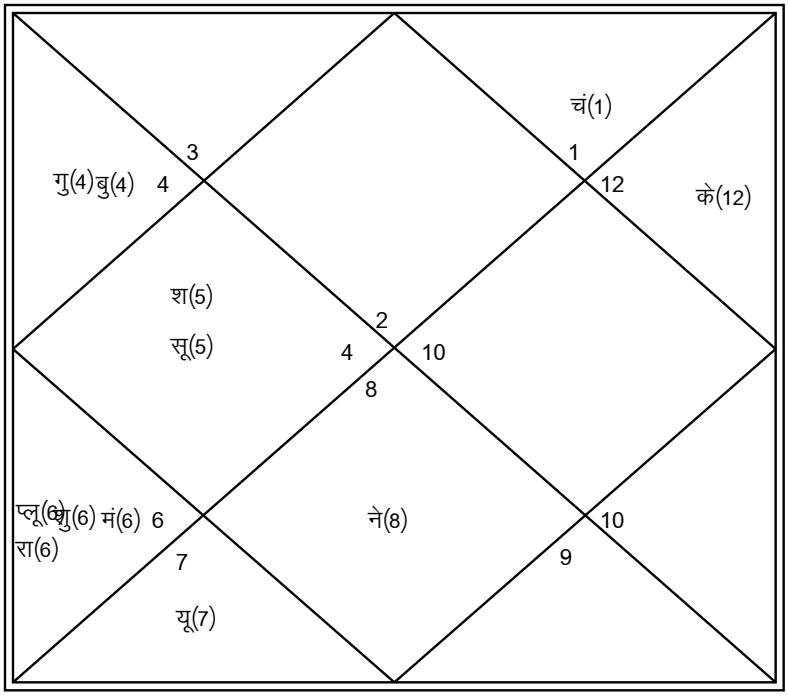

शासक ग्रह

ग्रह	राशि स्वामी	नक्षत्र	सब स्वामी
लग्न	शुक्र	चंद्र	गुरू
चन्द्र	मंगल	शुक्र	चंद्र
दिन स्वामी		बुध	

भाव स्थिति

भाव	डिग्री	राशि	नक्षत्र	सब स्वामी	सब स्वामी
1	045.35.37	शुक्र	चंद्र	गुरू	राहु
2	070.03.35	बुध	राहु	गुरू	चंद्र
3	093.13.51	चंद्र	गुरू	राहु	मंगल
4	118.53.48	चंद्र	बुध	शनि	शुक्र
5	150.17.12	बुध	सूर्य	राहु	बुध
6	187.50.31	शुक्र	राहु	राहु	केतु
7	225.35.37	मंगल	शनि	गुरू	बुध
8	250.03.35	गुरू	केतु	शनि	केतु
9	273.13.51	शनि	सूर्य	शनि	शनि
10	298.53.48	शनि	मंगल	शनि	शुक्र
11	330.17.12	गुरू	गुरू	चंद्र	केतु
12	007.50.31	मंगल	केतु	गुरू	शनि

ग्रह स्थिति

ग्रह	डिग्री	राशि	नक्षत्र	सब स्वामी	सब स्वामी
सूर्य	126.47.53	सूर्य	केतु	राहु	केतु
चन्द्र	016.28.33	मंगल	शुक्र	चंद्र	राहु
मंगल	168.46.11	बुध	चंद्र	बुध	मंगल
बुध	118.22.06	चंद्र	बुध	शनि	बुध
गुरू	094.00.03	चंद्र	शनि	शनि	केतु
शुक्र	172.46.05	बुध	चंद्र	सूर्य	मंगल
शनि	130.03.20	सूर्य	केतु	शनि	केतु
राहू	154.39.03	बुध	सूर्य	शनि	राहु
केतु	334.39.03	गुरू	शनि	शनि	चंद्र
अरूण	199.20.52	शुक्र	राहु	मंगल	राहु
वरूण	232.03.50	मंगल	बुध	सूर्य	बुध
यम	171.24.57	बुध	चंद्र	शुक्र	राहु

शुक्र –20 वर्ष
23/ 8/78 से 25/ 1/94

शुक्र	00/00/00
सूर्य	25/5/78
चंद्र	25/1/80
मंगल	25/3/81
राहु	25/3/84
गुरू	25/11/86
शनि	25/1/90
बुध	25/11/92
केतु	25/1/94

सूर्य –6 वर्ष
25/ 1/94 से 25/ 1/00

सूर्य	13/5/94
चंद्र	13/11/94
मंगल	19/3/95
राहु	13/2/96
गुरू	1/12/96
शनि	13/11/97
बुध	19/9/98
केतु	25/1/99
शुक्र	25/1/00

चंद्र –10 वर्ष
25/ 1/00 से 25/ 1/10

चंद्र	25/11/00
मंगल	25/6/01
राहु	25/12/02
गुरू	25/4/04
शनि	25/11/05
बुध	25/4/07
केतु	25/11/07
शुक्र	25/7/09
सूर्य	25/1/10

मंगल –7 वर्ष
25/ 1/10 से 25/ 1/17

मंगल	22/6/10
राहु	10/7/11
गुरू	16/6/12
शनि	25/7/13
बुध	22/7/14
केतु	19/12/14
शुक्र	19/2/16
सूर्य	25/6/16
चंद्र	25/1/17

राहु –18 वर्ष
25/ 1/17 से 25/ 1/35

राहु	7/10/19
गुरू	1/3/22
शनि	7/1/25
बुध	25/7/27
केतु	13/8/28
शुक्र	13/8/31
सूर्य	7/7/32
चंद्र	7/1/34
मंगल	25/1/35

गुरू –16 वर्ष
25/ 1/35 से 25/ 1/51

गुरू	13/3/37
शनि	25/9/39
बुध	1/1/42
केतु	7/12/42
शुक्र	7/8/45
सूर्य	25/5/46
चंद्र	25/9/47
मंगल	1/9/48
राहु	25/1/51

शनि –19 वर्ष
25/ 1/51 से 25/ 1/70

शनि	28/1/54
बुध	7/10/56
केतु	16/11/57
शुक्र	16/1/61
सूर्य	28/12/61
चंद्र	28/7/63
मंगल	7/9/64
राहु	13/7/67
गुरू	25/1/70

बुध –17 वर्ष
25/ 1/70 से 25/ 1/87

बुध	22/6/72
केतु	19/6/73
शुक्र	19/4/76
सूर्य	25/2/77
चंद्र	25/7/78
मंगल	22/7/79
राहु	10/2/82
गुरू	16/5/84
शनि	25/1/87

केतु –7 वर्ष
25/ 1/87 से 25/ 1/94

केतु	22/6/87
शुक्र	22/8/88
सूर्य	28/12/88
चंद्र	28/7/89
मंगल	25/12/89
राहु	13/1/91
गुरू	19/12/91
शनि	28/1/93
बुध	25/1/94

घर के कारक ग्रह

भाव	ग्रह
1	चं शु
2	बु
3	चं मं बु गु शु
4	सू चं मं गु शु श रा के
5	चं मं बु शु रा
6	चं शु
7	मं
8	गु
9	गु श के
10	गु श के
11	सू गु श के
12	चं मं शु

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	4 11
चन्द्र	1 3 4 5 6 12
मंगल	3 4 5 7 12
बुध	2 3 5
गुरू	3 4 8 9 10 11
शुक्र	1 3 4 5 6 12
शनि	4 9 10 11
राहू	4 5
केतु	4 9 10 11

दशा भोग्य: Venus 15 Y 5 M 1 D

विंशोत्तरी दशा

अयनांश नामः लाहिरी

शुक्र — चंद्र 23/ 8/78 से 25/ 1/80		शुक्र — मंगल 25/ 1/80 से 25/ 3/81		शुक्र — राहु 25/ 3/81 से 25/ 3/84		शुक्र — गुरू 25/ 3/84 से 25/11/86		शुक्र — शनि 25/11/86 से 25/ 1/90	
चंद्र	00/00/00	मंगल	19/2/80	राहु	7/9/81	गुरू	3/8/84	शनि	25/5/87
मंगल	00/00/00	राहु	22/4/80	गुरू	1/2/82	शनि	5/1/85	बुध	7/11/87
राहु	20/11/78	गुरू	18/6/80	शनि	22/7/82	बुध	21/5/85	केतु	13/1/88
गुरू	10/2/79	शनि	25/8/80	बुध	25/12/82	केतु	17/7/85	शुक्र	23/7/88
शनि	15/5/79	बुध	24/10/80	केतु	28/2/83	शुक्र	27/12/85	सूर्य	20/9/88
बुध	10/8/79	केतु	19/11/80	शुक्र	28/8/83	सूर्य	15/2/86	चंद्र	25/12/88
केतु	15/9/79	शुक्र	29/1/81	सूर्य	22/10/83	चंद्र	5/5/86	मंगल	2/3/89
शुक्र	25/12/79	सूर्य	20/2/81	चंद्र	22/1/84	मंगल	1/7/86	राहु	23/8/89
सूर्य	25/1/80	चंद्र	25/3/81	मंगल	25/3/84	राहु	25/11/86	गुरू	25/1/90

शुक्र — बुध 25/ 1/90 से 25/11/92		शुक्र — केतु 25/11/92 से 25/ 1/94		सूर्य — सूर्य 25/ 1/94 से 13/ 5/94		सूर्य — चंद्र 13/ 5/94 से 13/11/94		सूर्य — मंगल 13/11/94 से 19/ 3/95	
बुध	19/6/90	केतु	19/12/92	सूर्य	30/1/94	चंद्र	28/5/94	मंगल	20/11/94
केतु	19/8/90	शुक्र	1/3/93	चंद्र	9/2/94	मंगल	8/6/94	राहु	9/12/94
शुक्र	9/2/91	सूर्य	20/3/93	मंगल	16/2/94	राहु	5/7/94	गुरू	26/12/94
सूर्य	30/3/91	चंद्र	25/4/93	राहु	2/3/94	गुरू	29/7/94	शनि	16/1/95
चंद्र	25/6/91	मंगल	20/5/93	गुरू	16/3/94	शनि	28/8/94	बुध	4/2/95
मंगल	24/8/91	राहु	23/7/93	शनि	3/4/94	बुध	23/9/94	केतु	11/2/95
राहु	27/1/92	गुरू	19/9/93	बुध	19/4/94	केतु	4/10/94	शुक्र	2/3/95
गुरू	13/6/92	शनि	25/11/93	केतु	25/4/94	शुक्र	4/11/94	सूर्य	8/3/95
शनि	25/11/92	बुध	25/1/94	शुक्र	13/5/94	सूर्य	13/11/94	चंद्र	19/3/95

सूर्य — राहु 19/ 3/95 से 13/ 2/96		सूर्य — गुरू 13/ 2/96 से 1/12/96		सूर्य — शनि 1/12/96 से 13/11/97		सूर्य — बुध 13/11/97 से 19/ 9/98		सूर्य — केतु 19/ 9/98 से 25/ 1/99	
राहु	8/5/95	गुरू	21/3/96	शनि	25/1/97	बुध	26/12/97	केतु	26/9/98
गुरू	21/6/95	शनि	7/5/96	बुध	14/3/97	केतु	14/1/98	शुक्र	17/10/98
शनि	12/8/95	बुध	18/6/96	केतु	3/4/97	शुक्र	5/3/98	सूर्य	24/10/98
बुध	28/9/95	केतु	5/7/96	शुक्र	30/5/97	सूर्य	20/3/98	चंद्र	4/11/98
केतु	17/10/95	शुक्र	23/8/96	सूर्य	18/6/97	चंद्र	16/4/98	मंगल	11/11/98
शुक्र	11/12/95	सूर्य	7/9/96	चंद्र	16/7/97	मंगल	4/5/98	राहु	30/11/98
सूर्य	27/12/95	चंद्र	1/10/96	मंगल	6/8/97	राहु	20/6/98	गुरू	17/12/98
चंद्र	24/1/96	मंगल	18/10/96	राहु	27/9/97	गुरू	30/7/98	शनि	7/1/99
मंगल	13/2/96	राहु	1/12/96	गुरू	13/11/97	शनि	19/9/98	बुध	25/1/99

विंशोत्तरी दशा

दशा भोग्यः Venus 15 Y 5 M 1 D

अयनांश नामः लाहिरी

सूर्य — शुक्र 25/ 1/99 से 25/ 1/00		चंद्र — चंद्र 25/ 1/00 से 25/11/00		चंद्र — मंगल 25/11/00 से 25/ 6/01		चंद्र — राहु 25/ 6/01 से 25/12/02		चंद्र — गुरू 25/12/02 से 25/ 4/04	
शुक्र	25/3/99	चंद्र	20/2/00	मंगल	7/12/00	राहु	16/9/01	गुरू	1/3/03
सूर्य	13/4/99	मंगल	7/3/00	राहु	9/1/01	गुरू	28/11/01	शनि	15/5/03
चंद्र	13/5/99	राहु	22/4/00	गुरू	7/2/01	शनि	23/2/02	बुध	23/7/03
मंगल	4/6/99	गुरू	2/6/00	शनि	10/3/01	बुध	10/5/02	केतु	21/8/03
राहु	28/7/99	शनि	20/7/00	बुध	10/4/01	केतु	11/6/02	शुक्र	11/11/03
गुरू	16/9/99	बुध	2/9/00	केतु	22/4/01	शुक्र	11/9/02	सूर्य	5/12/03
शनि	13/11/99	केतु	20/9/00	शुक्र	27/5/01	सूर्य	8/10/02	चंद्र	15/1/04
बुध	4/1/00	शुक्र	10/11/00	सूर्य	7/6/01	चंद्र	23/11/02	मंगल	13/2/04
केतु	25/1/00	सूर्य	25/11/00	चंद्र	25/6/01	मंगल	25/12/02	राहु	25/4/04

चंद्र — शनि 25/ 4/04 से 25/11/05		चंद्र — बुध 25/11/05 से 25/ 4/07		चंद्र — केतु 25/ 4/07 से 25/11/07		चंद्र — शुक्र 25/11/07 से 25/ 7/09		चंद्र — सूर्य 25/ 7/09 से 25/ 1/10	
शनि	25/7/04	बुध	7/2/06	केतु	7/5/07	शुक्र	5/3/08	सूर्य	4/8/09
बुध	16/10/04	केतु	7/3/06	शुक्र	12/6/07	सूर्य	5/4/08	चंद्र	19/8/09
केतु	19/11/04	शुक्र	2/6/06	सूर्य	23/6/07	चंद्र	25/5/08	मंगल	29/8/09
शुक्र	24/2/05	सूर्य	27/6/06	चंद्र	10/7/07	मंगल	30/6/08	राहु	26/9/09
सूर्य	23/3/05	चंद्र	10/8/06	मंगल	22/7/07	राहु	30/9/08	गुरू	20/10/09
चंद्र	10/5/05	मंगल	10/9/06	राहु	24/8/07	गुरू	20/12/08	शनि	19/11/09
मंगल	13/6/05	राहु	26/11/06	गुरू	22/9/07	शनि	25/3/09	बुध	14/12/09
राहु	9/9/05	गुरू	4/2/07	शनि	25/10/07	बुध	20/6/09	केतु	25/12/09
गुरू	25/11/05	शनि	25/4/07	बुध	25/11/07	केतु	25/7/09	शुक्र	25/1/10

मंगल — मंगल 25/ 1/10 से 22/ 6/10		मंगल — राहु 22/ 6/10 से 10/ 7/11		मंगल — गुरू 10/ 7/11 से 16/ 6/12		मंगल — शनि 16/ 6/12 से 25/ 7/13		मंगल — बुध 25/ 7/13 से 22/ 7/14	
मंगल	4/2/10	राहु	19/8/10	गुरू	25/8/11	शनि	19/8/12	बुध	16/9/13
राहु	26/2/10	गुरू	9/10/10	शनि	18/10/11	बुध	16/10/12	केतु	6/10/13
गुरू	15/3/10	शनि	9/12/10	बुध	6/12/11	केतु	9/11/12	शुक्र	6/12/13
शनि	8/4/10	बुध	2/2/11	केतु	25/12/11	शुक्र	15/1/13	सूर्य	24/12/13
बुध	29/4/10	केतु	24/2/11	शुक्र	21/2/12	सूर्य	5/2/13	चंद्र	23/1/14
केतु	8/5/10	शुक्र	27/4/11	सूर्य	8/3/12	चंद्र	9/3/13	मंगल	14/2/14
शुक्र	2/6/10	सूर्य	16/5/11	चंद्र	6/4/12	मंगल	2/4/13	राहु	8/4/14
सूर्य	10/6/10	चंद्र	18/6/11	मंगल	26/4/12	राहु	2/6/13	गुरू	25/5/14
चंद्र	22/6/10	मंगल	10/7/11	राहु	16/6/12	गुरू	25/7/13	शनि	22/7/14

विंशोत्तरी दशा

दशा भोग्य: Venus 15 Y 5 M 1 D

अयनांश नाम: लाहिरी

मंगल — बुध 25/ 7/13 से 22/ 7/14		मंगल — केतु 22/ 7/14 से 19/12/14		मंगल — शुक्र 19/12/14 से 19/ 2/16		मंगल — सूर्य 19/ 2/16 से 25/ 6/16		मंगल — चंद्र 25/ 6/16 से 25/ 1/17	
बुध	16/ 9/13	केतु	1/ 8/14	शुक्र	1/ 3/15	सूर्य	25/ 2/16	चंद्र	12/ 7/16
केतु	6/10/13	शुक्र	25/ 8/14	सूर्य	20/ 3/15	चंद्र	6/ 3/16	मंगल	25/ 7/16
शुक्र	6/12/13	सूर्य	2/ 9/14	चंद्र	25/ 4/15	मंगल	13/ 3/16	राहु	26/ 8/16
सूर्य	24/12/13	चंद्र	15/ 9/14	मंगल	19/ 5/15	राहु	2/ 4/16	गुरू	24/ 9/16
चंद्र	23/ 1/14	मंगल	23/ 9/14	राहु	22/ 7/15	गुरू	19/ 4/16	शनि	27/10/16
मंगल	14/ 2/14	राहु	15/10/14	गुरू	18/ 9/15	शनि	9/ 5/16	बुध	27/11/16
राहु	8/ 4/14	गुरू	5/11/14	शनि	25/11/15	बुध	27/ 5/16	केतु	9/12/16
गुरू	25/ 5/14	शनि	28/11/14	बुध	24/ 1/16	केतु	4/ 6/16	शुक्र	14/ 1/17
शनि	22/ 7/14	बुध	19/12/14	केतु	19/ 2/16	शुक्र	25/ 6/16	सूर्य	25/ 1/17

राहु — राहु 25/ 1/17 से 7/10/19		राहु — गुरू 7/10/19 से 1/ 3/22		राहु — शनि 1/ 3/22 से 7/ 1/25		राहु — बुध 7/ 1/25 से 25/ 7/27		राहु — केतु 25/ 7/27 से 13/ 8/28	
राहु	21/ 6/17	गुरू	2/ 2/20	शनि	13/ 8/22	बुध	17/ 5/25	केतु	17/ 8/27
गुरू	30/10/17	शनि	19/ 6/20	बुध	9/ 1/23	केतु	11/ 7/25	शुक्र	20/10/27
शनि	4/ 4/18	बुध	21/10/20	केतु	9/ 3/23	शुक्र	14/12/25	सूर्य	9/11/27
बुध	22/ 8/18	केतु	12/12/20	शुक्र	30/ 8/23	सूर्य	29/ 1/26	चंद्र	10/12/27
केतु	19/10/18	शुक्र	6/ 5/21	सूर्य	21/10/23	चंद्र	16/ 4/26	मंगल	2/ 1/28
शुक्र	1/ 4/19	सूर्य	19/ 6/21	चंद्र	16/ 1/24	मंगल	9/ 6/26	राहु	1/ 3/28
सूर्य	19/ 5/19	चंद्र	1/ 9/21	मंगल	16/ 3/24	राहु	27/10/26	गुरू	20/ 4/28
चंद्र	10/ 8/19	मंगल	21/10/21	राहु	20/ 8/24	गुरू	2/ 3/27	शनि	19/ 6/28
मंगल	7/10/19	राहु	1/ 3/22	गुरू	7/ 1/25	शनि	25/ 7/27	बुध	13/ 8/28

राहु — शुक्र 13/ 8/28 से 13/ 8/31		राहु — सूर्य 13/ 8/31 से 7/ 7/32		राहु — चंद्र 7/ 7/32 से 7/ 1/34		राहु — मंगल 7/ 1/34 से 25/ 1/35		गुरू — गुरू 25/ 1/35 से 13/ 3/37	
शुक्र	13/ 2/29	सूर्य	29/ 8/31	चंद्र	22/ 8/32	मंगल	29/ 1/34	गुरू	7/ 5/35
सूर्य	7/ 4/29	चंद्र	26/ 9/31	मंगल	23/ 9/32	राहु	26/ 3/34	शनि	9/ 9/35
चंद्र	7/ 7/29	मंगल	15/10/31	राहु	14/12/32	गुरू	16/ 5/34	बुध	28/12/35
मंगल	10/ 9/29	राहु	4/12/31	गुरू	26/ 2/33	शनि	16/ 7/34	केतु	13/ 2/36
राहु	22/ 2/30	गुरू	17/ 1/32	शनि	22/ 5/33	बुध	9/ 9/34	शुक्र	21/ 6/36
गुरू	16/ 7/30	शनि	8/ 3/32	बुध	8/ 8/33	केतु	2/10/34	सूर्य	29/ 7/36
शनि	7/ 1/31	बुध	24/ 4/32	केतु	10/ 9/33	शुक्र	5/12/34	चंद्र	3/10/36
बुध	10/ 6/31	केतु	13/ 5/32	शुक्र	10/12/33	सूर्य	23/12/34	मंगल	18/11/36
केतु	13/ 8/31	शुक्र	7/ 7/32	सूर्य	7/ 1/34	चंद्र	25/ 1/35	राहु	13/ 3/37

दशा भोग्य: Venus 15 Y 5 M 1 D

विंशोत्तरी दशा

अयनांश नाम: लाहिरी

गुरू — बुध		गुरू — केतु		गुरू — शुक्र		गुरू — सूर्य		गुरू — चंद्र	
25/ 9/39 से 1/ 1/42		1/ 1/42 से 7/12/42		7/12/42 से 7/ 8/45		7/ 8/45 से 25/ 5/46		25/ 5/46 से 25/ 9/47	
बुध	21/ 1/40	केतु	21/ 1/42	शुक्र	17/ 5/43	सूर्य	21/ 8/45	चंद्र	5/ 7/46
केतु	8/ 3/40	शुक्र	17/ 3/42	सूर्य	5/ 7/43	चंद्र	15/ 9/45	मंगल	3/ 8/46
शुक्र	24/ 7/40	सूर्य	3/ 4/42	चंद्र	25/ 9/43	मंगल	2/10/45	राहु	15/10/46
सूर्य	5/ 9/40	चंद्र	1/ 5/42	मंगल	21/11/43	राहु	15/11/45	गुरू	19/12/46
चंद्र	13/11/40	मंगल	21/ 5/42	राहु	15/ 4/44	गुरू	24/12/45	शनि	5/ 3/47
मंगल	1/ 1/41	राहु	11/ 7/42	गुरू	23/ 8/44	शनि	9/ 2/46	बुध	13/ 5/47
राहु	3/ 5/41	गुरू	26/ 8/42	शनि	25/ 1/45	बुध	20/ 3/46	केतु	11/ 6/47
गुरू	22/ 8/41	शनि	19/10/42	बुध	11/ 6/45	केतु	7/ 4/46	शुक्र	1/ 9/47
शनि	1/ 1/42	बुध	7/12/42	केतु	7/ 8/45	शुक्र	25/ 5/46	सूर्य	25/ 9/47

गुरू — मंगल		गुरू — राहु		शनि — शनि		शनि — बुध		शनि — केतु	
25/ 9/47 से 1/ 9/48		1/ 9/48 से 25/ 1/51		25/ 1/51 से 28/ 1/54		28/ 1/54 से 7/10/56		7/10/56 से 16/11/57	
मंगल	15/10/47	राहु	11/ 1/49	शनि	16/ 7/51	बुध	15/ 6/54	केतु	30/10/56
राहु	5/12/47	गुरू	6/ 5/49	बुध	20/12/51	केतु	12/ 8/54	शुक्र	7/ 1/57
गुरू	20/ 1/48	शनि	23/ 9/49	केतु	23/ 2/52	शुक्र	23/ 1/55	सूर्य	27/ 1/57
शनि	13/ 3/48	बुध	25/ 1/50	शुक्र	24/ 8/52	सूर्य	12/ 3/55	चंद्र	2/ 3/57
बुध	1/ 5/48	केतु	15/ 3/50	सूर्य	18/10/52	चंद्र	2/ 6/55	मंगल	23/ 3/57
केतु	20/ 5/48	शुक्र	9/ 8/50	चंद्र	18/ 1/53	मंगल	29/ 7/55	राहु	23/ 5/57
शुक्र	16/ 7/48	सूर्य	23/ 9/50	मंगल	21/ 3/53	राहु	24/12/55	गुरू	16/ 7/57
सूर्य	3/ 8/48	चंद्र	5/12/50	राहु	4/ 9/53	गुरू	4/ 5/56	शनि	19/ 9/57
चंद्र	1/ 9/48	मंगल	25/ 1/51	गुरू	28/ 1/54	शनि	7/10/56	बुध	16/11/57

शनि — शुक्र		शनि — सूर्य		शनि — चंद्र		शनि — मंगल		शनि — राहु	
16/11/57 से 16/ 1/61		16/ 1/61 से 28/12/61		28/12/61 से 28/ 7/63		28/ 7/63 से 7/ 9/64		7/ 9/64 से 13/ 7/67	
शुक्र	26/ 5/58	सूर्य	3/ 2/61	चंद्र	15/ 2/62	मंगल	21/ 8/63	राहु	11/ 2/65
सूर्य	23/ 7/58	चंद्र	2/ 3/61	मंगल	19/ 3/62	राहु	21/10/63	गुरू	28/ 6/65
चंद्र	28/10/58	मंगल	21/ 3/61	राहु	14/ 6/62	गुरू	14/12/63	शनि	10/12/65
मंगल	4/ 1/59	राहु	13/ 5/61	गुरू	30/ 8/62	शनि	17/ 2/64	बुध	5/ 5/66
राहु	25/ 6/59	गुरू	28/ 6/61	शनि	30/11/62	बुध	14/ 4/64	केतु	5/ 7/66
गुरू	27/11/59	शनि	23/ 8/61	बुध	21/ 2/63	केतु	7/ 5/64	शुक्र	26/12/66
शनि	28/ 5/60	बुध	11/10/61	केतु	24/ 3/63	शुक्र	14/ 7/64	सूर्य	18/ 2/67
बुध	9/11/60	केतु	1/11/61	शुक्र	29/ 6/63	सूर्य	4/ 8/64	चंद्र	13/ 5/67
केतु	16/ 1/61	शुक्र	28/12/61	सूर्य	28/ 7/63	चंद्र	7/ 9/64	मंगल	13/ 7/67

।। योगिनी दशा ।।

भद्रि 5 वर्ष	
आरम्भ	10. 2.78
अंत	1. 7.82
भद्रि	10. 2.78
उल	10.12.78
सि	30.11.79
सं	9. 1.81
मं	1. 3.81
पिं	11. 6.81
ध	11.11.81
भ्र	1. 7.82

उल 6 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.82
अंत	1. 7.88
उल	31. 5.83
सि	31. 7.84
सं	30.11.85
मं	30. 1.86
पिं	30. 5.86
ध	30.11.86
भ्र	30. 7.87
भद्रि	1. 7.88

सि 7 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.88
अंत	1. 7.95
सि	10.10.89
सं	30. 4.91
मं	10. 7.91
पिं	30.11.91
ध	30. 6.92
भ्र	9. 4.93
भद्रि	29. 3.94
उल	1. 7.95

सं 8 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.95
अंत	1. 7.03
सं	11. 3.97
मं	31. 5.97
पिं	10.11.97
ध	10. 7.98
भ्र	30. 5.99
भद्रि	10. 7.00
उल	9.11.01
सि	1. 7.03

मं 1 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.03
अंत	1. 7.04
मं	8. 6.03
पिं	28. 6.03
ध	28. 7.03
भ्र	7. 9.03
भद्रि	27.10.03
उल	27.12.03
सि	8. 3.04
सं	1. 7.04

पिं 2 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.04
अंत	1. 7.06
पिं	8. 7.04
ध	8. 9.04
भ्र	28.11.04
भद्रि	10. 3.05
उल	10. 7.05
सि	30.11.05
सं	10. 5.06
मं	1. 7.06

ध 3 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.06
अंत	1. 7.09
ध	30. 8.06
भ्र	30.12.06
भद्रि	30. 5.07
उल	30.11.07
सि	29. 6.08
सं	1. 3.09
मं	1. 4.09
पिं	1. 7.09

भ्र 4 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.09
अंत	1. 7.13
भ्र	11.11.09
भद्रि	31. 5.10
उल	31. 1.11
सि	10.11.11
सं	30. 9.12
मं	9.11.12
पिं	29. 1.13
ध	1. 7.13

भद्रि 5 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.13
अंत	1. 7.18
भद्रि	8. 2.14
उल	8.12.14
सि	28.11.15
सं	7. 1.17
मं	27. 2.17
पिं	6. 6.17
ध	6.11.17
भ्र	1. 7.18

उल 6 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.18
अंत	1. 7.24
उल	26. 5.19
सि	26. 7.20
सं	25.11.21
मं	25. 1.22
पिं	25. 5.22
ध	25.11.22
भ्र	25. 7.23
भद्रि	1. 7.24

सि 7 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.24
अंत	1. 7.31
सि	5.10.25
सं	25. 4.27
मं	5. 7.27
पिं	25.11.27
ध	25. 6.28
भ्र	4. 4.29
भद्रि	24. 3.30
उल	1. 7.31

सं 8 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.31
अंत	1. 7.39
सं	6. 3.33
मं	26. 5.33
पिं	5.11.33
ध	5. 7.34
भ्र	25. 5.35
भद्रि	5. 7.36
उल	4.11.37
सि	1. 7.39

।। योगिनी दशा ।।

मं 1 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.39
अंत	1. 7.40
मं	3. 6.39
पिं	23. 6.39
ध	23. 7.39
भ्र	2. 9.39
भद्रि	22.10.39
उल	22.12.39
सि	3. 3.40
सं	1. 7.40

पिं 2 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.40
अंत	1. 7.42
पिं	3. 7.40
ध	3. 9.40
भ्र	23.11.40
भद्रि	5. 3.41
उल	5. 7.41
सि	25.11.41
सं	5. 5.42
मं	1. 7.42

ध 3 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.42
अंत	1. 7.45
ध	25. 8.42
भ्र	25.12.42
भद्रि	25. 5.43
उल	25.11.43
सि	24. 6.44
सं	24. 2.45
मं	24. 3.45
पिं	1. 7.45

भ्र 4 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.45
अंत	1. 7.49
भ्र	3.11.45
भद्रि	23. 5.46
उल	23. 1.47
सि	2.11.47
सं	22. 9.48
मं	1.11.48
पिं	21. 1.49
ध	1. 7.49

भद्रि 5 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.49
अंत	1. 7.54
भद्रि	31. 1.50
उल	1.12.50
सि	21.11.51
सं	31.12.52
मं	20. 2.53
पिं	30. 5.53
ध	30.10.53
भ्र	1. 7.54

उल 6 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.54
अंत	1. 7.60
उल	20. 5.55
सि	20. 7.56
सं	19.11.57
मं	19. 1.58
पिं	19. 5.58
ध	19.11.58
भ्र	19. 7.59
भद्रि	1. 7.60

सि 7 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.60
अंत	1. 7.67
सि	29. 9.61
सं	18. 4.63
मं	28. 6.63
पिं	17.11.63
ध	17. 6.64
भ्र	27. 3.65
भद्रि	19. 3.66
उल	1. 7.67

सं 8 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.67
अंत	1. 7.75
सं	1. 3.69
मं	21. 5.69
पिं	31.10.69
ध	1. 7.70
भ्र	21. 5.71
भद्रि	1. 7.72
उल	31.10.73
सि	1. 7.75

मं 1 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.75
अंत	1. 7.76
मं	31. 5.75
पिं	20. 6.75
ध	20. 7.75
भ्र	30. 8.75
भद्रि	20.10.75
उल	20.12.75
सि	1. 3.76
सं	1. 7.76

पिं 2 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.76
अंत	1. 7.78
पिं	1. 7.76
ध	1. 9.76
भ्र	21.11.76
भद्रि	3. 3.77
उल	3. 7.77
सि	23.11.77
सं	3. 5.78
मं	1. 7.78

ध 3 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.78
अंत	1. 7.81
ध	23. 8.78
भ्र	23.12.78
भद्रि	23. 5.79
उल	23.11.79
सि	22. 6.80
सं	22. 2.81
मं	22. 3.81
पिं	1. 7.81

भ्र 4 वर्ष	
आरम्भ	1. 7.81
अंत	1. 7.85
भ्र	1.11.81
भद्रि	21. 5.82
उल	21. 1.83
सि	31.10.83
सं	20. 9.84
मं	30.10.84
पिं	19. 1.85
ध	1. 7.85

।। जैमिनी पद्धति – कारकांश एवं स्वांश ।।

कारकांश चक्र

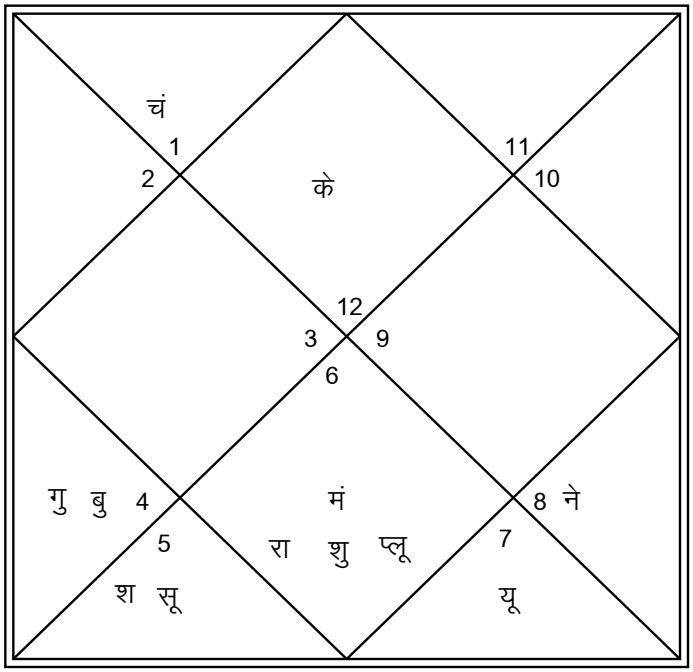

स्वांश चक्र

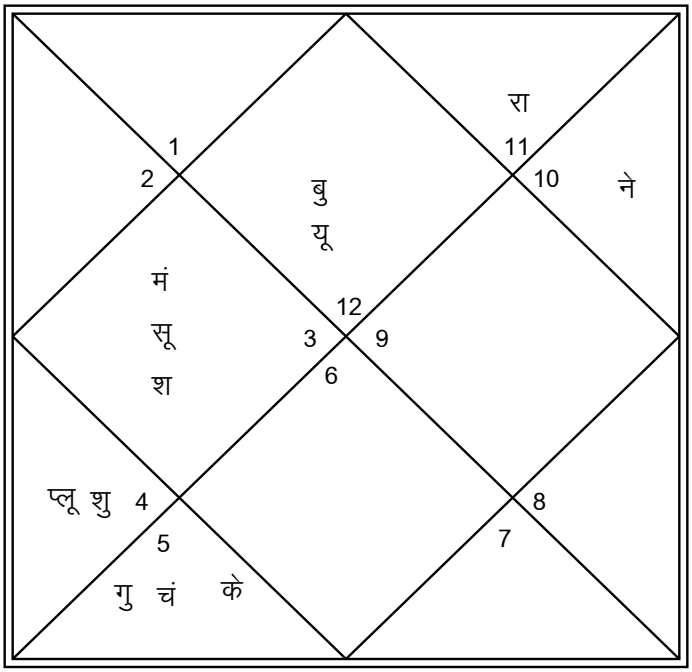

कारक

कारक	स्थिर	चर
आत्म	सूर्य	बुध
आमात्य	बुध	शुक्र
भ्रात	मंगल	मंगल
मातृ	चंद्र	चंद्र
पितृ	गुरू	शनि
ज्ञाति	शनि	सूर्य
दारा	शुक्र	गुरू

अवस्था

ग्रह	जागृत	बलादि	दीप्तादि
सूर्य	जाग्रत	कुमार	दीप्त
चंद्र	स्वप्न	युवा	मुदित
मंगल	स्वप्न	कुमार	खल
बुध	जाग्रत	बाल	दीन
गुरू	सुसुप्त	मृत	दीन
शुक्र	जाग्रत	कुमार	दीन
शनि	जाग्रत	कुमार	मुदित

|| चरदशा ||

चर महादशा

वृष 04 वर्ष	23. 8.78	23. 8.82
मेष 05 वर्ष	23. 8.82	23. 8.87
मीन 08 वर्ष	23. 8.87	23. 8.95

कुंभ 05 वर्ष	23. 8.95	23. 8.00
मकर 05 वर्ष	23. 8.00	23. 8.05
धनु 07 वर्ष	23. 8.05	23. 8.12

वृश्चिक 10 वर्ष	23. 8.12	23. 8.22
तुला 11 वर्ष	23. 8.22	23. 8.33
कन्या 02 वर्ष	23. 8.33	23. 8.35

सिंह 12 वर्ष	23. 8.35	23. 8.47
कर्क 03 वर्ष	23. 8.47	23. 8.50
मिथुन 01 वर्ष	23. 8.50	23. 8.51

चर अन्तरदशा

वृष 4 वर्ष		
मेष	23.8.78	23.12.78
मीन	23.12.78	23. 4.79
कुंभ	23.4.79	23. 8.79
मकर	23.8.79	23.12.79
धनु	23.12.79	23. 4.80
वृश्चिक	23.4.80	23. 8.80
तुला	23.8.80	23.12.80
कन्या	23.12.80	23. 4.81
सिंह	23.4.81	23. 8.81
कर्क	23.8.81	23.12.81
मिथुन	23.12.81	23. 4.82
वृष	23.4.82	23. 8.82

मेष 5 वर्ष		
वृष	23.8.82	23. 1.83
मिथुन	23.1.83	23. 6.83
कर्क	23.6.83	23.11.83
सिंह	23.11.83	23. 4.84
कन्या	23.4.84	23. 9.84
तुला	23.9.84	23. 2.85
वृश्चिक	23.2.85	23. 7.85
धनु	23.7.85	23.12.85
मकर	23.12.85	23. 5.86
कुंभ	23.5.86	23.10.86
मीन	23.10.86	23. 3.87
मेष	23.3.87	23. 8.87

मीन 8 वर्ष		
मेष	23.8.87	23. 4.88
वृष	23.4.88	23.12.88
मिथुन	23.12.88	23. 8.89
कर्क	23.8.89	23. 4.90
सिंह	23.4.90	23.12.90
कन्या	23.12.90	23. 8.91
तुला	23.8.91	23. 4.92
वृश्चिक	23.4.92	23.12.92
धनु	23.12.92	23. 8.93
मकर	23.8.93	23. 4.94
कुंभ	23.4.94	23.12.94
मीन	23.12.94	23. 8.95

|| चरदशा ||

कुंभ 5 वर्ष		
मीन	23.8.95	23. 1.96
मेष	23.1.96	23. 6.96
वृष	23.6.96	23.11.96
मिथुन	23.11.96	23. 4.97
कर्क	23.4.97	23. 9.97
सिंह	23.9.97	23. 2.98
कन्या	23.2.98	23. 7.98
तुला	23.7.98	23.12.98
वृश्चिक	23.12.98	23. 5.99
धनु	23.5.99	23.10.99
मकर	23.10.99	23. 3.00
कुंभ	23.3.00	23. 8.00

मकर 5 वर्ष		
धनु	23.8.00	23. 1.01
वृश्चिक	23.1.01	23. 6.01
तुला	23.6.01	23.11.01
कन्या	23.11.01	23. 4.02
सिंह	23.4.02	23. 9.02
कर्क	23.9.02	23. 2.03
मिथुन	23.2.03	23. 7.03
वृष	23.7.03	23.12.03
मेष	23.12.03	23. 5.04
मीन	23.5.04	23.10.04
कुंभ	23.10.04	23. 3.05
मकर	23.3.05	23. 8.05

धनु 7 वर्ष		
वृश्चिक	23.8.05	23. 3.06
तुला	23.3.06	23.10.06
कन्या	23.10.06	23. 5.07
सिंह	23.5.07	23.12.07
कर्क	23.12.07	23. 7.08
मिथुन	23.7.08	23. 2.09
वृष	23.2.09	23. 9.09
मेष	23.9.09	23. 4.10
मीन	23.4.10	23.11.10
कुंभ	23.11.10	23. 6.11
मकर	23.6.11	23. 1.12
धनु	23.1.12	23. 8.12

वृश्चिक 10 वर्ष		
तुला	23.8.12	23. 6.13
कन्या	23.6.13	23. 4.14
सिंह	23.4.14	23. 2.15
कर्क	23.2.15	23.12.15
मिथुन	23.12.15	23.10.16
वृष	23.10.16	23. 8.17
मेष	23.8.17	23. 6.18
मीन	23.6.18	23. 4.19
कुंभ	23.4.19	23. 2.20
मकर	23.2.20	23.12.20
धनु	23.12.20	23.10.21
वृश्चिक	23.10.21	23. 8.22

तुला 11 वर्ष		
वृश्चिक	23.8.22	23. 7.23
धनु	23.7.23	23. 6.24
मकर	23.6.24	23. 5.25
कुंभ	23.5.25	23. 4.26
मीन	23.4.26	23. 3.27
मेष	23.3.27	23. 2.28
वृष	23.2.28	23. 1.29
मिथुन	23.1.29	23.12.29
कर्क	23.12.29	23.11.30
सिंह	23.11.30	23.10.31
कन्या	23.10.31	23. 9.32
तुला	23.9.32	23. 8.33

कन्या 2 वर्ष		
तुला	23.8.33	23.10.33
वृश्चिक	23.10.33	23.12.33
धनु	23.12.33	23. 2.34
मकर	23.2.34	23. 4.34
कुंभ	23.4.34	23. 6.34
मीन	23.6.34	23. 8.34
मेष	23.8.34	23.10.34
वृष	23.10.34	23.12.34
मिथुन	23.12.34	23. 2.35
कर्क	23.2.35	23. 4.35
सिंह	23.4.35	23. 6.35
कन्या	23.6.35	23. 8.35

सिंह 12 वर्ष		
कन्या	23.8.35	23. 8.36
तुला	23.8.36	23. 8.37
वृश्चिक	23.8.37	23. 8.38
धनु	23.8.38	23. 8.39
मकर	23.8.39	23. 8.40
कुंभ	23.8.40	23. 8.41
मीन	23.8.41	23. 8.42
मेष	23.8.42	23. 8.43
वृष	23.8.43	23. 8.44
मिथुन	23.8.44	23. 8.45
कर्क	23.8.45	23. 8.46
सिंह	23.8.46	23. 8.47

कर्क 3 वर्ष		
मिथुन	23.8.47	23.11.47
वृष	23.11.47	23. 2.48
मेष	23.2.48	23. 5.48
मीन	23.5.48	23. 8.48
कुंभ	23.8.48	23.11.48
मकर	23.11.48	23. 2.49
धनु	23.2.49	23. 5.49
वृश्चिक	23.5.49	23. 8.49
तुला	23.8.49	23.11.49
कन्या	23.11.49	23. 2.50
सिंह	23.2.50	23. 5.50
कर्क	23.5.50	23. 8.50

मिथुन 1 वर्ष		
वृष	23.8.50	23. 9.50
मेष	23.9.50	23.10.50
मीन	23.10.50	23.11.50
कुंभ	23.11.50	23.12.50
मकर	23.12.50	23. 1.51
धनु	23.1.51	23. 2.51
वृश्चिक	23.2.51	23. 3.51
तुला	23.3.51	23. 4.51
कन्या	23.4.51	23. 5.51
सिंह	23.5.51	23. 6.51
कर्क	23.6.51	23. 7.51
मिथुन	23.7.51	23. 8.51

।। ग्रह दृष्टि (पाश्चात्य) ।।

	सूर्य 126 42	चंद्र 16 23	मंगल 168 40	बुध 118 16	गुरू 93 54	शुक्र 172 40	शनि 129 57	राहु 154 33	केतु 334 33	अरूण 199 15	वरूण 231 58	यम 171 19
सूर्य 126. 42	..	..	..	..	..	अर्धद्वितीय 0.03	युति 7.83	..	..	पंचा 0.45	..	अर्धद्वितीय 0.62
चंद्र 16. 23	..	..	..	..	..	..	..	..	..	सप्त 8.09	..	..
मंगल 168. 40	..	..	..	..	..	युति 7.33	..	..	सप्त 0.59	..	तृती 1.35	युति 8.24
बुध 118. 16	युति 4.38	..	..	..	..	तृती 0.2	युति 2.21	..	..	..	..	..
गुरू 93. 54	..	..	..	..	..	..	..	तृती 2.68	..	..	..	..
शुक्र 172. 40	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	तृती 2.65	..
शनि 129. 57	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
राहु 154. 33	..	..	युति 0.59	..	..	..	..	..	सप्त 10.0	अर्धद्वितीय 0.7	..	..
केतु 334. 33	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
अरूण 199. 15	..	..	..	..	..	..	..	..	अष्टा 0.7	..	..	..
वरूण 231. 58	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
यम 171. 19	..	..	..	..	..	युति 9.1	..	..	..	..	तृती 2.68	..

नोट :

1. गणना में निम्नलिखित दृष्टियों का उपयोग किया गया है :

संक्षिप्त–दृष्टि	अंश	दायरा	वजन	संक्षिप्त–दृष्टि	अंश	दायरा	वजन
युति	0	15	10	सप्त	180	15	10
पंच	120	6	3	चतुर्थ	90	6	3
तृती	60	6	3	अर्धद्वितीय	45	1	1
नवां	40	1	1	पंचा	72	1	1
अष्टा	135	1	1	षष्ठ	150	1	1

2. तालिका में दृष्टि (अगर मौजूद हो तो) और दृष्टि का वजन दिया गया है। जितना ज्यादा वजन होगा, दृष्टि उतनी ही प्रभावी होगी।
3. ग्रहों के नाम के नीचे ग्रहों के अंश व कला दिए गए हैं।
4. एप्पलाइंग दृष्टि के लिए बांए से ऊपर देखें और सेपरेटिंग दृष्टि के लिए ऊपर से बांए देखें।

।। भावमध्य पर दृष्टि ।।

	1 45 30	2 69 56	3 94 22	4 118 48	5 154 22	6 189 56	7 225 30	8 249 56	9 274 22	10 298 48	11 334 22	12 9 56
सूर्य 126. 42	..	..	..	..	..	तृती 1.38	..	पंच 1.38	..	सप्त 4.73	..	..
चंद्र 16. 23	..	..	..	..	..	सप्त 5.7	..	..	..	..	..	..
मंगल 168. 40	..	..	..	..	..	..	तृती 1.41	..	..	..	सप्त 0.46	..
बुध 118. 16	..	..	..	युति 9.65	..	पंचा 0.66	..	..	..	सप्त 9.65	..	..
गुरू 93. 54	..	..	युति 9.69	..	तृती 2.77	..	..	..	सप्त 9.69	..	..	..
शुक्र 172. 40	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
शनि 129. 57	..	..	..	..	..	तृती 2.99	चतुर्थ 0.23	पंच 2.99	..	सप्त 2.56	..	..
राहु 154. 33	..	..	..	..	..	..	..	चतुर्थ 0.31	पंच 2.91	..	सप्त 9.87	..
केतु 334. 33	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
अरूण 199. 15	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	अष्टा 0.89	..
वरूण 231. 58	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
यम 171. 19	..	..	..	..	..	..	तृती 0.09	..	..	..	..	..

नोट :

1. गणना में निम्नलिखित दृष्टियों का उपयोग किया गया है :

संक्षिप्त–दृष्टि	अंश	दायरा	वजन	संक्षिप्त–दृष्टि	अंश	दायरा	वजन
युति	0	15	10	सप्त	180	15	10
पंच	120	6	3	चतुर्थ	90	6	3
तृती	60	6	3	अर्धद्वितीय	45	1	1
नवां	40	1	1	पंचा	72	1	1
अष्टा	135	1	1	षष्ठ	150	1	1

2. तालिका में दृष्टि (अगर मौजूद हो तो) और दृष्टि का वजन दिया गया है। जितना ज्यादा वजन होगा, दृष्टि उतनी ही प्रभावी होगी।
3. चलित चक्र की भावमध्य अंश का उपयोग गणना के लिए किया गया है।
4. तालिका में ग्रहों की भाव मध्य पर एप्पलाइड दिखाई गई है।

।। केपी संधि पर दृष्टि ।।

	1 45 35	2 70 3	3 93 13	4 118 53	5 150 17	6 187 50	7 225 35	8 250 3	9 273 13	10 298 53	11 330 17	12 7 50
सूर्य 126. 42	..	..	..	..	..	तृती 2.43	..	पंच 1.32	..	सप्त 4.79	..	..
चंद्र 16. 23	..	..	..	..	..	सप्त 4.3	..	..	..	..	..	..
मंगल 168. 40	..	..	..	..	..	..	तृती 1.46	..	..	..	..	..
बुध 118. 16	..	..	..	युति 9.59	..	..	..	..	..	सप्त 9.59	..	..
गुरू 93. 54	..	..	..	..	तृती 1.19	चतुर्थ 1.03	..	..	सप्त 9.55	..	..	..
शुक्र 172. 40	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
शनि 129. 57	..	..	..	..	..	तृती 1.94	चतुर्थ 0.19	पंच 2.95	..	सप्त 2.62	..	..
राहु 154. 33	..	..	..	..	..	..	पंचा 0.03	चतुर्थ 0.25	पंच 2.33	..	सप्त 7.15	..
केतु 334. 33	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
अरूण 199. 15	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
वरूण 231. 58	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
यम 171. 19	..	..	..	..	..	..	तृती 0.13	..	..	..	..	..

नोट :

1. गणना में निम्नलिखित दृष्टियों का उपयोग किया गया है :

संक्षिप्त–दृष्टि	अंश	दायरा	वजन	संक्षिप्त–दृष्टि	अंश	दायरा	वजन
युति	0	15	10	सप्त	180	15	10
पंच	120	6	3	चतुर्थ	90	6	3
तृती	60	6	3	अर्धद्वितीय	45	1	1
नवां	40	1	1	पंचा	72	1	1
अष्टा	135	1	1	षष्ठ	150	1	1

2. तालिका में दृष्टि (अगर मौजूद हो तो) और दृष्टि का वजन दिया गया है। जितना ज्यादा वजन होगा, दृष्टि उतनी ही प्रभावी होगी।
3. निरयन भाव चलित (केपी चक्र) के भाव प्रारम्भ अंश का उपयोग गणना के लिए किया गया है।
4. तालिका में ग्रहों की केपी भाव प्रारम्भ पर एप्पलाइड दृष्टि दिखाई गई है।

।। अष्टकवर्ग तालिका ।।

राशि संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सूर्य	5	5	5	2	4	5	2	4	3	1	5	7
चन्द्र	3	5	6	5	0	2	7	3	2	7	6	3
मंगल	4	5	5	3	2	3	3	2	4	1	4	3
बुध	5	7	6	5	2	5	3	4	6	3	4	4
गुरू	4	6	4	5	5	4	8	3	4	4	5	4
शुक्र	4	7	5	5	3	3	2	6	5	3	3	6
शनि	1	4	6	3	4	2	2	3	3	2	6	3
योग	26	39	37	28	20	24	27	25	27	21	33	30

अष्टकवर्ग चार्टः

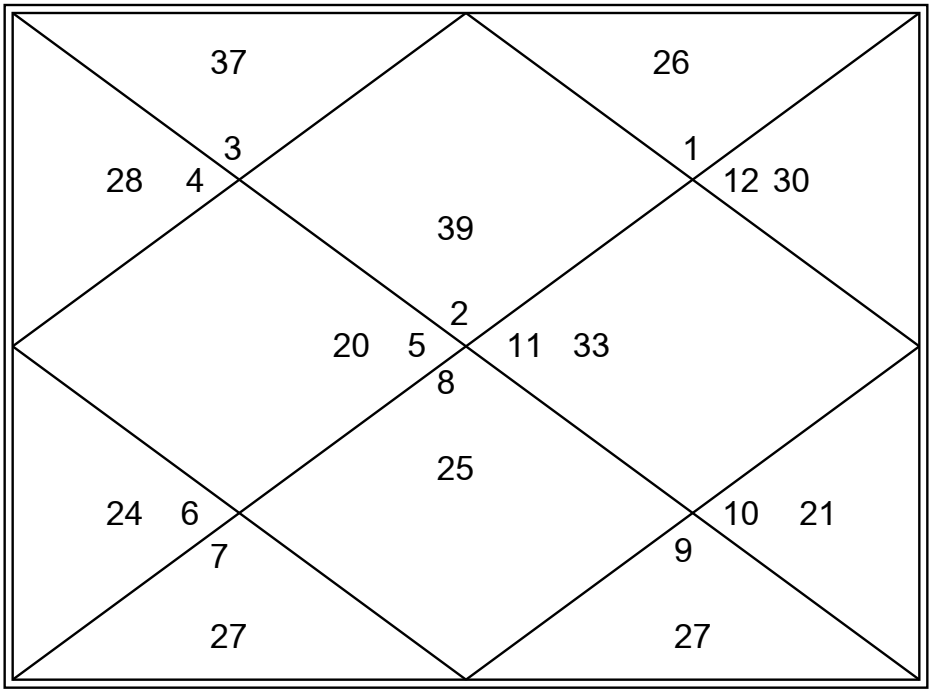

|| प्रस्तरअष्टकवर्ग तालिका ||

सूर्य

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
मंगल	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
बुध	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	7
गुरू	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
शुक्र	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	1	3
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
राहू	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	5	5	5	2	4	5	2	4	3	1	5	7	

चन्द्र

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	6
चन्द्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
मंगल	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
बुध	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	1	0	8
गुरू	1	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	7
शुक्र	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	7
शनि	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
राहू	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
योग	3	5	6	5	0	2	7	3	2	7	6	3	

मंगल

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3
मंगल	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	7
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरू	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	4
शुक्र	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	4
शनि	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	7
राहू	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
योग	4	5	5	3	2	3	3	2	4	1	4	3	

बुध

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	5
चन्द्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	6
मंगल	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
बुध	1	1	1	1	0	1	0	1	1	0	0	1	8
गुरू	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
शुक्र	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	8
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
राहू	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
योग	5	7	6	5	2	5	3	4	6	3	4	4	

गुरू

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	9
चन्द्र	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	5
मंगल	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	8
गुरू	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
शुक्र	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	6
शनि	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	4
राहू	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
योग	4	6	4	5	5	4	8	3	4	4	5	4	

शुक्र

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	3
चन्द्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	9
मंगल	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	5
गुरू	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	0	1	1	1	1	1	0	0	9
शनि	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	7
राहू	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
योग	4	7	5	5	3	3	2	6	5	3	3	6	

शनि

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
बुध	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	6
गुरू	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
शुक्र	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	3
शनि	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
राहू	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	1	4	6	3	4	2	2	3	3	2	6	3	

Disclaimer

We want to make it clear that we put our best efforts in providing this report but any prediction that you receive from us is not to be considered as a substitute for advice, program, or treatment that you would normally receive from a licensed professional such as a lawyer, doctor, psychiatrist, or financial adviser. Although we try our best to give you accurate calculations, we do not rule out the possibility of errors. The report is provided as-is and we provides no guarantees, implied warranties, or assurances of any kind, and will not be responsible for any interpretation made or use by the recipient of the information and data mentioned above. If you are not comfortable with this information, please do not use it. In case any disputes the court of law shall be the only courts of Agra, UP (India).

AstroSage

World's No. 1 Astrology Portal & App

पता:

ए-139, सेक्टर 63, नोएडा (उत्तर प्रदेश) 201303. भारत

संपर्क करें:

फोन: +91 95606 70006, 120 4138503

ईमेल: query@astrosage.com

वेब: www.AstroSage.com